श्री हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 270 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 28 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस पेज 3
अब युद्ध में बलिदान होने वाले सैनिकों के बच्चों को मिलेगा दोगुना भरण पोषण भत्ता पेज 4
2017 से पहले गरीबों के मकानों पर होते थे कब्जे, आज गरीबों को मिल रहे... पेज 5
राहत के नाम पर झुनझुना थमा रही गहलोत सरकार : केंद्रीय मंत्री शेखावत पेज 8

राज्य में कानून-व्यवस्था में समग्र सुधार के लिए काम करें : सीएम

आरक्षी अधीक्षकों के साथ वर्चुअल सम्मेलन

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने पुलिस अधीक्षकों से राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति में समग्र सुधार के लिए सक्रिय रूप से काम करने को कहा। गुरुवार को यहां असम हाउस के कांफ्रेंस हॉल में असम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ एक वर्चुअल सम्मेलन में मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पुलिस अधीक्षकों के प्रदर्शन का मूल्यांकन बंगाईगांव में होने वाले आगामी एसपी सम्मेलन में किया जाएगा। जो जून का दूसरा या तीसरा सप्ताह में होगा। एसपी के प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए पिछले चार एसपी सम्मेलन के 50 सूचकांकों को मानदंड के रूप में चिन्हित किया जाएगा जो उनकी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट का आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कानून और व्यवस्था के मोर्चे पर विभिन्न सूचकांकों में सुधार करने और अगले छह महीनों में इसे अगले स्तर पर ले जाने पर जोर देना होगा। कानून और व्यवस्था के परिदृश्य में काफी सुधार कर रही है। मुख्यमंत्री ने लंबित मामलों, नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों, साइबर अपराधों, महिलाओं के खिलाफ अपराधों, तेल चोरी के मामलों और छोटे मामलों को वापस लेने की चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक एसपी को निश्चित उचित लक्ष्य दिए जाएंगे और इसी आधार पर उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर गुवाहाटी और अन्य स्थानों में महिलाओं के खिलाफ अपराध को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे शहरों और कस्बों की महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित प्रधान सचिव, गृह एवं राजनीतिक सचिव नीरज वर्मा को अगस्त तक लोक अभियोजकों और अतिरिक्त लोक अभियोजकों की भर्ती के लिए प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अपराध सम्मेलन आयोजित करने और नशीले पदार्थों, पुलिस थानों का निरीक्षण, एक या दो मामलों में जांच अधिकारी होने और जिला न्यायपालिका के -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य प्रशासन में बड़ा फेरबदल जल्द

गुवाहाटी। असम सरकार राज्य में बड़े प्रशासनिक फेरबदल पर विचार कर रही है जिसके तहत हर जिले को प्रशासनिक और आर्थिक इकाई में बदला जाएगा। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। राज्य में हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के अगले महीने दो साल पूरे होने के साथ ही बड़े पैमाने पर बदलाव शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कायाकल्प के मुद्दे पर चर्चा के लिए जिला आयुक्तों के साथ तीन दिवसीय बैठक बुलाई है। यह तिनसुकिया जिले में 12 से 14 मई के बीच होने वाली है। शर्मा ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में तैयारी बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपायुक्तों का कार्यालय प्रशासन का आधार बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि काम करने के पारंपरिक और पुराने तौर-तरीकों के विपरीत, उपायुक्त अब संबंधित जिलों के जीडीपी में सुधार, जीएसटी सृजन, प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने, बिजली के उपभोग, औद्योगिक गतिविधि, कृषि विविधीकरण, औद्योगिक लैंडबैंक आदि के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेंगे। शर्मा ने आगे कहा कि प्रधान सचिवों को प्रधानमंत्री के निर्देश के अनुसार, जिले को प्रशासन का केंद्र बिंदु बनना है। यह जिला प्रशासनिक स्तर पर शक्तियों के विकेंद्रीकरण का एक मॉडल होगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी राज्य को आगे बढ़ना है, तो जिलों को भी इसके समग्र विकास और विकास में समान रूप से योगदान देना होगा। यही कारण है कि जिले को एक प्रशासनिक और आर्थिक इकाई होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले छह माह में जिलों को प्रशासनिक इकाई में बदलने की रूपरेखा तैयार करने के लिए बजटीय आवंटन किया जाएगा।

देश की संप्रभुता को लेकर पांच दोषी : एनआईए अदालत

गुवाहाटी। गुवाहाटी में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अदालत ने 2011 में पीएलए-सीपीआई (माओवादी) सांठगांठ मामले में भारत की एकता, अखंडता, सुरक्षा और संप्रभुता को खतरे में डालने की आपराधिक साजिश से जुड़े पांच आरोपियों को दोषी ठहराया है। दोषी ठहराए गए आरोपियों में से तीन मणिपुर की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलएएम) और दो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के थे। अदालत ने पीएलएएम के एन दिलीप सिंह उर्फ वांगबा, सेंजम धीरेन सिंह उर्फ एस बाबू सिंह, अर्नोल्ड सिंह उर्फ के. अर्नोल्ड सिंह, इंद्रनील चंदा उर्फ राज और अमित बागची उर्फ अमिताभ को दोषी ठहराया गया। एनआईए ने 1 जुलाई, 2011 को इस इनपुट पर स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन पीएलएम ने सीपीआई(माओवादी) के समर्थन से देश को अस्थिर करने की साजिश रची थी। अधिकारी ने कहा कि भाकपा (माओवादी) के नेताओं ने एक अलग राष्ट्र के रूप में पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के निर्माण के लिए पीएलएएम की -शेष पृष्ठ दो पर

डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थकों से मिले उनके परिजन

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल में बंद खालिस्तान समर्थक व वारिस दे पंजाब के 10 नेताओं से मिलने उनके परिजन यहां पहुंचे। गुरुवार को डिब्रूगढ़ जेल में बंद पंजाब के कैदियों से उनके परिजनों ने बारी-बारी से मुलाकात की। बताया गया कि कैदियों के परिजन सुबह 9.40 बजे अमृतसर से डिब्रूगढ़ स्थित मोहनबाड़ी हवाई अड्डे पर विमान से पहुंचे थे। जेल के नियमों के अनुसार मुलाकात से पहले इन सभी की पूरी तरह से जांच पड़ताल की गई और किसी प्रकार की सामग्री इन्हें अंदर नहीं ले जाने दिया गया। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एसजीपीसी के नेतृत्व में आए परिजनों के इस दल का नेतृत्व अधिवक्ता भगवंत सिंह सियालदह ने किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए अधिवक्ता भगवंत सिंह ने कहा कि पंजाब में होने जा रहे उपचुनाव के मद्देनजर इन लोगों की राजनीतिक गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने बताया कि मुलाकात के लिए आए सभी लोग शुक्रवार को वापस विमान से अमृतसर वापस जाएंगे।

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

गैंडे के अवैध शिकार के आरोपी गिरफ्तार

डीमापुर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को 2012 के गैंडों के अवैध शिकार मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पता चलता है कि सीबीआई के हाथों कोई भी आरोपी छूट नहीं सकता है। सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आरोपी की पहचान रैडांग इंग्ती के रूप में हुई है। आरोपी पर गैंडे के अवैध शिकार कर और उसका अवैध व्यापार करने के लिए मामला दर्ज किया गया था। वह लगातार फरार चल रहा था और आज अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली। जिसके बाद छापा मार कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

शाह और शर्मा की मौजूदगी में उग्रवादी समूह से शांति समझौता

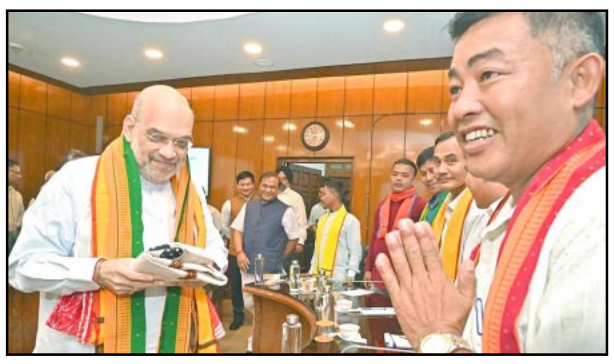

गुवाहाटी। उग्रवादी समूह डिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद शाह ने कहा कि राज्य में अब कोई आदिवासी उग्रवादी समूह नहीं है। उन्होंने दावा किया कि असम के सभी आदिवासी उग्रवादी समूह अब मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि आज असम के सारे विवादग्रस्त और हिंसा में लिप्त संगठन इस समझौते के साथ समाप्त होने जा रहे हैं। असम में अब एक भी आदिवासी समूह ऐसा नहीं है जो हथियार लेकर, कैंप लगाकर जंगलों में रहेगा। आज डिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी (डीएनएलए) और डिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल (डीपीएससी) के साथ असम सरकार के समझौते के साथ ही सारे के सारे आदिवासी समूह आज मुख्यधारा में आ गए हैं। अपने क्षेत्र असम और भारत के विकास की प्रक्रिया में जुड़े हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए बहुत खुशी की बात है कि डिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल और डिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी दोनों ने हिंसा खत्म करने और डिमासा के लोगों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकमुक्त, हिंसामुक्त और विकासयुक्त पूर्वोत्तर की कल्पना देश के सामने रखी है। गृह मंत्रालय मोदी के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा विधायक की हाईकोर्ट से सदस्यता रद्द

इटानगर। गौहाटी उच्च न्यायालय ने चुनावी हलफनामे में संपत्ति की जानकारी छिपाने के कारण अरुणाचल प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक दसांगलू पुल की विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई। उच्च न्यायालय की इटानगर पीठ ने 25 अप्रैल को एक आदेश में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अंजाव जिले की हयुलियांग विधानसभा सीट से उनके (पुल) चुनाव को अवैध घोषित कर दिया। दासंगलू पुल (45), अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कलिखो पुल की तीसरी पत्नी है। उन्होंने अपने पति की मृत्यु के बाद 2016 में उप चुनाव में पहली बार इस सीट पर जीत दर्ज की थी उसके बाद 2019 में वो हयुलियांग विधानसभा सीट से दोबारा चुनी गईं। वर्ष 2019 में पुल से हारने वाले कांग्रेस उम्मीदवार लुपलम क्री ने इसे चुनौती देते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति नानी तगिया की पीठ ने कहा कि प्रतिवादी उम्मीदवार ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 33 के अनुरूप अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत नहीं किया था और इस तरह, प्रतिवादी का नामांकन पत्र उक्त अधिनियम की धारा 36 (2) (ए) के तहत खारिज किया जाता है। क्री ने अपनी याचिका में दावा किया था कि पुल की उम्मीदवारी काफी हद तक दोषपूर्ण थी क्योंकि उन्होंने हलफनामे में अपने पति की मुंबई में चार और अरुणाचल प्रदेश में दो संपत्तियों की घोषणा -शेष पृष्ठ दो पर

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर सात गाड़ियां टकराईं, चार घायल

मुंबई। महाराष्ट्र से एक भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है। यहां मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार को एक के बाद एक सात गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इसमें चार लोग घायल हुए हैं। हालांकि, अब तक किसी की जान जाने की खबर नहीं आई है। घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ कारों और ट्रक को आपस में टकराए देखा जा सकता है। साथ ही एक एसयूवी को कार के ऊपर चढ़े देखा जा सकता है।

मोदी को जहरीला सांप बताने पर खरगे ने जताया खेद

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को *जहरीला सांप* बताए जाने का मामला तुल पकड़ लिया है। भाजपा नेताओं की ओर से किए जा रहे हमलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष ने एक के बाद एक कई ट्वीट करते हुए अपने बयानों पर खेद व्यक्त किया है। खरगे ने कहा कि अगर मेरे बयान से किसी को ठेस पहुंची या फिर उसका गलत अर्थ निकाला गया तो उसके लिए मैं विशेष खेद व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा बयान व्यक्तिगत तौर पर न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए था और न ही किसी और व्यक्ति विशेष के लिए था। कांग्रेस अध्यक्ष ने गुरुवार शाम को एक के बाद एक कई ट्वीट करते हुए कहा कि मेरा इरादा किसी की भावना आहत करने का नहीं था और अगर किसी की भावना आहत हुई है तो ये मेरी ये मंशा एकदम नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारी कोई निजी लड़ाई नहीं है, वैचारिक लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मेरे लंबे राजनीतिक जीवन का यह आचरण -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
सुख का मुख्य सिद्धांत स्वास्थ्य है और स्वास्थ्य का मुख्य सिद्धांत कसरत।
- टामसन

न्यूज गैलरी

केदारनाथ और यमुनोत्री धाम में बर्फबारी

देहरादून। उत्तराखंड में दोपहर बाद मौसम ने करवट बदली और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई। केदारनाथ और यमुनोत्री धाम में बर्फबारी हुई। वहीं, यमुनाघाटी समेत निचले इलाकों में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। बता दें कि मौसम विभाग ने प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार जताए हैं। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के कुछ स्थानों व शेष जनपदों में भी बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ ही बर्फबारी की संभावना है।

देश व समाज हित में किया गया कार्य ही संघ कार्य : मोहन भागवत

नागपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को यहां के जामठा परिसर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (एनसीआई) का उद्घाटन किया। डॉ. भागवत ने इस अवसर पर कहा कि समाज और देशहित में काम करना संघ का कार्य है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज के हित और देश के भले के लिए काम करते हैं वास्तव में वह संघ का ही काम करते हैं। ऐसा करके वह अपने आप संघ कार्य से जुड़ जाते हैं। डॉ. भागवत ने इस कार्य के लिए संस्था के प्रबंधन को जनता की ओर से धन्यवाद, अपनी तरफ से आशीर्वाद और बतौर सरसंघचालक शाबाशी दी। उद्घाटन कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, उद्योगपति गौतम अडाणी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, पूर्व सांसद अजय संचेती, एनसीआई के अध्यक्ष सुनील मनोहर उपस्थित थे। डॉ. भागवत ने कहा कि कैंसर की बीमारी रोगी को तो कष्ट देती ही है, साथ में उनके परिवार की हिम्मत को भी पस्त करती है। ऐसे में एनसीआई जैसी संस्थाए मरीजों को इलाज के साथ-साथ हौसला देने का भी काम करती हैं। सरसंघचालक ने कहा कि स्वास्थ्य संकट से जूझते समय व्यक्ति आर्थिक और मानसिक रूप से थक जाता है। कैंसर शरीर के साथ-साथ हौसले को भी कम करता है। ऐसे में समाज को ऐसी संस्थाओं की जरूरत है, जो मरीजों -शेष पृष्ठ दो पर

कालियागंज कांड

अनुसूचित आयोग ने डीएम, एसपी और आईजी को दिल्ली बुलाया

कोलकाता (हि.स.)। राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग ने कालियागंज में नाबालिक लड़की से दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोपों की जांच में सहयोग नहीं करने पर राज्य प्रशासन के तीन अधिकारियों को दिल्ली तलब किया है। आयोग ने नॉर्थ बंगाल के आईजी देवेंद्र प्रताप सिंह, नॉर्थ दिनाजपुर की एसपी सना अख्तर और जिलाधिकारी अरविंद कुमार मीणा को पांच मई को दिल्ली तलब किया है। आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलदर ने गुरुवार को कहा कि अगर वे उस दिन पेश नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कलकत्ता हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

शादी का वादा कर सहमति से बनाए शारीरिक संबंध रेप के बराबर नहीं

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 14 साल पुराने एक मामले में फैसला सुनाया है कि शादी के वास्तविक वादे पर दो वयस्कों के बीच सहमति से शारीरिक संबंध, जिसे पूरा नहीं किया जा सका, को बलात्कार नहीं माना जा सकता है। न्यायमूर्ति शंपा दत्ता (पॉल) की एकल-न्यायाधीश पीठ ने कहा कि अक्सर रिश्तों में जटिलताओं के कारण बलात्कार के आरोप लगाए जाते हैं। यह फैसला 2009 में पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के दानकुनी में दायर एक मामले पर आया। एक लड़के और लड़की के बीच उनके परिवारों द्वारा एक शादी तय की गई, जिसके बाद दोनों अक्सर मिलने लगे। जिसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने। लेकिन इसी बीच प्रोफेशनल कारणों से लड़का गोवा शिफ्ट हो गया और वहां उसने दूसरी लड़की से शादी कर ली। इसके बाद जिस लड़की से उसके शारीरिक संबंध बने और उसके परिवार वालों ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पूरे परिवार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत मामला दर्ज कर युवक के पिता को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि उन्होंने प्राथमिकी को चुनौती देते हुए 2009 में कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत में तर्क दिया कि इस मामले को बलात्कार नहीं माना जा सकता क्योंकि दोनों सहमति से बालिग थे। उन्होंने यह भी दलील दी कि सहमति से शारीरिक संबंध बनाने की वजह से युवक के परिजनों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत आरोप नहीं लगाया जा सकता है।

एससीओ बैठक : आज भारत आएंगे चीन के रक्षा मंत्री

नई दिल्ली। चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू 28 अप्रैल को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचेंगे। मई 2020 से पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच तनावपूर्ण गतिरोध के बाद उनका ये दौरा काफी खास माना जा रहा है। एससीओ की बैठक गोवा में आज से शुरू हो रही है। इसमें एससीओ के सभी सदस्य देशों के रक्षा मंत्री भाग ले रहे हैं। बैठक में जनरल ली अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय हालातों के साथ-साथ रक्षा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर संवाद करेंगे ऐसी उम्मीद है। ऐसे संकेत हैं कि 28 अप्रैल को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी। इससे पहले मार्च 2023 में चीन के नए विदेश मंत्री छिन कांग भी जी-20 बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। इस दौरान भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता हुई थी। इससे पहले चीन के रक्षा मंत्रालय की तरफ से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति कायम रखने को लेकर बयान भी सामने आया था। दरअसल 23 अप्रैल को हुई चुशूल-मोल्दो सीमा पर आयोजित चीन-भारत की कोर कमांडर स्तरीय बैठक के 18वें दौर को लेकर पॉजिटिव बात की गई थी। इसमें कहा गया था कि पूर्वी लद्दाख में लंबे समय से चल रहे गतिरोध से संबंधित प्रासंगिक मुद्दों पर जल्द से जल्द समाधान करने को लेकर सहमति हुई। गलवान घाटी में 2020 में हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच काफी तैनाव हो गया था।

ट्रैक पर कार्य के चलते कई ट्रेनें रद्द और कुछ परिवर्तित मार्ग पर चलेंगी

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के रंगिया मंडल के अंतर्गत आजरा- मिर्जा स्टेशनों के बीच दोहरी लाइन के लिए 28 अप्रैल से 1 मई तक प्री नॉन-इंटरलॉकिंग और 2 मई को नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाना है। इसके लिए विभिन्न तिथियों में कुछ ट्रेनों को रद्द और कुछ के मार्ग परिवर्तन पुनर्निर्धारण किया गया है। पूसीरे के सीपीआरओ ने गुरुवार को बताया कि 2 और 3 मई को चलने वाली ट्रेन संख्या 05019 (मेंदीपथार- गुवाहाटी) पैसेंजर स्पेशल और 1 और 2 मई को चलने वाली ट्रेन संख्या 05020 (गुवाहाटी-मेंदीपथार) पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी। इसी तरह 1 और 3 मई को चलने वाली ट्रेन संख्या 05608 (गुवाहाटी-मेंदीपथार) पैसेंजर स्पेशल और 2 और 4 मई को चलने वाली ट्रेन संख्या 05607 (मेंदीपथार-गुवाहाटी) पैसेंजर स्पेशल ट्रेन भी रद्द रहेगी। उन्होंने बताया कि इसके साथ ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन वाया कामाख्या किया गया है। इनमें रंगिया- न्यू बंगाईगांव 28 अप्रैल से 3 मई तक चलने वाली ट्रेन सं. 12346 (गुवाहाटी- हावड़ा) सराईघाट एक्सप्रेस 2 मई को चलने वाली ट्रेन सं. 15662 (कामाख्या- रांची) एक्सप्रेस और 3 मई को चलने वाली ट्रेन सं. 15668 (कामाख्या- गांधीधाम) एक्सप्रेस शामिल है। उन्होंने बताया कि 28 से 30 अप्रैल तक चलने वाली ट्रेन संख्या 15601 (धुबड़ी- गुवाहाटी) एक्सप्रेस, 28 अप्रैल को चलने वाली ट्रेन सं. 12503 (एसएमवीटी बेंगलुरू- अगरतला) एक्सप्रेस और ट्रेन सं. 08047 (सांतरागाछी- गुवाहाटी) स्पेशल; 1 मई को चलने वाली ट्रेन सं. 07030 (सिकंदराबाद- अगरतला) स्पेशल और 2 मई को चलने वाली ट्रेन सं. 15619 (गया- कामाख्या) एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन कर वाया न्यू बंगाईगांव-रंगिया - कामाख्या चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 29 अप्रैल को चलने वाली ट्रेन सं. 05020 (गुवाहाटी- मेंदीपथार) पैसेंजर स्पेशल शाम 4.20 बजे के बजाए पुनर्निर्धारित समय शाम 05.05 बजे प्रस्थान करेगी।

आग में जलकर राख हुआ लोहे का गोदाम

कछार (हिंस)। सिलचर-आइजोल राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 306 के किनारे कछार जिला के पानीभोरा इलाके में हुई एक भयावह अग्निकांड में एक लोहे का गोदाम पूरी तरह जलकर राख हो गया। यह घटना बुधवार की देर रात उस समय घटी जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस गोदाम में पुराने लोहे, टीना आदि रखे हुए थे। रात्रि के 12 बजे के बाद आग की ऊंची उठती हुई लपटें देखकर लोग चारों तरफ से इकट्ठा हो गए। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की चेष्टा शुरू कर दी। साथ ही नजदीकी थाने में इस घटना की सूचना तत्काल ही दी गई। मौका-ए-वारदात पर अग्निशामक दस्ते के साथ दो गाड़ियां पहुंची तथा काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस दरम्यान लाखों की संपत्ति जलकर राख होने संबंधी अनुमान लगाया गया है। हालांकि, आग लगने के सही कारणों की जानकारी अब तक नहीं मिल सकी है। फिर भी अनुमान के आधार पर ऐसा कहा जा रहा है कि बिजली की शार्ट सर्किट की वजह से यह आग लगी होगी।

ऑपरेशन कावेरी : अब तक 1100 नागरिक वतन लौटे

मुंबई (हि.स.)। सूडान में फंसे भारतीयों को भारत लाने के लिए शुरू किए गए ऑपरेशन कावेरी के तहत 246 नागरिकों को वायु सेना के विमान से गुरुवार को मुंबई एयरपोर्ट पर लाया गया। यहां पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष प्रयास से सूडान में फंसे 1100 भारतीयों को भारत लाया जा चुका है। विदेश मंत्री जयशंकर ने गुरुवार को ट्वीट किया कि एक और ऑपरेशन कावेरी विमान मुंबई आया। 246 और भारतीय मातृभूमि लौट आए। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा कि गुरुवार को भारतीय वायु सेना के विमान से ऑपरेशन कावेरी के तहत संघर्षग्रस्त सूडान से 128 भारतीय नागरिक सऊदी अरब के जेद्दा पहुंचे। मुरलीधरन ने अधिकारियों के साथ जेद्दा में भारतीय नागरिकों की अगवानी की। मुरलीधरन कहा कि जेद्दा पहुंचे भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द भारत भेजने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें जेद्दा में भारतीय नागरिकों को विमान से उतरते हुए दिखाया गया है। मुरलीधरन ने एक अन्य ट्विट में बताया कि ऑपरेशन कावेरी तेज गति से जारी है। जेद्दा में 297 भारतीयों को नौसेना के जहाज आईएनएस तेग से लाए जाने की खुशी है। इस दूसरे जहाज और कुल छह बैचों में लगभग 1,100 भारतीय सूडान से जेद्दा पहुंच गए हैं। आज जेद्दा पहुंचने वालों की भारत वापसी शीघ्र ही शुरू होगी। जेद्दा बंदरगाह पर भारतीय नागरिकों की अगवानी के बाद मंत्री मुरलीधरन ने उनसे बातचीत की और उन्हें भारत सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने सूडान से जेद्दा आए भारतीयों से कहा कि मैं यहां हूं और आपको सूडान से वापस आते हुए देखकर अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि मैं यहां आप सभी को पीएम मोदी की शुभकामनाएं देने आया हूं। उन्होंने कहा है कि दुनिया में जहां भी भारतीय परेशान हैं, उन्हें बचाने की जिम्मेदारी भारत सरकार की है। सूडान से आये एक भारतीय नागरिक ने नौसेना को धन्यवाद देते हुए कहा कि देश के असली नायकों ने हमें बचाया और हमें किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। हम अब जेद्दा पहुंच गए हैं, जहां से हम अपने घर जाएंगे। हम अपने प्रधान मंत्री के प्रति आभारी हैं। सूडान से लाये गए भारतीयों को एक ऑडिटोरियम में रखा गया है, जहां वे आगे की सहायता के लिए इंतजार कर रहे हैं। यह ऑडिटोरियम भारतीय नौसेना की प्रशंसा के नारों से गूंज उठा। नौसेना के मुताबिक ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान से भारतीय नागरिकों की त्वरित और सुरक्षित निकासी के लिए नौसेना और वायु सेना की संपत्तियों को पोर्ट सूडान की ओर मोड़ दिया गया। आईएनएस तेग ने पोर्ट सूडान से 297 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर जेद्दा पहुंचाया। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों से आने वाला यह दूसरा बैच है। 278 भारतीयों का पहला बैच 26 अप्रैल को आईएनएस सुमेधा से जेद्दा लाया गया था।

ब्रू जनजाति के पुनर्वास की समीक्षा करने त्रिपुरा आएंगे गृह मंत्री

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ब्रू जनजाति के पुनर्वास की समीक्षा करने के लिए मई में त्रिपुरा का दौरा कर सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 1997 में जातीय तनाव के कारण मिजोरम से भागे कुल 37,136 ब्रू लोगों को एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद त्रिपुरा में दोबारा बसाया गया था। अब तक ज्यादातर शरणार्थियों को 12 नामित स्थानों में दोबारा बसाया गया है। जिलाधिकारी गोवेकर मयुर रतिलाल ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह 8 मई को गोमती जिले के करबुक और अमरपुर अनुमंडल में दो ब्रू पुनर्वास क्षेत्रों का दौरा कर सकते हैं। इस दौरे को लेकर व्यवस्था की जा रही है। कुल मिलाकर 439 ब्रू परिवारों को अमरपुर के पश्चिम कालजारी में और 264 परिवारों को कारबुक के सिलाचेरी में बसाया गया। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय प्रशासन ने दोनों स्थानों पर पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की हैं।

बाइक चोर गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर पुलिस ने बाइक चोरी मामले में शामिल एक शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बाइक चोरी के मामले में मिराज बोरा (25) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से चोरी की ग्लैमर बाइक (एएस-04एम-8650) बरामद की गई है। मिराज ने शिवसागर के संजीत चेतिया की बाइक को चुराया था। चोरी की बाइक को मिराज कबाड़ी की दुकान में बेच दिया था। जहां से पुलिस ने बाइक को बरामद किया है।

आठवीं कक्षा के छात्र ने की खुदकुशी

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिला मुख्यालय के एक निजी विद्यालय में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि ग्वालपाड़ा शहर में स्थित महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र ने अपने हॉस्टल में फंदे से लटककर आत्महत्या कर लिया। मृत छात्र की पहचान निलज्योति बर्मन के रूप में की गई है। जो कोकराझाड़ का रहने वाला था। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत छात्र के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। सूत्रों ने बताया है कि तीन दिन पहले ही परिवार के लोगों ने छात्र को हॉस्टल में पढ़ने के लिए छोड़ कर गए थे। आज सुबह कक्षा से शौचालय के बाद हॉस्टल में गया और फंदे से लटक कर उसने आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्वालपाड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनीता हाजारिका मौके पर पहुंचकर जांच आरंभ कर दिया।

एसआईएफएफ ने सरकार पर बांध-निर्माण को दुबारा शुरू करने का लगाया आरोप

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के सियांग स्वदेशी किसान फोरम (एसआईएफएफ) ने गुरुवार को सियांग नदी पर 10 हजार मेगावाट के बांध के निर्माण का विरोध करते हुए आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार फिर से उसी परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाली है। जिसको न्यायालय ने पहले ही जनहित याचिका के याचिकाकर्ता के पक्ष में निस्तारित कर दिया है। अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए एसआईएफएफ के प्रतिनिधि भानु ताटक ने बताया कि गौहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ नाहरलगुन में वर्ष 2014 में जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता की अपील पर पर न्यायालय ने सुनवाई शुरू की। कोर्ट ने 2022 में अपना फैसला सुनाया। राज्य के महाधिवक्ता ने अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें बताया गया था कि सियांग बेसिन में छोटे-बड़े कुल 50 जलविद्युत परियोजनाओं को राज्य सरकार द्वारा सियांग बेसिन के निवासियों के बड़े हित के लिए छोड़ दिया है। ताटक ने बताया कि कोर्ट ने इस मामले पर फैसला लेते हुए राज्य सरकार को भविष्य में किसी भी तरह के बांध के लिए प्रभावित लोगों से परामर्श लेने का भी निर्देश दिया है, क्योंकि सियांग नदी जैव विविधता हॉटस्पॉट और ऐतिहासिक महत्व वाली सियांग घाटी में रहने वाले लोगों की जीवन रेखा है। इसलिए विकास के नाम पर सियांग के लोगों की समृद्ध संस्कृति का सफाया करने की अनुमति नहीं देंगे। लेकिन राज्य सरकार कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि परियोजना के बलपूर्वक कार्यान्वयन भविष्य में कानून और व्यवस्था के लिए समस्या उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों की इच्छा के विरुद्ध परियोजना का आयोग अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 का उल्लंघन है, जिसमें आदिवासी लोगों को वन उत्पादों और अन्य संसाधनों के उपयोग का अधिकार दिया जाता है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में कानून-व्यवस्था...

साथ अच्छे संबंध बनाने पर बैठकें आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। शर्मा ने डीजीपी और अन्य पुलिस उच्चाधिकारियों को यह देखने का निर्देश दिया कि क्या पुलिस अधिकारी शारीरिक फिटनेस अभ्यास में भाग ले रहे हैं, पुलिस थानों का दौरा कर रहे हैं, मामले दर्ज कर रहे हैं और उन्हें तार्किक निष्कर्ष पर ला रहे हैं। पुलिस कर्मियों के फिटनेस रूटीन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस के शीर्ष अधिकारियों को पुलिस जो आदतन शराब पीने वाले हैं, अत्यधिक मोटे हैं और जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले हैं - उन्हें या तो वीआरएस देकर या सीआरएस मुआवजा, ऐसे करीब 250 पुलिसकर्मियों को एकमुश्त मुआवजा देने की प्रक्रिया चल रही है। यह निर्णय लिया गया है कि प्रशासनिक सुविधा और अपराध से निपटने के लिए पूर्वी गुवाहाटी पुलिस जिले में दो और पुलिस जिले होंगे। इस आशय की अधिसूचना जल्द ही गृह एवं राजनीतिक विभाग द्वारा जारी की जाएगी। गुवाहाटी शहर के लिए पुलिसतंत्र को मजबूत करने की दृष्टि से, राजधानी शहर या उसके आसपास स्थित चार बटालियनों को पुलिस आयुक्तालय तक पहुंचाया जाएगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने लंबित अपराधों पर एक व्यौरा दिया जिसमें 2021 में 95,000 से घटकर 2022 में 55,000 हो गई है; बाल विवाह के 97 प्रतिशत से अधिक मामलों में आरोप पत्र दायर करना; जांच के तहत छोटे मामलों को छोड़ना; पॉस्को और एनडीपीएस मामलों में सजा की दर कम करना; मई 2021 के 73,474 मामलों से मार्च 2023 तक 12,730 मामलों में महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी आई है, जिसमें कुल नौ जिले शून्य बैकलॉग दर्ज कर रहे हैं; पीक आवर्स के दौरान दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की जियो टैगिंग के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और पुलिस थानों में सीसीटीवी लगाना। विशेष डीजीपी, हरमीत सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि ई-एफआईआर दर्ज करने सहित कुल 24 सेवाओं के साथ असम पुलिस सेवा सेतु नाम का एक पोर्टल जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। यह पोर्टल गृह विभाग की ई-प्रस्तुति और आरटीपीएस से जुड़ा होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि इष्टतम परिणाम प्राप्त करने के लिए आयोजना समितियों को उचित प्रशिक्षण दिया जाए। मुख्यमंत्री ने डीजीपी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को इस साल मई तक नागरिक समितियों के गठन की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। करीब डेढ़ घंटे तक चली इस बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पीयूष हजारिका, डीजीपी जीपी सिंह, प्रधान आवासीय आयुक्त राजीव चंद्र जोशी और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा ने भाग लिया।

देश की संप्रभुता ...

अलगाववादी गतिविधियों को पहचानने और समर्थन करने पर सहमति व्यक्त की थी। पीएलएएम नेतृत्व ने भारत की संवैधानिक रूप से निर्वाचित सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए अपनी ओर से भाकपा (माओवादी) के जारी युद्ध का समर्थन करने का फैसला किया। एनआईए ने कहा कि उनकी जांच से पता चला है कि पीएलएएम ने कोलकाता में एक संपर्क कार्यालय स्थापित किया था, जहां पीएलएएम/आरपीएफ और सीपीआई (माओवादी) नेताओं के बीच एक बैठक हुई थी। बैठक में भारत संघ के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए एकीकृत कार्रवाई करने के तौर-तरीकों पर काम किया गया। पीएलएएम/आरपीएफ प्रशिक्षकों द्वारा सीपीआई (माओवादी) के कैडरों को सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए झारखंड में पीएलएएम/आरपीएफ और सीपीआई (माओवादी) नेतृत्व के बीच एक द्विदलीय बैठक भी आयोजित की गई थी। अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान यह भी सामने आया कि पीएलएएम/आरपीएफ के एसएस अध्यक्ष ने भी सीपीआई (माओवादी) के महासचिव को 6 अप्रैल, 2010 को छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों पर हमला करने के लिए बधाई दी थी, जिसके परिणामस्वरूप 76 सीआरपीएफ जवानों की मौत हो गई थी। पीएलएएम ने माओवादी कैडरों को रसद सहायता प्रदान की थी और दोनों समूह नियमित रूप से संचार और ई-मेल का आदान-प्रदान कर रहे थे। आरोपी व्यक्तियों ने भारत के भीतर और बाहर विभिन्न स्थानों की यात्रा की थी, और नकली पहचान के तहत फर्जी आईडी और बैंक खाते बनाए थे। इन निष्कर्षों के आधार पर, एनआईए ने 21 मई और 16 नवंबर 2012 को और साथ ही 31 जुलाई, 2014 को एनआईए की विशेष अदालत, गुवाहाटी में मामले में चार्जशीट दायर की थी। सुनवाई के बाद अदालत ने बुधवार को इस मामले में पांचों आरोपियों को दोषी करार दिया।

गैंडे के अवैध ...

सीबीआई ने डीमापुर के ल्होमीठी गांव से रैडांग इंगती को धर-दबोचा है। सीबीआई ने असम सरकार के अनुरोध पर मामला दर्ज किया था और बाद में कार्बी आंगलोंग में रोंगमोंगवे पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच अपने हाथ में ली थी। शख्स के खिलाफ की गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 1 जुलाई 2012 को अज्ञात शिकारियों ने एक गैंडे को मार डाला और उसका सींग काट दिया। अज्ञात शिकारियों ने गैंडे का शिकार कर उसका शव कार्बी आंगलोंग के लोंगकोई तिस्सो गांव में फेंक दिया था। गांव की एक खाई में गैंडे का शव बरामद किया गया था। जांच के दौरान पाया गया कि गैंडे को मारने के बाद उसके सींग को डीमापुर में गिरफ्तार आरोपी को बेच दिया गया था। सीबीआई ने कहा कि अभियुक्तों की मिलीभगत तब सामने आई जब उन्होंने गैंडे का शिकार कर उसे आरोपी रैडांग इंगती को बेच दिया था और इसके बदले में एक मोटी रकम हासिल की थी। आरोपी रैडांग इंगती गैंडे की सींग का व्यापार करता था औप वह उसके बदले मोटी रकम का लेन-देन किया करता था। मामले की जांच के बाद 31 मार्च 2018 को पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को डीमापुर स्थित अदालत में पेश किया जाएगा।

शाह और शर्मा की ...

नेतृत्व में इस दिशा में हर रोज एक-एक कदम आगे बढ़ता जा रहा है। शाह ने कहा, आज के इस ऐतिहासिक समझौते में सहमति हुई है कि डिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी के सारे प्रतिनिधि हिंसा का मार्ग छोड़कर शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंदर हिस्सेदार होंगे। सभी हथियार और गोला बारूद असम सरकार के सामने सरेंडर करेंगे। अपने सशस्त्र संगठन को भंग करेंगे और कैडरों के कब्जे वाले सभी शिविरों को खाली करेंगे। इसके तहत लगभग 168 से ज्यादा कैडर आज मुख्यधारा में जुड़ रहे हैं। यह मेरे लिए बहुत संतोष का विषय है।

भाजपा विधायक की...

नहीं की थी। हालांकि, भाजपा विधायक ने अदालत में कहा कि कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र के मद्देनजर कलिखो पुल की पहली पत्नी डांगविमसाई पुल उनकी संपत्ति की मालकिन हैं जिस वजह से उन्होंने चुनावी हलफनामे में इनमें से किसी भी संपत्ति का जिक्र नहीं किया। पुल ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगी।

मोदी को जहरीला ...

भी नहीं है। मैं मरते दम तक मर्यादाओं और परंपराओं को निभाऊंगा। मैं किसी बड़े पदों पर बैठे व्यक्तियों और उनकी परेशानियों का मजाक नहीं उड़ाता। मैंने गरीबों का दुख देखा भी है उसको सहा भी है। दरअसल, कर्नाटक में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने गुरुवार को कालबुरागी में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी को जहरीला सांप बताते हुए कहा कि अगर आप इसे चाटते हैं तो मर जाएंगे। देखते ही देखते खरगे के इस बयान पर हंगामा खड़ा हो गया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि खरगे का यह बयान कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। एक तरफ राहुल गांधी प्यार की दुकान खोलने के लिए भारत जोड़ो यात्रा किए तो अब उन्हीं के अपने पार्टी अध्यक्ष पीएम के खिलाफ इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

देश व समाज हित ...

को इलाज के साथ-साथ हौसला भी प्रदान करे। डॉ. भागवत ने कहा कि ऐसी संस्थाएं और उसके प्रबंधन का अभिनंदन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज और देशहित में काम करना संघ का कार्य है। बतौर डॉ. भागवत जो लोग समाज के हित और देश के भले के लिए काम करते हैं वास्तव में वह संघ का ही काम करते हैं। ऐसा करके वह अपने आप संघ कार्य से जुड़ जाते हैं। कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री गडकरी, मुख्यमंत्री शिंदे और उप मुख्यमंत्री फडणवीस ने भी संबोधित किया। इस समारोह में उपस्थित कई नेताओं और एनसीआई से जुड़े लोगों को कैंसर के चलते अपनों को खोना पड़ा। उप मुख्यमंत्री फडणवीस के पिता गंगाधरराव फडणवीस, एनसीआई के संस्थापक शैलेश जोगलेकर की पत्नी, मुख्यमंत्री शिंदे की मां और केंद्रीय मंत्री गडकरी की भांजी का कैंसर से निधन हुआ था। इन सभी नेताओं के चेहरे पर अपनों को खोने का दर्द साफ झलक रहा था। बतौर फडणवीस हमारे इसी दर्द के चलते एनसीआई जैसी संस्थाएं खड़ी करने की प्रेरणा मिली है।

अनुसूचित आयोग ने...

होते हैं तो आयोग के संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोग ने उत्तर बंगाल के आईजी, उत्तर दिनाजपुर के एसपी और जिलाधिकारी को तलब किया है। उन्हें पांच मई को पेश होना है। अगर वे पेश नहीं होते हैं तो आयोग उनके खिलाफ समन जारी करेगा। आयोग उन्हें गिरफ्तार कर पेश करेगा। वहीं कालियागंज थाने के आईजी, घटना के जांच अधिकारी और उत्तर दिनाजपुर की एसपी सना अख्तर को आयोग ने निलंबित करने की भी सिफारिश की है। दरअसल 23 अप्रैल को राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलदर कालियागंज में घटना की जांच के लिए पहुंचे थे। आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें बाधा पहुंचाई और धमकी दी गई। उन्होंने कहा था कि राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग के सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। वे देश में कहीं भी अनुसूचित जाति के खिलाफ अत्याचार के आरोपों की जांच कर सकते हैं। उनके पास न्यायिक शक्तियां भी हैं। प्रोटोकॉल के अनुसार जब आयोग का कोई सदस्य किसी घटना की जांच करने जाता है तो उसके साथ जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक होते हैं लेकिन इनमें से कोई भी कालियागंज में नहीं मिला। उन्होंने कहा कि दिल्ली से राष्ट्रीय आयोग पहुंच गया है और जांच अधिकारी अभी तक घटनास्थल पर नहीं पहुंच सके हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **एकादश अध्याय**

(ब्रह्म-वृक्ष)

बीज मध्य वृक्षा रहे, वृक्ष में छाया जान।
परब्रह्म से ब्रह्म है, ब्रह्म से माया मान॥ 07॥

शब्दार्थ : (बीज) बीया, मूल (वृङ) पेड़ (छाया) प्रतिबिम्ब, परछाई (परब्रह्म) निःशब्द, परमपुरुष (ब्रह्म) अक्षर, हिरण्यगर्भ (माया) प्रकृति।

भाष्य : बीज के मध्य में वृक्ष रहता है और उस वृक्ष में छाया होती है। उसी प्रकार परब्रह्म से ब्रह्म और ब्रह्म से माया प्रकट होती है। जगत का निमित्त कारण परब्रह्म है। उसी के द्वारा सृष्टि के मूलारंभ में अक्षर प्रकट हो जाता है। तीनपाद शुद्ध अमृत है और कपाद में सृष्टि का कारण परमाणु और विशाल जगत है। उसी एकपाद में परब्रह्म से ब्रह्म प्रकट होता है और निष्पंद परमाणुयों में गति होती है। वह अक्षर गति का आधार निःशब्द परम पुरुष है। ब्रह्म द्वारा एकपाद में प्रकृति का विस्तार अर्थात जगत की रचना होती है। जगत का मूल उपादान कारण नित्य, अनादि प्रकृति है और निमित्त कारण अक्षराधिपति निःशब्द परम पुरुष है। इस प्रकार परब्रह्म से अक्षर द्वारा प्रकृति का विकास होता है। तीनों पदार्थ अलग-अलग नितद्य हैं, कोई किसी का कारण या कार्य नहीं है। तीनों पदार्थ नित्य और अनादि हैं। जगत का मूलकारण प्रकृति है और प्रकृति, अक्षर-संयोग से क्रियाशील होती है, क्योंकि वह जड़ है। जड़ में चेतन की प्रेरणा से क्रिया होती है इसलिए प्रकृति को नियम में रखकर संचालन करने वाला अक्षर ब्रह्म है। जीव, प्रकृति और ब्रह्म का आधार स्कंभ चेतन परमप्रभु है। उसी के आधार से एकपाद जगत में अक्षर के द्वारा इस विशाल सृष्टि का निर्माण होता है। स्वयंभू परब्रह्म तीनपाद अमृत में असंग सच्चिदानंदस्वरूप से प्रकाशमान है।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस

गुवाहाटी (हिंस)। अगले वर्ष होने जा रहे लोकसभा चुनाव की तैयारियों में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) पूरी तरह जुट गई है। राज्य के प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ अलग-अलग से बैठक कर क्षेत्र मैं चुनाव से संबंधित गतिविधियां चलाने की मुहिम शुरू हो गई है। इसी सिलसिले में गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव तथा असम के प्रभारी जितेंद्र सिंह ने राज्य के पांच लोकसभा क्षेत्रों के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग से बैठकें की। इन बैठकों में जितेंद्र सिंह के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा तथा असम विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया भी मौजूद थे। बैठक में स्थानीय मुद्दों को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक के दौरान चुनाव से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इसी प्रकार की बैठक शुक्रवार को भी प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में आयोजित की जाएगी। कल राज्य के शेष छह लोकसभा क्षेत्रों के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकर की जाएगी। इन बैठकों के आधार पर राज्य की कुल 11 लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस की आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कोई भी कोर-कसर बाकी नहीं रखना चाहती है। जितेंद्र सिंह के दो दिवसीय असम दौरे के सिलसिले में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया सेल के संयोजक मनजीत महंत ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि जितेंद्र सिंह के गुवाहाटी आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया गया। राजीव भवन में आज का कार्यक्रम प्रारंभ होने से पहले परंपरागत बिहू नृत्य के साथ जितेंद्र सिंह का स्वागत हुआ। उन्होंने बताया कि आज शाम जितेंद्र सिंह राज्य के 11 विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों के साथ खानापाड़ा स्थित स्थानीय होटल में बैठक करेंगे। हालांकि, इस बैठक में एआईयूडीएफ के प्रतिनिधि शामिल नहीं रहेंगे। जितेंद्र सिंह के 2 दिवसीय असम कार्यक्रम के मद्देनजर राजीव भवन में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ देखी जा रही है।

रिफाइनरी के पाइप लाइन से क्रूड ऑयल की चोरी

गोलाघाट (हिंस)। रिफाइनरी के पाइप लाइन से तेल (क्रूड आयल) चोरी का सिलसिला जारी है। एक बार फिर गुरुवार को इस प्रकार की घटना सामने आई। बुधवार की देर रात तेल चोरी करने वालों ने जिला के बोकाखात के निकटवर्ती सांप जोड़ी बंगाली गांव के निकट तेल के पाइप लाइन में छेद कर तेल चोरी की। घटना की जानकारी पुलिस को तब मिली जब चोरों का दल तेल की चोरी करके सफलतापूर्वक जा चुका था। गुरुवार की सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने देखा कि गांव के तालाब में आधे से अधिक तेल भरा हुआ है। लोगों ने इसकी सूचना बोकाखात पुलिस थाने में दी। पुलिस ने पहुंचकर तालाब में आने वाले तेल का सुराग निकाला तो पाया कि गांव के निकट से जाने वाले पाइप लाइन में छेद है, जहां से बह कर तेल तालाब में जा रहा है। गांव वालों ने कहा कि रात्रि के समय पाइप लाइन में छेद करने की आवाज सुनाई दिया था लेकिन लोगों ने इसे अनसुना कर दिया। घटनास्थल से पुलिस को शिवाय एक पैर के चप्पल, कुदाल, बेल्चा और एक कुप्पी के अलावा कुछ भी नहीं मिला। हालांकि हर बार की तरह इस बार भी पुलिस सांप गुजरने के बाद लकीर पीटने में लगी हुई है। घटनास्थल के 200 मीटर की परिधि को पुलिस ने घेर रखा है। पुलिस द्वारा इस सिलसिले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि तेल पाइपलाइन से क्रूड ऑयल की चोरी का सिलसिला कई दशक पुराना है।

आदमी जब बड़ा हो जाता है तो उसे अहंकार पर काबू पाना बहुत मुश्किल होता है : राज्यपाल

गुवाहाटी। *भाषण देना काफी सहज होता है, लेकिन यथार्थ में वैसा जीवन जीकर दिखाना बड़ी बात है। आचरण व व्यवहार से हमें वैसा ही दिखाना होगा, जैसा हम दूसरों से अपेक्षा करते हैं। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने दिगंबर जैन महासभा के दिवंगत अध्यक्ष निर्मल कुमार सेठी की स्मृति में दिगंबर जैन महासभा द्वारा श्री दिगंबर जैन पंचायत, गुवाहाटी तथा सेठी ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित* जैन धरोहर दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिए अपने संबोधन में इस आशय की टिप्पणी की। उल्लेखनीय है कि असम की वाणिज्य नगरी तिनसुकिया में जन्मे निर्मल कुमार सेठी ने लगातार 4 दशकों तक भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के अध्यक्ष के रूप में दिए गए अवदानों के लिए महासभा ने हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि जैन धरोहर दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। निर्मल कुमार सेठी की सरलता से अत्यंत प्रभावित राज्यपाल कटारिया ने कहा कि आदमी जब बड़ा हो जाता है तो उसे अहंकार पर काबू पाना बहुत मुश्किल होता है। लेकिन निर्मल कुमार सेठी इतने सरल व्यक्ति थे कि किसी के भी साथ बैठते तो वैसे ही दिखते थे। उनमें कहीं भी दिखावे की प्रवृत्ति नहीं थी। उन्होंने कहा कि निर्मल कुमार सेठी से समाज विशेषकर युवा वर्ग काफी कुछ सीख सकता है। सोचने की बात है कि एक निर्मल कुमार सेठी अगर समाज के लिए इतना कुछ कर सकता है तो हम सब मिलकर क्या, कुछ नहीं कर सकते? व्यक्ति जब में कुछ करने की ठान लेता है तो वह दुनिया की हर धारा का बदल सकता है। इस अवसर पर दर्शन व साहित्य के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले दिवंगत समाजसेवी भरत कुमार काला तथा कला व पुरातत्व के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले डॉ. शुभ मजूमदार को राज्यपाल द्वारा 1 लाख रुपए की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई।

वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ ब्लैक पैंथर

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिलांतर्गत मोरान के धेमेची माजगांव से विलुप्त जीव की श्रेणी में शामिल एक ब्लैक पैंथर वन विभाग के लगाये गए पिंजरे में कैद हो गया। यह ब्लैक पैंथर इस इलाके में काफी समय से आतंक मचा रहा था। खोवांग क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय को धेमेची माझगांव इलाके में दुर्लभ ब्लैक पैंथर के लंबे समय से आतंक मचाने की सूचना मिल रही थी। यह पैंथर कई पालतु पशुओं को मार चुका था। ग्रामीणों की शिकायत के बाद वन विभाग ने एक पिंजरा लगाया था। बुधवार की देर शाम को वन विभाग के पिंजरे में ब्लैक पैंथर फंस गया। स्थानीय लोगों की मदद से ब्लैक पैंथर को खोवांग क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय लाया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ब्लैक पैंथर की उम्र चार से पांच वर्ष हो सकती है। पशु चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया है कि ब्लैक पैंथर पूरी तरह से स्वस्थ है। वन विभाग के सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि ब्लैक पैंथर की चिकित्सकीय जांच के बाद उसे घने जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

समलैंगिक विवाह के विरुद्ध राष्ट्रपति के नाम कई संगठनों ने सौंपा ज्ञापन

गुवाहाटी (हिंस)। समलैंगिक विवाह के विरूद्ध कई सामाजिक संगठनों ने आवाज उठानी शुरू कर दी है। इनमें से 28 महिला संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया हैं। समलैंगिक विवाह को विधि मान्यता न दिया जाए इसे लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया है। उल्लेखनीय हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह की कानूनी स्थिति पर सुनवाई कर रहा है। अग्रिम सुनवाई की तारीख आगामी शुक्रवार (कल) को निर्धारित की गयी है। इसके पहले बीते कल और आज विभिन्न दल-संगठनों ने गुवाहाटी में कामरूप (मेट्रो) जिला उपायुक्त समेत असम के विभिन्न जिलों में जिला उपायुक्त के माध्यम से सामान लिंग विवाह बैधीकरण के खिलाफ राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रेषित किया है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक विवाह को लेकर लगातार सुनवाई चल रही है। समाज के कुछ लोग हैं जो चाहता है कि समलैंगिक विवाह के पक्ष में कानून बनना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ देश में एक बड़ा धड़ा है, जिसका कहना है कि यह हमारी संस्कृति के खिलाफ है, हमारे धर्म के खिलाफ है। समलैंगिक विवाह को लेकर कोई कानून नहीं बनना चाहिए।

नॉर्थ-ईस्ट ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का पहला गोलमेज आयोजित

गुवाहाटी। नॉर्थईस्ट ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट के पहले गोलमेज का आयोजन आज शहर में हुआ। इंटरैक्टिव गोलमेज की अध्यक्षता उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय ;डक्छम्न्द्ध एवं असम की राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस गोलमेज में स्टार्ट-अप्स, स्थानीय कारोबारों, राष्ट्रीय ओद्यौगिक लीडरों, निवेश सलाहकारों एवं उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय, उद्योगों, कॉमर्स एवं सार्वजनिक उद्यम विभाग, असम सरकार, असम ओद्यौगिक विकास निगम लिमिटेड के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को राज्य में निवेश के अवसरों पर जानकारी दी। असम सरकार के प्रशासनिक विभाग, भूटान चैंबर ऑफ कॉमर्स, ओद्यौगिक संगठनों के अधिकारी भी सम्मेलन में मौजूद रहे। आज आयोजित गोलमेज में नए दौर के बिजनेस आइडिया? पर रोशनी डाली गई। असम मुख्य रूप से विद्युत, उर्जा, कृषि एवं पर्यटन के क्षेत्र में कारोबार के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करता रहा है, साथ ही अन्य सेक्टरों में भी अवसरों को बढ़ावा देता है। आसियान एवं बीबीआईएन (बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल) के गेटवे के रूप में उद्योग एवं निवेश विशेषज्ञों ने क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर रोशनी डाली। गोलमेज की अध्यक्षता करने वाले सरकारी अधिकारियों ने असम की राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों पर चर्चा की। असम की औद्योगिक एवं निवेश नीति की विशेषताओं पर भी रोशनी डाली। बुनियादी सुविधाओं में सुधार, ओद्योगिक पार्कों एवं एसईजैड के विकास के आधार पर निवेशकों को प्रोत्साहित किया गया। राज्य में सड़क, हवा, रेल नेटवर्क एवं जलमार्गों के विस्तार एवं कनेक्टिविटी बढ़ने के कारण भी निवेश के अवसर बढ़े हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि आठ उत्तर पूर्वी राज्यों एवं केंद्र सरकार ने संयुक्त रूप से निवेश सम्मेलन का आयोजन किया है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय के सचिव श्री लोक रंजन ने गोलमेज की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस गोलमेज सम्मेलन के साथ न सिर्फ असम बल्कि सभी उत्तरपूर्वी राज्यों के कल्याण की शुरूआत हुई है। सितंबर में निवेशक सम्मेलन का आयोजन होगा, जो निश्चित रूप से सफल होगा। किस तरह निवेशक गतिविधियां उत्तर पूर्वी कारोबार के वातावरण को अनुकूल बनाती हैं, इस पर बात करते हुए श्री रंजन ने कहा कि आज असम में आयोजित यह गोलमेज सम्मेलन निवेशकों, नीति-निर्माताओं और विचारकों के बीच साझेदारियों को बढ़ावा देगा। आज इस सम्मेलन में महत्वपूर्ण विचारों का आदान-प्रदान किया गया। नॉर्थईस्ट ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र की संभावनाओं पर रोशनी डाली और आर्थिक विकास में निवेश के महत्व पर जोर दिया। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार गोलमेज राज्य में निवेश को बढ़ावा देगा और विश्वस्तरीय निवेशकों को आकर्षित करेगा। डॉ. आशीष कुमार भुटानी, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, असम सरकार ने इस अवसर पर कहा कि मेरा मानना है कि निजी निवेश एवं संभावी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है और सरकार को इस तरह के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना चाहिए। डॉ. भुटानी ने कहा कि मैं भारत सरकार के प्रति आभारी हूं।

बोको से ड्रग पैडलर गिरफ्तार

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के तुपामारी थानांतर्गत महिशखुटी में बीती रात भीड़ ने एक मादक पदार्थ तस्कर का पीछा कर पकड़ लिया। खबरों के मुताबिक, साईनुर इस्लाम और उसके साथ एक अन्य युवक महिशखुटी गांव के कुख्यात ड्रग तस्कर अशरफ अली से ड्रग्स खरीद रहे थे, तबी स्थानीय युवाओं के एक समूह ने तस्कर को भगा-भगा कर पकड़ लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, दो ड्रग पैडलर एक पैशन बाइक पर जा रहे थे, जब एक व्यक्ति को ठोकर मार दा और तेजी से भागने लगा। उसी समय गांव के कुछ युवकों ने दोनों को पीछा किया। काफी दूर तक पीछा करने के बाद साईनूर इस्लाम को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। जबकि मोटरसाइकिल पर सवार दूसरा साथी भागने में सफल रहा। पकड़े गए साईनुर इस्लाम से पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि उसके पास से संदिग्ध 18 कंटेनर ड्रग्स बरामद की गई। इस संदर्भ में पुलिस ने सप्लायर के पास से एक बाइक भी जब्त की है। वहीं स्थानीय लोगों का आरोप है कि महिशखुटी इलाके में पिछले 4-5 सालों से एक सर्कल में नशे का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। स्थानीय लोगों ने इस कारोबार का बंद करने सहित सभी आरोपियों को गिरफ्तारस करने की मांग की है।

धनराज रूपाका पंचतत्व में विलीन

शिलांग। *मृत्यु एक शाश्वत सत्य है* लेकिन समय से पहले कोई अपना चला जाए तो इसका दर्द असहनीय होता है। धनराज रूपाका का निधन हमारे लिए एक बड़ी दुखद खबर है। धनराज आज हमारे बीच नहीं है, पर उनकी यादें हमेशा हमारे दिल में बसती है। हमारे परिवार के सबसे अनुज धनराज के साथ हमारा बचपन से आजतक बिताया हुआ हरपल हमेशा याद आता है। आज से 35 वर्ष पूर्व 09 अगस्त 1988 को हमारे रूपाका परिवार में एक नन्हें बालक का जन्म हुआ। माता पुष्पा देवी एवं पिता सत्यनारायण रूपाका के सबसे छोटे पुत्र धनराज के आगमन से परिवार में खुशियां छा गई। सात भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटे होने के कारण धनराज परिवार में सभी के प्रिय थे। पांच वर्ष की उम्र में उनकी पढ़ाई शुरू हुई। शिलांग के होली चाईल्ड स्कूल में दो वर्ष पढ़ने के पश्चात एच एल मिजो हाईस्कूल से धनराज ने आगे की पढ़ाई की और मेट्रिक की परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उतीर्ण होकर परिवार और शहर का नाम रोशन किया। इसके बाद शिलांग के विख्यात रेड लाबान महाविद्यालय की विज्ञान शाखा में दाखिला लेकर धनराज ने विज्ञान में स्नातक किया, तथा इसके बाद पश्चिम बंगाल के कलकत्ता से मोबाईल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा हासिल किया। धनराज ने मोबाईल का व्यवसाय प्रारंभ कर दिया और शिलांग के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी के रूप में उभरे। धनराज मोटरसाइकिल चलाने में माहिर थे, उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय बाईक रेसिंग की कई प्रतियोगिता में भाग लिया और कई पुरस्कार हासिल किए। अपने सरल स्वभाव और मीठी बोली से दूसरों को पलभर में अपना बनाने की क्षमता धनराज के व्यक्तित्व का एक विशेष गुण था। उन्होंने अपने परिवार के प्रति कर्तव्यों का बखूबी निर्वाह किया तथा परिवार को अपार आत्मविश्वास, सकारात्मक और प्रगतिशील दृष्टिकोण के साथ मजबूती से थामते हुए सामाजिक कार्यों में भी सफलता हासिल की। धनराज ने अपने जीवन में आने वाली सभी चुनौतियों का डटकर सामना किया और हर पड़ाव पर संघर्षों को पार किया। उनका संपूर्ण जीवन हर किसी के लिए किसी प्रेरणास्रोत से कम नहीं है। पिछले कई महीनों से धनराज की तबियत नाजुक चल रही थी। परंतु हमने यह नही सोचा था कि वह इतनी जल्दी हमें छोड़कर चला जायेगा। बुधवार, 5 अप्रैल 2023 का दिन हमारे लिए एक बेहद दुखद दिन बनकर आया। हमारे प्रिय धनराज रूपाका ने अपनी बीमारी से संघर्ष करते हुए अपना देह त्याग दिया और दिव्य ज्योति में विलीन हो गए।

एट्रियल फाइब्रिलेशन मरीजों के लिए मिनिमली इनवेसिस क्रायोबैलून एब्लेशन प्रक्रिया जरूरी

गुवाहाटी। एट्रियल फाइब्रिलेशन (एएफ) एक प्रगतिशील स्थिति है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है, जिससे अनियमित दिल की धड़कन और कई प्रकार के लक्षण होते हैं जो दैनिक जीवन को प्रभावित कर सकते हैं। सबसे आम लक्षणों में धड़कन, थकान और सांस की तकलीफ शामिल हैं। यदि अनुपचारित छोड़ दिया जाता है, तो वायुसेना आपके स्ट्रोक, दिल की विफलता और अन्य जटिलताओं के जोखिम को भी बढ़ा सकती है। जबकि दवा अक्सर उपचार की पहली पंक्ति होती है, कुछ रोगियों को अपने लक्षणों को नियंत्रित करने और स्ट्रोक जैसी जटिलताओं को रोकने के लिए अतिरिक्त हस्तक्षेप की आवश्यकता हो सकती है। क्रायोबैलून एब्लेशन, एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया, वायुसेना को नियंत्रित करने के लिए दवा का विकल्प प्रदान करती है और अन्य एब्लेशन विधियों की तुलना में इसके कई लाभ हैं। अपोलो हॉस्पिटल्स, ग्रीम्स रोड, चेन्नई में अभ्यास कर रहे डॉ. कार्तिगेसन एएम के बारे में बोलते हुए कहा कि एट्रियल फाइब्रिलेशन के लिए किसी भी उपचार का लक्ष्य लक्षणों को कम करना, रक्त के थक्कों को रोकना, हृदय गति को नियंत्रित करना और एट्रिया को अनुमति देने के लिए हृदय ताल को रीसेट करना है। (हृदय के ऊपरी कक्ष) और निलय (हृदय के निचले कक्ष) एक साथ अधिक कुशलता से काम करने के लिए। क्रायोबैलून एब्लेशन का उद्देश्य फुसफुसीय नसों (ऊपरी बाएं कक्ष से जुड़ने वाली रक्त वाहिकाएं) में अवांछित विद्युत संकेतों को रोककर इन लक्ष्यों को प्राप्त करना है जो अधिकांश अनियमित हृदय ताल का कारण बनते हैं। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि एएफ वाले रोगियों के बेहतर परिणाम होते हैं जब पहले उपचार के साथ उपचार किया जाता है, क्योंकि अनुपचारित रहने पर रोग और भी बदतर हो सकता है। इसके अतिरिक्त, कुछ रोगियों को जो एब्लेशन थेरेपी प्राप्त करते हैं, अकेले दवाओं के उपचार की तुलना में एएफ रोग की प्रगति की दर कम होती है। क्रायोबैलून एब्लेशन प्रक्रिया के दौरान, एक डॉक्टर कीहोल के माध्यम से ग्रोइन क्षेत्र से कैथेटर (एक पतली ट्यूब) डालता है, जिसे बाद में हृदय के बाएं आलिंद में ले जाया जाता है। डॉक्टर एक गुब्बारे को फुलाते हैं और इसे पल्मोनरी वेन के उद्घाटन पर ले जाते हैं। ऊतक को जमने के लिए गुब्बारे को पर्याप्त तापमान पर ठंडा किया जाता है जहां गुब्बारा फुफ्फुसीय शिरा के उद्घाटन को छूता है। यह निशान ऊतक का एक चक्र बनाता है जो विद्युत संकेतों के संचरण को रोकता है जो एट्रियल फाइब्रिलेशन का कारण बनता है। इस प्रक्रिया में आमतौर पर लगभग 90 मिनट लगते हैं और इसमें रिकवरी का समय कम होता है, जिसमें कम रोगियों को बाद में बार-बार एब्लेशन या रिहॉस्पिटलाइजेशन की आवश्यकता होती है। क्रायोबैलून एब्लेशन को आमतौर पर वायुसेना के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी उपचार माना जाता है, जिसमें सबसे आम समस्या चीरा लगाने की जगह पर स्थानीय जलन या रक्तस्राव है। अधिक गंभीर जटिलताओं का जोखिम छोटा है। एट्रियल फाइब्रिलेशन एक गंभीर चिकित्सा स्थिति हो सकती है जिसका इलाज लक्षणों के स्तर की परवाह किए बिना किया जाना चाहिए।

भाउरागुड़ी में आठ डकैत चढ़े पुलिस के हत्थे

चिरांग (असम) (हिंस)। चिरांग जिला के बिजनी के भाउरागुड़ी इलाके से पुलिस ने आठ डकैतों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान आठ डकैतों को गिरफ्तार किया है। डकैतों की पहचान कुतुब अली (19), अशरफ अली (22), अनिसुर रहमान (30), महबुबूर रहमान (26), रशीदुल अली (30), हबू शेख (30), बासेर अली आकन्द (27) और अब्दुल मजीद (31) के रूप में की गयी है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने दो वाहनों (एएस-19डी-7473 और एएस-29सी-4245) को जब्त किया है। डकैतों के पास से पुलिस ने तलवार, खुखुरी समेत अन्य आपत्तिजनक सामान के अलावा नगद 15,850 बरामद किए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आठ डकैतों से सघन पूछताछ कर रही है।

No. DWT(T)17/CSS((BARAK)/2016-17/Pt-I/09

CORRIGENDUM- I

The re-Tender Notice vide no -DWT(T)17/CSS-BRK/16-17/Pt-I/7 Dated 5th April'2023 (Tender ID no-2023_IWT_30376_1) for Construction of 15 nos. of 17.0M long Steel floating Terminals at 15 Ghat point on the River Barak (NW-16) under central sector scheme (100% Grant —in-Aid), is partially modified. Bidders are requested to take the note of these modifications prior to submission of bids which will be. available on website of IWT, Assam http://iwtdirectorate.assam.gov.in and www.assamtenders.gov.in.

The last date for submission of bid is hereby extended up to 6th May' 2023 (14.00Hrs) and date and time of opening of tender is 6th May' 2023 (15.30Hrs).

Director, IWT Assam
Ulubari, Guwahati-7

-- Janasanyog /C/1528/23

No.DIN/25/2023/806

NOTICE INVITING e-TENDER,

The Superintendent of District Jail, Nalbarl invites-Tenders in two bid system (Technical Bid and Financial Bid) affixing Court Fee Stamp Rs.8.25 from the interested suppllers/dealers/ firms for supply of dietary items and non dietary items i.e. Group -A, B, C, D, E & F required for the superintendent District Jail, Nalbari Assam for the financial year 2023-24 ending 31st March, 2024 through the e-tender portal https://assamtenders.gov.in on or before 15.5.2023 at 12.00 P.M.

The Tender bidders should have valid Digital Signature Certificate of Class-Ill (minimum) & have to register in the portal https://assamtenders.gov.in

Supply Point : District Jail, Nalbari

Sl. No.	Group	Online Tender processing fees
1	Group - A	Rs. 500.00
2	Group - B	Rs. 100.00
3	Group - C	Rs. 200.00
4	Group - D	Rs. 200.00
5	Group - E	Rs. 100.00
6.	Group - F	Rs. 100.00

1. IMPORTANT DATE

(i) Date of Publication of e-Tender: 01-05-2023
(il) Last Date & Time of online submission of Tender: 15-05-2023 up to 12.00 P.M.
(iii) Last Date & Time for submission of Hard copy of Technical Bid : **15-05-2023 up to 12.30 PM.**
(iv) Document Download start from 2-05-2023
(v) Date & Time for opening e-Tender : **16-05-2023 at 2.00 PM.**
(vi) Place of opening e-Tender : Office of the District Jail, Nalbari

Superintendent
District Jail, Nalbari

-- Janasanyog /C/1556/23

अब युद्ध में बलिदान होने वाले सैनिकों के बच्चों को मिलेगा दोगुना भरण पोषण भत्ता

- अपंग सैनिकों को पैरालंपिक स्पधाओं के लिए नौ खेलों में प्रशिक्षित करने का फैसला
- कमांडरों के सम्मेलन में सेना को आकार देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

नई दिल्ली, (हि.स.)। अब देश की सेवा करते हुए बलिदान होने वाले सैनिकों के बच्चों की देखभाल और भरण पोषण के लिए दोगुना भत्ता मिलेगा। यह फैसला सेना कमांडरों के सम्मेलन में लिया गया है। इसके अलावा भविष्य में सेना को आकार देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। युद्ध के दौरान शारीरिक रूप से हताहत होने वाले सैनिकों को पैरालंपिक स्पधाओं के लिए नौ खेलों में प्रशिक्षित करने का निर्णय किया गया है। सेना के कमांडरों का सम्मेलन 17-21 अप्रैल के बीच पहली बार हाइब्रिड मॉडल में किया गया, जिसमें व्यापक रूप से रणनीतिक, प्रशिक्षण, मानव संसाधन विकास तथा प्रशासनिक पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

सैन्य कमांडरों के सम्मेलन में फैसला लिया गया कि युद्ध के दौरान शारीरिक रूप से हताहत हो जाने वाले सैनिकों की पैरालंपिक स्पधाओं के लिए पहचान करके उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्हें नौ खेल प्रतिस्पधाओं में आर्मी स्पोर्ट्स और मिशन ओलंपिक नोड्स में प्रशिक्षित करने का निर्णय किया गया है। इसके अलावा युद्ध के दौरान बलिदान होने वाले सैनिकों के सक्षम बच्चों को एजीआईएफ के माध्यम से भरण पोषण भत्ते को दोगुना कर देने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन में सेना के कमांडरों और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मौजूदा उभरते सुरक्षा परिदृश्यों का जायजा लिया और भारतीय सेना की ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा की। इसके अलावा अग्निपथ स्कीम के प्रभावी कार्यान्वयन की प्रगति पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। इस वर्ष 791 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 435 सिमुलेटरों की खरीद के माध्यम से सिमुलेटर प्रशिक्षण की योजना पर भी चर्चा हुई। सेना में अधिकारियों की भर्ती के लिए टी-ईएस एंट्री स्कीम के तहत जनवरी, 2024 से मौजूदा 1 3 1 वर्ष तकनीकी प्रविष्टि स्कीम (टीईएस) मॉडल से 3 1 टीईएस मॉडल में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। इस बदलाव से अधिकारियों की कमी पर ध्यान दिया जा सकेगा। शीर्ष नेतृत्व ने अन्य सेवाओं तथा सरकारी एजेन्सियों के साथ तालमेल को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट क्षेत्रों की भी पहचान की। सम्मेलन के दौरान सैन्य टुकड़ियों तथा पूर्व सैनिकों के लिए कई कल्याणकारी उपायों और पहलों को कार्यान्वित करने का निर्णय लिया गया। फोरम ने नेटवर्क की सुरक्षा के लिए आवश्यकता की समीक्षा की और तत्काल भविष्य में कमांड साइबर ऑपरेशंस एंड सपोर्ट विंग्स को संचालित करने का निर्णय लिया। इसके अलावा सेना को प्रभावी और घातक लड़ाकू बल बनाये रखने के लिए अवसंरचना, समय और संसाधनों को इष्टतम बनाने के लिए प्रशिक्षण पहलों पर व्यापक रूप से विचार विमर्श किया गया। दिल्ली कैंट में नए थल सेना भवन के निर्माण कार्य पर भी कमांडरों के सम्मेलन में चर्चा हुई। 2025 में निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इससे न केवल कार्यालय के लिए स्थान की कमी पर ध्यान दिया जा सकेगा, बल्कि सभी निदेशालयों के एक छत के नीचे आने पर सेना मुख्यालय की कार्यात्मक दक्षता भी बढ़ेगी। इस अत्याधुनिक भवन में प्रौद्योगिकी के लिहाज से उन्नत वास्तुकला शामिल होगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस साल जनवरी में शुरू हुआ निर्माण कार्य अगले 27 महीनों में लगभग 760 करोड़ रुपये की लागत से पूरा होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फरवरी, 2020 में दिल्ली छावनी में इस नए भवन के निर्माण की नींव रखी थी।

मुख्यमंत्री के बंगले का मॉडल लेकर सड़क पर उतरी भाजपा

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने आवास में करोड़ों रुपये खर्च कर रेनोवेशन कराने के मामले को लेकर भाजपा लगातार प्रदर्शन कर रही हैं। गुरुवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, आदेश गुप्ता व कुलजीत चहल के नेतृत्व में भाजपा ने प्रदर्शन किया। भाजपा मुख्यमंत्री केजरीवाल से जवाब मांग रही है कि जब देश कोरोना महामारी से जूझ रहा था तब वो अपने आवास में करोड़ो रुपये खर्च कर रहे थे, ये जनता के टैक्स का पैसा है, जिसे मुख्यमंत्री ने खर्च किया है। प्रदर्शन कर रहे भाजपा के नेताओं ने कहा कि केजरीवाल खुद को आम आदमी बताते थे और अब खास हो गए है। जब देश व दिल्ली की जनता कोरोना महामारी से जूझ रही थी तब केजरीवाल अपने मकान के लिए वियतनाम से करोड़ों रुपये का महंगा पत्थर लगवा रहे थे। 45 करोड़ रुपये खर्च कर घर में काम करवाया। वह आम आदमी से खास आदमी कैसे हो गए। वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष मोहन गोयल ने कहा कि केजरीवाल हाथी की तरह है, जिसके दांत दिखाने के और होते हैं खाने के और होते हैं। उन्होंने शपथपत्र देकर खुद को गरीबों का नेता बताया था, लेकिन अब वह जनता के बीच नहीं पहुंचते। आम आदमी पार्टी की नीतियों का विरोध करने के लिए भाजपा सड़कों पर उतर कर उनसे हिसाब मांग रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा, आम आदमी पार्टी की गलत नीतियों का विरोध करती रहेगी। भ्रष्टाचार के मामले में आम आदमी पार्टी का कोई जवाब नहीं है। मुख्यमंत्री को जवाब देना होगा कि खुद को आम आदमी के नेता बताने वाले केजरीवाल आम से खास कैसे हो गए हैं, जो 4 से 5 कमरों के मकान में रहने की बात करते थे अब महल में क्यों रह रहे हैं।

पुंछ आतंकी हमले पर खामोश है मोदी सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुए आतंकी हमले पर मोदी सरकार खामोश हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता यह आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 20 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था जिसमें भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। केन्द्र सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि केन्द्र सरकार की प्राथमिकता में सेना नहीं है। खेड़ा ने कहा कि पुंछ आतंकी हमलों में जो गोलियां इस्तेमाल हुई वो स्टील की बनी हुई थीं। इसे नाटो ने इस्तेमाल किया था। वर्ष 2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद ये गोलियां लश्कर-जैश जैसे आतंकी संगठनों के पास पहुंची हैं। खेड़ा ने कहा कि एक रिपोर्ट में कहा गया था कि तालिबान राजस्व बढ़ाने के लिए हथियारों को बेच रहा है। ऐसा देख जा रहा है इन हथियारों का प्रयोग आतंकी हमारे खिलाफ कर रहे हैं। ऐसे में हमें अपनी अफगानिस्तान नीति के बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

ईडी के समन को चुनौती देने वाली बीआरएस नेता कविता की याचिका पर सुनवाई को सुप्रीम कोर्ट तैयार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बीआरएस नेता के. कविता की ईडी के समन को चुनौती देने वाली याचिका पर गुरुवार को जल्द सुनवाई की मांग की गई। कविता की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल के अंत में सुनवाई का आदेश दिया था लेकिन ये मामला लिस्ट नहीं किया गया है। तब चीफ जस्टिस ने मामले की जल्द सुनवाई का भरोसा दिया। के. कविता से ईडी ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में 11 मार्च को पूछताछ की थी। कविता ने अपनी याचिका में कहा है कि नियमों के मुताबिक एक महिला को ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जा सकता है। उससे पूछताछ उसके आवास पर होनी चाहिए। 27 मार्च को जस्टिस अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली बेंच ने कविता की याचिका को पहले से लंबित नलिनी चिदंबरम की याचिका के साथ जोड़ने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कविता को ईडी की ओर से समन जारी करने और किसी अन्य कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इस मामले में सीबीआई ने कविता के सीए बुचीबाबु को 8 फरवरी को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने बुचीबाबु को शराब नीति के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित भूमिका निभाने और हैदराबाद स्थित थोक एवं खुदरा लाइसेंसधारियों और उनके लाभार्थी मालिकों को गलत लाभ पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट ने के. कविता की याचिका पर तीन हफ्ते बाद सुनवाई करने का आदेश दिया है। जस्टिस अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली बेंच ने कविता की याचिका को पहले से लंबित नलिनी चिदंबरम की याचिका के साथ जोड़ दिया है। कोर्ट ने कविता को ईडी की ओर से समन जारी करने और किसी अन्य कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

शहरी सौंदर्य प्रतियोगिता का पोर्टल लाइव, 15 जुलाई तक शहरी निकाय ले सकते हैं भाग

नई दिल्ली, (हि.स.)। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने देशभर के स्थानीय शहरी निकायों के लिए शहर सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजित की है। इसके लिए एक पोर्टल तैयार किया गया है, जिससे शहरी निकाय प्रतियोगिता में प्रतिभागी बन सकते हैं। 15 जुलाई तक इस प्रतियोगिता में नामांकन किया जा सकता है। मंत्रालय का कहना है कि प्रतियोगिता का उद्देश्य सुंदर, अभिनव और समावेशी सार्वजनिक स्थान बनाने के लिए देशभर के शहरों अथवा वार्डों को प्रोत्साहित करना और पहचान देना है। प्रतिभागियों को पहुंच, सुविधाएं, गतिविधियां, सौंदर्य और पारिस्थितिकी के आधार पर आंका जाएगा। वार्डों का शहरी और राज्य स्तर पर चयन किया जाएगा। सौंदर्य प्रतियोगिता को वाटरफ्रंट, ग्रीन स्पेस टूरिस्ट व हेरिटेज स्पेस और मार्केट व कमर्शियल प्लेस इन चार श्रेणियों में बांटा गया है। इन्हें पहले राज्य स्तर पर और फिर राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पंचतत्व में विलीन

- जेपी नड्डा, शरद पवार और भगवंत सहित कई दिग्गजों दी श्रद्धांजलि
- बेटे सुखबीर बादल, पौत्र अनंतवीर व भतीजे मनप्रीत बादल ने दी मुखाग्नि

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल का पार्थिव शरीर गुरुवार को पंचतत्व में विलीन हो गया। बादल का 25 अप्रैल को मोहाली के फोर्टिस हार्ट अस्पताल में निधन हो गया था। बादल का पार्थिव शरीर बुधवार की रात उनके पैतृक गांव बादल में रखा गया था। जहां हजारों की संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। बादल को श्रद्धांजलि देने के लिए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रवादी कांग्रेस सुप्रीमो शरद पवार, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, हरियाणा कांग्रेस से राज्य सभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, हरियाणा के बिजली मंत्री चौधरी रणजीत सिंह, पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवा, पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित, पंजाब की कैबिनेट मंत्री डॉक्टर बलजीत कौर, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एचएस धामी, पंजाब भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, राष्ट्रीय सचिव तरूण चुघ समेत कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि आज गांव बादल पहुंचे थे। अंतिम दर्शनों के बाद बादल का पार्थिक शरीर उनके फार्म हाउस में बनाए गए अंतिम संस्कार स्थल पर ले जाया गया। रास्ते में हजारों लोगों ने सड़कों पर खडे. होकर बादल को अंतिम विदाई दी। यहां पंजाब पुलिस की एक टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद प्रकाश सिंह बादल के बेटे सुखबीर बादल, पौत्र अनंतवीर बादल, भतीजे मनप्रीत बादल ने मुखाग्नि दी।

पंजाब की राजनीति में एक दिग्गज नेता थे प्रकाश बादल : शान्ता कुमार

पालमपुर, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने कहा कि प्रकाश सिंह बादल के निधन से पंजाब ही नहीं बल्कि उत्तर भारत की राजनीति का बादल युग समाप्त हो गया। वे लगभग आधी सदी से पंजाब की राजनीति में एक दिग्गज नेता के रूप में कार्यरत थे। वे एक अत्यन्त शरीफ और राजनीति के दिग्गज नेता थे। उन्होंने कहा पंजाब में उग्रवाद के दिनों में भी उन्होंने साम्प्रदायिक सद्भाव बनाने का प्रयत्न किया। उन्हीं के कारण भाजपा और अकाली दल का गठजोड़ रहा और पंजाब में साम्प्रदायिक सद्भाव रहा। भाजपा अकाली दल गठजोड़ के कारण पूरे भारत में साम्प्रदायिक सद्भाव का वातावरण रहा। उन्होंने कहा कि बादल के कारण ही भाजपा अकाली दल गठ बन्धन बना ओर पंजाब में संयुक्त सरकारें बनती रही। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि हिमाचल के मुख्यमंत्री के रूप में उनका बादल के साथ सम्बन्ध रहा। पंजाब में भाजपा अकाली गठबन्धन के लम्बे समय तक वे पंजाब के भाजपा प्रभारी रहे। इस कारण उनके साथ लम्बा मित्रता के सम्बन्ध रहा। शान्ता कुमार ने कहा कि वर्ष 1977 में हिमाचल का मुख्यमंत्री बनने पर सांझे पंजाब की सम्पत्ति से हिमाचल का हिस्सा लेने के लिए मैंने आवाज उठाई। उस वक्त के प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने तीनों प्रदेशों के मुख्यमन्त्रियों को दिल्ली बुलाया।

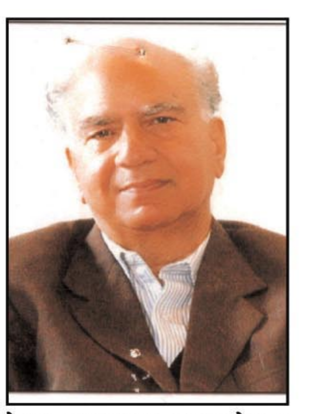

मैंने पंजाब का पुनर्गठन कानून तथा कुछ और प्रमाण देकर सांझे पंजाब की सम्पत्ति से हिमाचल का हिस्सा लेने की बात की। लम्बी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री हिमाचल के पक्ष के समर्थन में थे। सबकी सहमति से इस मामले पर सुब्राह्मण्यम कमेटी का गठन किया गया। मैंने आग्रह किया कि पहले ही हिमाचल के साथ अन्याय हो रहा है। कमेटी की रिपोर्ट कब आयेगी। हिमाचल को कुछ बिजली एडहाक दी जाए। व्यास सतलुज योजना से 15 मैगावाट एडहाक बिजली हिमाचल को देने की मांग की। दोनों मुख्यमन्त्री विरोध करते रहे। मैंने प्रकाश सिंह बादल का हाथ पकड़ कर उन्हें कहा कि हिमाचल आपका छोटा भाई है हमारा अधिकार हमें अवश्य दे। मेरे आग्रह पर बादल ने विरोध करना बन्द कर दिया और उसी समय हिमाचल प्रदेश को व्यास सतलुज योजना से 15 मैगावाट बिजली एडहाक के रूप में मिलनी प्रारम्भ हुई। सभी मांगें पर अन्तिम निर्णय नही हुआ है लेकिन 15 मैगावाट बिजली हिमाचल को आज भी मिल रही है। उन्होंने कहा मेरे और बादल के आपस के सम्बन्धों का परिणाम था कि इतना बड़ा निर्णय उस छोटी सी बैठक में हो सका। शान्ता कुमार ने कहा मेरा सौभाग्य है कि भारत की राजनीति के उस दिग्गज नेता के साथ मेरा लम्बा व्यक्तिगत मैत्रीपूर्ण सम्बंध रहा। उन्होंने उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है।

रामनवमी के दौरान हिंसा की एनआईए जांच के आदेश, ममता सरकार को हाई कोर्ट से झटका

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा, हुगली और डालकोला में रामनवमी के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा की एनआईए जांच का आदेश कलकत्ता हाई कोर्ट ने दिया है। गुरुवार को कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति टीएस शिवगणनम और हिरणमई भट्टाचार्य की खंडपीठ ने यह आदेश दिया है। आज से ही एनआईए मामले की जांच शुरू कर देगी। जांच संबंधी सभी रिपोर्ट और दस्तावेज राज्य पुलिस को दो सप्ताह के भीतर एनआईए को सौंप देने होंगे। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने इसे लेकर याचिका लगाई थी। उन्होंने दावा किया था कि रामनवमी की शोभायात्राओं पर योजनाबद्ध तरीके से हमले किए गए हैं। उन्होंने कहा था कि इसके पीछे कट्टरपंथी हैं, जिन्होंने रामनवमी शोभायात्रा के रास्ते में हमले की पूरी योजना बना रखी थी। इसके अलावा इसका वीडियो भी कोर्ट में पेश किया गया जिसमें पुलिस हालात को संभालने के बजाए पत्थरबाजी करते और शोभायात्रा पर पत्थर बरसा रहे अल्पसंख्यक समुदाय के साथ चुपचाप खड़ी नजर आई है। इसी को लेकर कोर्ट ने टिप्पणी की कि राज्य पुलिस की जांच पर्याप्त नहीं होगी। निश्चित तौर पर इसे एनआईए को सौंपा जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री करेंगे 91 एफएम ट्रांसमीटरों का उद्घाटन, बढ़ेगी आकांक्षी जिलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में कवरेज

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 फरवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 100 वॉट के 91 एफएम ट्रांसमीटरों का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन देश में रेडियो कनेक्टिविटी को और बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार 91 नए 100 वॉट एफएम ट्रांसमीटर 18 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 84 जिलों में स्थापित किए गए हैं। इस विस्तार का विशेष ध्यान आकांक्षी जिलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में कवरेज बढ़ाने पर रहा है। कवर होने वालों में बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, नगालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्त-राखंड, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, लद्दाख और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं। आकाशवाणी की एफएम सेवा के इस विस्तार के साथ अतिरिक्त 2 करोड़ लोग अब कवर किए जाएंगे। इसके परिणामस्वरूप लगभग 35 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में कवरेज का विस्तार होगा।

मोदी सरकार ने कृषि यंत्रीकरण के तहत किए 6120.85 करोड़ रुपये खर्च : नरेंद्र तोमर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मोदी सरकार किसानों की हरसंभव मदद कर रही है। किसान टेक्नोलॉजी का खेती में अधिक से अधिक उपयोग करें, इस बाबत व्यापक स्तर पर काम किया जा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर ने गुरुवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) व ट्रैक्टर एंड मैकेना-इजेशन एसोसिएशन (टीएमए) की ओर से फार्म मशीनरी टेक्नोलॉजी पर आयोजित शिखर सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए अपनी बात साझा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन (एसएमएएम) के तहत प्रशिक्षण, परीक्षण, सीएचसी, हाई-टेक हब, फार्म मशीनरी बैंकों (एफएमबी) की स्थापना जैसी विभिन्न गतिविधियों के लिए वर्ष 2014-15 से 2022-23 तक राज्यों को 6120.85 करोड़ रुपये की राशि केन्द्र की ओर से जारी की गई है। आगे उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों के माध्यम से किसानों को ट्रैक्टर, पावर टिलर और स्वचालित मशीनरी सहित सब्सिडी पर 15.24 लाख कृषि मशीनरी और उपकरण वितरित किए गए हैं। कार्यक्रम में सीआईआई व टीएमए के भारतेंदु कपूर, मुकुल वार्ष्णेय, कृष्णकांत तिवारी, एंटनी चेरूकारा सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

मप्र की जनता को कोरोना से ज्यादा नुकसान दिग्विजय व कमल नाथ ने पहुंचाया : शिवराज

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कमलनाथ और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कोरोना से भी ज्यादा नुकसान दिग्विजय और कमलनाथ ने प्रदेश की जनता को पहुंचाया है। दरअसल, दो दिन पहले राज्य के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने दिग्विजय की तुलना कोरोना से करते हुए कहा था कि उन्हें चीन में पैदा होना चाहिए। इस पर दिग्विजय ने पलटवार करते हुए कहा था, मैं भाजपा और संघ के लिए कोरोना वायरस हूं। इस मामले में मुख्यमंत्री चौहान ने दिग्विजय के बयान पर चु-टकी लेते हुए उनके साथ-साथ कमलनाथ पर भी निशाना साधा है। मुख्यमंत्री चौहान ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि दिग्विजय ने बिल्कुल ठीक तुलना की है। कोविड ने वायरस के रूप में जितना नुकसान पहुंचाया था, उससे कई गुना ज्यादा नुकसान दिग्विजय और कमलनाथ ने मध्य प्रदेश को पहुंचाया है। मुझे तो आश्चर्य लगता है कि उन्हें तुलना के लिए और कोई वायरस नहीं मिला। उन्हें कोरोना वायरस ही मिला। वह कोरोना वायरस, जिसके चलते हाह-ाकार मच गया था, लोगों की जिंदगी गई थी, अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई थी। वो तो मोदी जी थे, जिनके नेतृत्व में एक नहीं, दो-दो वैक्सीन बनीं और कोविड का मुकाबला कर लिया गया। वरना कमलनाथ ने तो कोविड के भरोसे ही मध्य प्रदेश की जनता को छोड़ दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कोविड तो काबू में है, लेकिन कोरोना से ज्यादा नुकसान मध्य प्रदेश और यहां की जनता को पहुंचाया है तो दिग्विजय और कमलनाथ ने। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा कि पूरे प्रदेश को तबाह व बर्बाद किसने किया? न बिजली थी, न सड़कें थीं, न पानी था। ग्रोथ रेट नेगेटिव हो रही थी। 15 महीने की सरकार में भी इन्होंने प्रदेश को तबाह करने की कोशिश की थी।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का दिया धन्यवाद - मुख्यमंत्री ने सूडान से मप्र के फंसे लोगों को सुरक्षित वापसी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पूरे देश के लोग वापस लौट रहे हैं। मप्र के भी सात लोग वापस सुरक्षित लौटे हैं। यूक्रेन और रूस के युद्ध में यूक्रेन में भारत के बच्चे फंस गए थे, तब हमारे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला, अभी सूडान के गृहयुद्ध की स्थितियों से भी हमारे भाई-बहनों की सुरक्षित वापसी कराई गई है।

ट्रिपल आईटी में नई कार्यकारिणी सदस्यों का हुआ शपथ ग्रहण

प्रयागराज, (हि.स.)। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद के स्टा-ॅफ फोरम के नयी कार्यकारिणी के सदस्यों ने प्रशासनिक भवन में सादे समारोह में शपथ ग्रहण किया। राजित राम यादव अध्यक्ष, कपिल श्रीवास्तव सचिव एवं आनन्द श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष को पांचवीं कार्यकारिणी के लिए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। संस्थान के पीआरओ डॉ. पंकज मिश्र ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत स्टॉफ फोरम के अध्यक्ष राजित राम यादव द्वारा निदेशक एवं कुलसचिव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतवाने एवं कुलसचिव डॉ सतीश कुमार सिंह ने अपनी शुभकामानाएं प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर चौथी कार्यकारिणी के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह एवं सचिव डॉ पल्लवी दीक्षित को शॉल एवं पुस्तक भेंट कर उनका अभिनन्दन किया गया। निदेशक ने चुनाव अधिकारी जयंत विश्वास को पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अंशु रावत एवं रेनू देवी को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

2017 से पहले गरीबों के मकानों पर होते थे कब्जे, आज गरीबों को मिल रहे हैं मकान : मुख्यमंत्री

फिरोजाबाद, (हि.स.)। प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को फिरोजाबाद में कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में गरीबों के मकान व उनकी जमीनों पर कब्जा होता था लेकिन आज गरीबों को मकान दिये जा रहे है। पहले व्यापारियों व स्ट्रीट वेंडरों से चौथ वसूली होती थी लेकिन आज उन्हें ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसलिए डबल इंजन की सरकार में इस ट्रिपल इंजन का जुडना भी जरूरी है। उन्होंने निकाय चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को फिरोजाबाद नगर के तिलक इंटर कालेज प्रांगण में भाजपा की महापौर पद की उम्मीदवार कामिनी राठौर के जनसमर्थन में एक चुनावी जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांच की इस नगरी ने एक बार फिर अपना परचम लहराना शुरू कर दिया है। 2014 से पहले देश के सामने पहचान के प्रश्न खड़े हुए थे कि हमारा भारत कैसा ना चाहिए। दुनिया के अंदर हमारा सम्मान नहीं था। भ्रष्टाचार भारत की पहचान बन गई थी। विकास के कार्य केवल पंचवर्षीय योजना तक सीमित रह गये थे। न सुरक्षा थी न सम्मान था। किसान, नौजवान परेशान था। देश में आत्महत्याओं को दौर चल रहा था लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद नये भारत का निर्माण कर एक श्रेष्ठ भारत बनाया है। इसलिए दुनिया में भारत को सम्मान के साथ देखा जाता है। आज भारत में तुष्टिकरण नहीं होता है। तुष्टिकरण की राजनीति समाप्त हुई तो भारत के सशक्तीकरण की राह प्रारम्भ हुई। इसी का परिणाम है करोड़ों लोगों को आवास मिले, करोड़ों लोगों को कोरोना काल में राशन मिला, शौचालय बने, यह भारत में हुआ है। दुनिया के किसी देश में नहीं हुआ है। दुनिया में भारत के प्रति लोगों की धारणा बदली है। जैसे भारत के प्रति धारणा बदली है इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के प्रति भी लोगों की धारणा बदली है। उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री के विजन को अपने मिशन का हिस्सा बनाया। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में 54 लाख गरीबों के मकान बने हैं, दो करोड़ गरीबों के मकानों में शौचालय का निर्माण हुआ है। 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना व जनआरोग्य योजना का लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि 1 करोड़ 75 लाख गरीबों को उज्जवला योजना के कनेक्शन मिले हैं। आज उत्तर प्रदेश शोहदों के आतंक से मुक्त हुआ है। स्मार्ट सिटी बनी है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में पार्टी विशेष के कुछ युवाओं व कार्यकताओं के द्वारा हाथों में तमंचे लहराये जाते थे, व्यापारियों को धमकाया जाता था लेकिन आज यूपी के युवाओं के हाथों में टैबलेट है। यह नये भारत का नया उत्तर प्रदेश है। उन्होंने कहा कि विकास के लिए पैसे की कमी नहीं है। विकास के लिए विजन चाहिए व नेतृत्व चाहिए। आज प्रधानमंत्री के विजन को यूपी को मिशन मानकर आज हम नगर निकाय के चुनाव में आये हैं। डबल इंजन तेजी के साथ विकास कार्यो को आगे बढ़ा रहा है लेकिन विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए ट्रिपल इंजन की भी आवश्यकता है। निकाय चुनाव कोई सामान्य चुनाव नहीं है। यह जाति धर्म, मजहब का चुनाव नहीं है, यह केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने का चुनाव है। उन्होंने भाजपा महापौर पद की उम्मीदवार कामिनी राठौर सहित सभी नगर पालिका व नगर पंचायतों के अध्यक्ष, पार्षद एवं सभासद पद के भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान कर उन्हें विजयी बनाने की अपील की। इस मौके पर मंच पर प्रदेश सरकार के मंत्री अजीतपाल, सांसद डॉ. चन्द्रसेन जादौन, राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल जैन, एमएलसी गोपाल अंजान, विधायक मनीष असीजा, प्रेमपाल धनगर, जिलाध्यक्ष वृंदावन लाल गुप्ता, महानगर अध्यक्ष राकेश शंखवार, पूर्व विधायक हरिओम यादव, ओमप्रकाश वर्मा, निवर्तमान महापौर नूतन राठौर, महापौर उम्मीदवार कामिनी राठौर सहित सभी नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मौजूद रहे।

मालदीव और घाना के स्वास्थ्य मंत्रियों ने किया यशोदा हॉस्पिटल कौशाम्बी का दौरा

– की ट्रेनिंग, टेलीमेडिसिन, रोबोटिक सर्जरी, पेन मैनेजमेंट, आई वी एफ के लिए मांगा सहयोग

गाजियाबाद, (हि.स.)। मालदीव के स्टेट हेल्थ मिनिस्टर डॉ. शाह अब्दुल्ला माहिर एवं घाना के डिप्टी हेल्थ मिनिस्टर असेई सेइनि महामा ने गुरुवार को यशोदा अस्पताल कौशाम्बी का दौरा किया। भारत में चल रही तीन दिन की अंतर्राष्ट्रीय एडवांटेज हेल्थ केयर इंडिया कांफ्रेंस में भाग लेने आए इन मंत्रियों ने भारत के अस्पतालों में अपने देश के मरीजों के ट्रीटमेंट की सुविधा अनुबंध के लिए यह दौरा किया। यशोदा हॉस्पिटल के सीएमडी डॉ. पीएन अरोड़ा ने बताया कि वार्ता सफल रही है। दोनों मंत्री गुरुवार को अस्पताल पहुंचे और उपलब्ध रोबोटिक सर्जरी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत सुविधाओं को देखा। उन्होंने इस सुविधाओं को विश्व स्तरीय बताया। उन्होंने कहा कि वे इन सुविधाओं को देख कर बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने उनके देश के डॉक्टरों एवं नर्सों की ट्रेनिंग, टेलीमेडिसिन, रोबोटिक सर्जरी, पेन मैनेजमेंट, आईवीएफ की आवश्यकता के लिए यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी का सहयोग मांगा। अस्पताल के सीएमडी डॉ पीएन अरोड़ा ने कहा बहुत ही जल्द प्रपोजल भेजकर दोनों देशों के बीच में चर्चा होगी और जल्द ही अनुबंध कर लिया जाएगा। जिससे इन दोनों देशों के मरीजों का उपचार यशोदा हॉस्पिटल कौशांबी में किया जा सके। इस दौरे में मालदीव के डायरेक्टर जनरल हेल्थ डॉ. अहमद अशरफ, घाना के डिप्टी हेड ऑफ मिशन हाई कमीशन, लुइस ओबेन्ना, ए जी डाइरेक्टर ऑफ टेक्निकल कोऑर्डिनेशन डाइरेक्टरेट डॉ. बफ्फओऊ अवुआह मौजूद थे।

इलेक्शन मोड में कार्य करना शुरू कर दें रिटर्निंग ऑफिसर : जिला निर्वाचन अधिकारी

वाराणसी, (हि.स.)। नगर निकाय चुनाव की प्रशासनिक तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एस. राजलिंगम ने कमिश्नरी आडिटोरियम में आर.ओ. व ए.आर.ओ. की ट्रेनिंग का जायजा लिया। इस दौरान जिला उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य को सकुशल सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी रिटर्निंग ऑफिसर की होती है। इसलिए आरओ व एआरओ को इलेक्शन मोड में आ जाने और सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया की सही जानकारी रखने की जरूरत है। जिलाधिकारी ने आरओ हैण्डबुक पढ़ने की हिदायत देते हुए कहा कि सभी आरओ अपनी-अपनी टीम का आंकलन कर लें। ईवीएम के बारे में कोई भी समस्या आती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी आरओ की होगी। एक आरओ से कैंडिडेट सेटिंग की जानकारी के बारे में भी जिलाधिकारी ने पूछताछ की। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों से कहा कि भ्रमण के दौरान ईवीएम पोल और रजिस्टर में दर्ज पोल का मिलान करते रहें।

जिलाधिकारी ने यूपी बोर्ड परीक्षा में टॉप-10 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

बांदा, (हि.स.)। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की इण्टरमीडिएट एवं हाईस्कूल की परीक्षा में जनपद स्तर पर टॉप-10 स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अब यह सही समय है जब आप आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़संकल्प के साथ अध्ययन करें, जिससे सफलता अवश्य मिलेगी। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को अच्छे अंक प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने जो यह सफलता प्राप्त की है, वह जिन्दगी भर उनके माता-पिता को गरिमा का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि उनकी मेहनत, योग्यता एवं समझदारी में कोई कमी नहीं है। उच्च शिखर पर पहुंचने के बाद अपने माता-पिता तथा गुरूओं को सदैव याद रखते हुए उनका सम्मान करें। मेधावी छात्र छात्राएं अपना कुछ समय गरीब बच्चों, जो शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनकी मदद के लिए अवश्य निकालें। दिमाग व शरीर के संतुलन को बनाये रखने के लिए अपने स्वास्थ्य को ठीक रखें तथा शिक्षा के साथ अपने खान-पान व खेल-कूद के लिए भी समय निकालें। उन्होंने कहा कि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की छात्र-छात्राओं ने उच्च श्रेणी के अंक प्राप्त कर जनपद में नाम रोशन किया है, इनसे अन्य बच्चों को भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढने की सीख मिलेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह छात्र-छात्राएं आगे चलकर मेडिकल, इंजीनरिंग, प्रोफेसर, शिक्षक, खेल-कूद, संगीत व अपनी रूचि के अनुसार उच्च शिक्षा लेकर अपना व अपने अभिभावकों एवं जनपद का नाम रोशन करेगें। उन्होंने छात्र छात्राओं को कहा कि वह अपनी प्रतिभा को और अधिक निखारें तथा लक्ष्य प्राप्ति करने को निरन्तर प्रयास करें। इस अवसर पर उन्होंने जनपद में इण्टरमीडिएट परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अनुराधा गुप्ता, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर कृष्ण विवेक, सौरभ सिंह, नंदनी गुप्ता तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने पर रूचि सिंह के साथ ही इण्टरमीडिएट की परीक्षा में टॉप-10 में उच्च अंक प्राप्त करने वाले अन्य छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। हाईस्कूल पर-ीक्षा में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अंतरा गुप्ता एवं आंचल, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर प्रदुम्न कुमार, तृतीय स्थान प्राप्त करने पर राज चक्रवर्ती, कमलेश कुमार तथा अनुष्का गुप्ता को सम्मानित किया। इसके साथ ही हाईस्कूल की परीक्षा में टॉप-10 में उच्च अंक प्राप्त करने वाले अन्य छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी उमाकान्त त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक विजय पाल सिंह सहित मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावक तथा शिक्षक उपस्थित रहे।

कुम्भ से पहले देश के प्रमुख शहरों में होगी प्रयागराज की गिनती : अनामिका चौधरी

प्रयागराज, (हि.स.)। आगामी कुंभ मेला के पूर्व प्रयागराज की गिनती देश के प्रमुख शहरों में होने लगेगी। संगमनगरी को जापान के क्वेटा, चीन के शंघाई जैसे शहरों में शुमार कराने के लिए गणेश केसरवानी को भारी मतों से विजयी बनाना होगा।यह बातें भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सचिव व कार्यक्रम संयोजक अनामिका चौधरी ने दारागंज स्थित रायल हाऊस पब्लिक स्कूल में भाजपा महापौर प्रत्याशी गणेश केसरवानी के समर्थन में विशाल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही। विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी ने कहा कि पहली बार यह संदेश गया है कि एक आम कार्यकर्ता भी बड़ा चुनाव लड़ सकता है। वहीं, गणेश केसरवानी ने कहा कि आप हमें आशीर्वाद दीजिए, मैं एक सेवक की तरह प्रयागराज की जनता की ईमानदारी से सेवा करूंगा। इस अवसर पर वित्त पोषित महासभा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष संजीव बाजपेई, विपिन जायसवाल समाजसेवी, डॉ. सुशील सिन्हा, डॉ. कात्यायनी बाजपेई, गंगापार संयोजक आनंद निषाद फौजी, शिवा त्रिपाठी पूर्व पार्षद, सुधीर द्विवेदी प्रबंधक, संजय श्रीवास्तव जिला संयोजक, मृणाली मिश्रा, श्याम प्रकाश पाण्डेय जिला महामंत्री युवा मोर्चा, स्नेहलता यादव प्रधानाचार्य, सुशील भारती, कृष्ण कुमार चौरसिया पूर्व पार्षद, ज्ञानेश्वर शुक्ला, सुनील श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रबंधक भुवनेश्वरी प्रसाद सक्सेना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संचालन कैप्टन सुनील निषाद तथा धन्यवाद ज्ञापन विपिन जायसवाल ने किया।

मोहम्मद मुस्लिम के लखनऊ में निर्माण कार्यो का ब्यौरा अभी मौजूद नहीं : उपाध्यक्ष

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उपाध्यक्ष डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि मोहम्मद मुस्लिम के लखनऊ में निर्माण कार्यों का एलडीए के पास कोई ब्यौरा अभी मौजूद नहीं है। इस संबंध में जो प्राथमिक जानकारी है, उसमें दो-चार निर्माण कार्यों के बारे में मीडिया से ही जानकारी मिली हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के समक्ष मोहम्मद मुस्लिम को लेकर किसी प्रकार की कोई शिकायती चिट्ठी नहीं है। अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों के विरुद्ध कार्रवाईयां जारी हैं। जो कोई बिना नक्शा स्वीकृत किये हुए निर्माण कार्य कराता है, उसे कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए। मौजूद समय में प्रत्येक जोन में अवैध निर्माण को चिन्हित किया जा रहा है। एलडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि एपीआई अंसल के प्रकरण में सीबीआई जांच के आदेश हुए हैं। इससे जुड़ी हुई कोई भी जानकारी सीबीआई की ओर से मांगी जाती हैं तो उसे एलडीए उपलब्ध करायेगा। एलडीए के अधिकारी अंसल से जुड़ी फाइलों को चिन्हित कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि मृत माफिया अतीक अहमद का सहयोग करने वाले बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम की लखनऊ में सम्पत्तियों से जुड़ी एक सूची सोशल मीडिया पर आयी थी। जिसमें पान दरीबा रोड, चारबाग क्षेत्र, सीतापुर रोड के विभिन्न इलाकों, आईआईएम रोड में बनी बिल्डिंगों को मोहम्मद मुस्लिम का बताया जा रहा है। इनमें बिल्डर के विरुद्ध एलडीए की ओर से 15 मई के बाद कार्रवाई करने की बात सामने आ रही थी, जिसको एलडीए उपाध्यक्ष की ओर से पुष्ट नहीं किया गया।

ईडी कोर्ट ने जमीन घोटाला मामले में गिरफ्तार छह आरोपितों को भेजा जेल

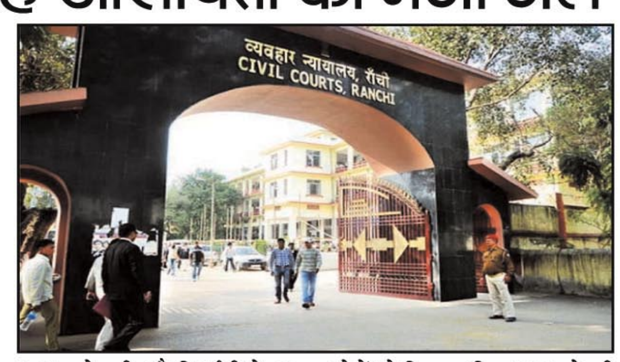

रांची, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची में सेना की जमीन सहित अन्य भूमि घोटालों के मामलों में गिरफ्तार छह आरोपितों को 12 दिनों की पूछताछ के बाद गुरुवार को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट में सभी आरोपितों की पेशी हुई। पेशी के बाद जेल भेजे गए आरोपितों में प्रदीप बागची, बड़गाई अंचल के सीआई भानु प्रताप प्रसाद, अफसर अली, इम्तियाज अहमद, तलहा खान और सद्दाम हुसैन शामिल हैं। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सात आरोपितों में से एक आरोपित को जेल भेज दिया था। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 13 अप्रैल को सेना के जमीन घोटाले मामले में रांची के पूर्व ईडी छवि रंजन सहित बंगाल, झारखंड और बिहार सहित 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान ईडी ने सात लोगों को गिरफ्तार किया था। छापेमारी में जमीन से जुड़े कागजात ईडी के हाथ लगे थे। पूछताछ में ईडी को कई जानकारियां भी मिलीं। इस मामले में ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन से पूछताछ कर चुकी है।

मुख्यमंत्री से मिले राज्यसभा सांसद खीरू महतो

रांची, (हि. स.)। झारखंड मंत्रालय में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान महतो ने सोरेन को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका अभिवादन किया। प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री से जदयू नेताओं की यह शिष्टाचार मुलाकात थी। मुलाकात बेहद सार्थक रही। मुख्यमंत्री से प्रदेश के विकास और जनहित के विषयों को लेकर लम्बी चर्चा हुई। पलायन, विस्थापन और सीएनटी चर्चा का केन्द्र रहा।

मेदिनीनगर के पंचायत भवनों में पंचायत समृद्धि केंद्र की होगी स्थापना

मेदिनीनगर, (हि.स.)। जिला परिषद बोर्ड की बैठक समाहरणालय के ब्लॉक-सी के सभागार में गुरुवार को जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में हुई। इसमें जिला परिषद उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह और उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी रवि आनंद समेत सभी सदस्य और प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में सर्वप्रथम पूर्व की बैठक में लिए गए निर्णयों एवं अनुपालन के विषय पर चर्चा हुई। इसके पश्चात विभिन्न विभागों की विस्तृत रूप से समीक्षा की गयी। बैठक में खरीफ मौसम में बीज का वितरण उचित मात्रा में एवं ससमय कराने पर बल दिया गया। साथ ही 15वें वित्त आयोग अंतर्गत कुल 90 योजनाओं पर किए गए भुगतान की संपुष्टि प्रदान की गयी। जिला परिषद के आय स्रोत के सृजन में वृद्धि के मद्देनजर विभिन्न प्रखंडों में लगभग 500 दुकानों का निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में सदर मेदनीनगर, सतबरवा, नौडीहा बाजार और हुसैनाबाद में कुल 4 अमृत सरोवर योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गयी। पेयजल की समस्या को देखते हुए सभी त्रिस्तरीय पंचायतों द्वारा अपने-अपने स्तर से नये पेयजल के स्रोत सृजन कर सकेंगे। साथ ही पुराने पेयजल के स्रोतों का मरम्मत कराने का भी निर्णय लिया गया। जिले के सभी पंचायत भवनों में जिला परिषद स्तर से पंचायत समृद्धि केंद्र की स्थापना करने का भी निर्णय लिया गया। इसमें स्वास्थ, शिक्षा एवं मनोरंजन आदि संबंधी सामग्री का अधिष्ठापन भी कराया जायेगा। इसी तरह सामाजिक सुरक्षा, बिजली विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण, भूमि संरक्षण, कृषि विभाग, आपूर्ति विभाग व अन्य विभागों की समीक्षा की गयी।

शस्त्रों की बरामदगी मामले में जदयू नेता मंजूर की रिहाई से पुलिस की हुई किरकिरी

नवादा, (हि.स.)। नवादा जिले के नरहट में भारी संख्या में शस्त्रों और कारतूस बरामदगी के मामले में हिरासत में लिए गए जदयू नेता मंजूर आलम की रिहाई से पुलिस की खूब किरकिरी हुई है। 24 अप्रैल की रात्रि को भारी संख्या में शस्त्रों और कारतूसों के साथ मंजूर आलम को हिरासत में लिया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि अगर पुलिस को अज्ञात प्राथमिकी दर्ज करनी थी तो जदयू नेता मंजूर को हिरासत में लेने की क्या जरूरत थी। मीडिया में इस बात को कहने की जरूरत नहीं थी कि हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि एसपी की मनसा मंजूर आलम को गिरफ्तार कर जेल भेजने की थी लेकिन राजनीतिक हस्ताक्षेप के कारण एसपी को जदयू नेता मंजूर को थाने से रिहा कर देना पड़ा। इस तरह की घटना ने एसपी तक को कटघरे में खड़ा कर दिया है। जब इस मामले को गलत बताते हुए हिसुआ के विधायक नीतू सिंह ने एसपी से मिल कर कड़ा प्रतिरोध किया तो एसपी ने कहा कि मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा। जिस पर विधायक ने कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि इस गलत रवैए के विरोध में मुख्यमंत्री से शिकायत करूंगी। इतना बोलते ही एसपी के होश उड़ गये और एसपी ने अपनी कार्रवाई को बदल दिया। आखिरकार मंजूर को थाने से ही रिहा करना पड़ा। इतना ही नहीं इस मामले में सरकार में बैठे आकाओं के हस्तक्षेप ने तो नवादा पुलिस को उनकी औकात दिखा दी। आकाओं के फोन के बाद मगध के आईजी क्षत्र नील सिंह ने इस मामले को देखकर मंजूर को मुक्त कराने की दिशा में पहल की थी। किसी के टूटे घर में कोई शस्त्र रख दे और उसकी गिरफ्तारी हो जाए, इससे गलत बात कुछ हो ही नहीं सकती। इस मुद्दे पर आईजी क्षत्र नील सिंह की उक्त बात पर सवाल उठाते हुए संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश कुमार अकेला ने कहा है कि मोकामा के विधायक रहे अनन्त सिंह के घर से बरामद शास्त्रों के आधार पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर उन्हें 10 वर्षों की सजा तक करा दी थी।

मंत्री के साथ युवाओं के भविष्य और संगठन की मजबूती को लेकर मंथन

अररिया (हि.स.)। बिहार सरकार के आपदा मंत्री एवं जोकिहाट विधायक शाहनवाज आलम से राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव ई आयुष अग्रवाल ने गुरुवार को उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवा साथियों ने भी मंत्री से मिलकर ज़िला में युवाओं के भविष्य पर अपनी बात रखी। अग्रवाल ने बताया कि राजद की सदस्यता लेने के बाद मंत्री शाहनवाज आलम से ये पहली मुलाकात है एवं बातचीत के दौरान ज़िला एवं प्रदेश स्तर पर कैसे संगठन को मजबूत करते हुए समाजहित में कार्य करना है इसको लेकर मार्गदर्शन भी मिला। आपदा मंत्री खुद युवा हैं और प्रगतिशील सोच के साथ कार्य करते रहे हैं। मौके पर आपदा मंत्री शहनवाज आलम ने आयुष अग्रवाल का स्वागत करते हुए राजद परिवार का हिस्सा बनने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवा सोच के साथ जिस तरीके से श्री अग्रवाल कार्य कर रहे हैं वह काबिले तारिफ है। जरूरी है लोगों के बीच जाकर बिहार सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का सही तरीके से लाभ पहुँचवाने की एवं लोगों को अपने हक एवं अधिकार के बारे में जागरुक करने की।

पीएम के मन की बात के सौवें संस्करण को ऐतिहासिक बनाने में जुटा भाजयुमो

अररिया (हि.स.)। 30 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात के सौवें संस्करण को ऐतिहासिक बनाने में भारतीय जनता युवा मोर्चा जुटी है। इसको लेकर वृहत स्तर पर प्रसारण आयोजित करने और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भाजयुमो जोर शोर से तैयारी में जुटी है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने गुरुवार को फारबिसगंज विधानसभा के विभिन्न स्थानों पर प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा करते हुए इसे ऐतिहासिक होने का दावा किया । कार्यक्रम के विधानसभा प्रभारी संदीप शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक मे प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि देश के 265 रेडियो स्टेशनों 375 से अधिक निजी सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के साथ विश्व के सबसे बड़े रेडियो नेटवर्क ऑल इंडिया रेडियो सहित दूरदर्शन के 34 चैनलों के माध्यम से 52 भाषाओं और बोलियों, 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित होने वाली यह जन संवाद कार्यक्रम को भाजयुमो बिहार के सभी 45 संगठनात्मक जिलों 243 विधानसभा के एक हजार से अधिक मंडलों में हजारों स्थानों पर लाखों युवा के भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है।

जिसके सफलता के लिए प्रदेश स्तर से लेकर जिला, विधानसभा और मंडल स्तर पर प्रभारी बनाये गए है। उन्होंने कहा कि देश की आवाज बनती पीएम के मन की बात कार्यक्रम शासन में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने में ना सिर्फ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को लोगों तक पहुँचाने एवं जागरूकता पैदा करने हेतु एक सफल तंत्र के रूप में स्थापित हो चुका है। जिससे पीएम द्वारा दिये गए समाजिक संदेश कुछ ही दिनों में जनांदोलन का रूप ले लेते है। स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कोविड टीकाकरण अभियान, हर घर तिरंगा इसके कुछ शानदार उदाहरण है।

संपादकीय

'सुप्रीम दंगल' की नौबत

जिस पहलवान ने कुश्ती के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में, भारत के लिए, पदक जीते थे, तब वह 'राष्ट्रीय नायक' था। महिला या पुरुष कुछ भी हो सकता है। वह चेहरा भारतीय खिलाड़ी का था। वह किसी भी खेल का प्रतिनिधि हो सकता है, लेकिन जीत के ऐसे लम्हों में हमारा 'तिरंगा' सम्मानित होता है। राष्ट्रगान की धुन बजाई जाती है। देश और प्रधानमंत्री गौरवान्वित महसूस करते हुए तालियां बजाते हैं। रोड शो के जरिए उन खिलाड़ियों का अभिनंदन किया जाता है। उन्हें सम्मानों से नवाजा जाता है और सरकारी नौकरियां भी मुहैया कराई जाती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आवास पर भारत के ऐसे होनहार, पदकवीर खिलाड़ियों को रात्रि-भोज दिया है, यह समूचा देश जानता है। आज वही खिलाड़ी जंतर-मंतर पर धरना दिए बैठे हैं। उनकी आंखों में आंसू हैं, मन में गहरी निराशा है। क्या वे अब देश के लिए 'दंगल' लड़ पाएंगे? क्या प्रधानमंत्री और सरकार के संज्ञान में नहीं है कि महिला पहलवानों ने यौन उत्पीडन के आरोप लगाए हैं। एक पहलवान तो 16 वर्षीय नाबालिग बताई गई है। सीधा 'पॉक्सो' का केस बनता है और आरोपित व्यक्ति जेल में होना चाहिए था। चूंकि भारतीय कुश्ती संघ का अध्यक्ष, भाजपा का 6 बार का बाहुबली सांसद, ब्रजभूषण शरण सिंह है, लिहाजा मुद्दे को लटकाया, भटकाया जा रहा है। पुलिस भी प्राथमिकी दर्ज करने में कन्नी काट रही है। बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, रवि दहिया, साक्षी मलिक, दीपक पूनिया सरीखे चैम्पियन, पदकवीर पहलवानों को दुनिया जानती है। उन्होंने कुश्ती के लिए 'मील-पत्थर' स्थापित किए हैं। दुनिया उनके दंगल की दाद देती रही है। वे यौन-शोषण की शिकार पहलवान-बेटियों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्हें शर्म आनी चाहिए, जो उनकी जीत पर गर्वोन्मत्त हुए थे। पहलवान-बेटियों को, अंततः, सर्वोच्च अदालत की चौखट तक जाना पड़ा। दुनिया देश पर थू-थू कर रही होगी। देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने भी आरोपों को गंभीर माना है और दिल्ली पुलिस का जवाब तलब किया है। शुक्रवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई है। दरअसल बुनियादी सवाल और चिंता खेल की है। खेलों के मामले में भारत अपेक्षाकृत कमजोर है। ऐसे यौन उत्पीडन किए जाएंगे, तो कमोबेश कौन मां-बाप अपनी बेटी को खेलने की इजाजत देगा? ये विश्वविख्यात पहलवान जनवरी, 2023 में भी जंतर-मंतर पर ही बैठे थे, तब उन्होंने खेल मंत्रालय के आश्वासन पर भरोसा करने की गलती की थी। इस अंतराल में मुक्केबाजी की 6 बार की विश्व-चैम्पियन रहीं मैरी कोम की अध्यक्षता वाली कमेटी ने क्या निष्कर्ष तय किए, क्या रपट तैयार की और सच तक पहुंचने की कोशिश की, सब कुछ परदे में है। पहलवान रही और कमेटी की एक सदस्य बबीता फोगाट के रपट पर हस्ताक्षर किस तरह जबरन कराए गए और उनसे रपट भी छीन ली गई, इसका खुलासा उन्होंने ही किया है। कुश्ती संघ में ब्रजभूषण का आज भी वर्चस्व है। वरिष्ठ कोचों और संघ के अधिकारियों द्वारा महिला पहलवानों के परिजनों तक को धमकाया जा रहा है। पैसे का लालच दिया जा रहा है। वे सभी दबाव में हैं। यह खुलासा भी धरने वालों ने ही किया। अदालत में सच सामने आ सकता है। सवाल यौन-हिंसा का है और नया कानून बेहद सख्त है। प्राथमिकी दर्ज न करने वाला पुलिस अफसर भी नप सकता है। सवाल यह भी है कि आज कुश्ती में कुकर्म सामने आ रहे हैं, तो कल दूसरे खेलों की महिला खिलाडियों के साथ घिनौनेपन किए जा सकते हैं। भारत में महिला क्रिकेट और हॉकी टीमें भी खेल रही हैं। बैडमिंटन और निशानेबाजी, तीरंदाजी आदि खेलों में भी महिलाओं ने विश्व-कीर्तिमान स्थापित किए हैं। क्या खेल-संघों के पुरुषों की हवस के लिए खेलों की बलि दी जा सकती है? यदि प्रधानमंत्री मोदी भी ऐसे मामलों पर खामोश हैं, तो यह ठीक नहीं है।

देश और प्रधानमंत्री गौरवान्वित महसूस करते हुए तालियां बजाते हैं। रोड शो के जरिए उन खिलाड़ियों का अभिनंदन किया जाता है। उन्हें सम्मानों से नवाजा जाता है और सरकारी नौकरियां भी मुहैया कराई जाती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आवास पर भारत के ऐसे होनहार, पदकवीर खिलाड़ियों को रात्रि-भोज दिया है, यह समूचा देश जानता है। आज वही खिलाड़ी जंतर-मंतर पर धरना दिए बैठे हैं। उनकी आंखों में आंसू हैं, मन में गहरी निराशा है। क्या वे अब देश के लिए 'दंगल' लड़ पाएंगे? क्या प्रधानमंत्री और सरकार के संज्ञान में नहीं है कि महिला पहलवानों ने यौन उत्पीडन के आरोप लगाए हैं। एक पहलवान तो 16 वर्षीय नाबालिग बताई गई है। सीधा 'पॉक्सो' का केस बनता है और आरोपित व्यक्ति जेल में होना चाहिए था। चूंकि भारतीय कुश्ती संघ का अध्यक्ष, भाजपा का 6 बार का बाहुबली सांसद, ब्रजभूषण शरण सिंह है, लिहाजा मुद्दे को लटकाया, भटकाया जा रहा है। पुलिस भी प्राथमिकी दर्ज करने में कन्नी काट रही है। बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट, रवि दहिया, साक्षी मलिक, दीपक पूनिया सरीखे चैम्पियन, पदकवीर पहलवानों को दुनिया जानती है।

उच्च तकनीक और बढ़िया साधन मौजूद हैं, अतः शोध एवं विकास के ज्यादातर कार्य वहीं संभव हैं

जुगाड़ से आविष्कार तक

पी. के. खुराना

ऐसे समय में जब कोरोना वायरस ने दुनिया को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, भारत सरकार ने साहस से काम लिया और फाइजर सरीखी विदेशी कंपनियों को ब्लैकमेल करने का अवसर नहीं दिया। भारत में ही निर्मित वैक्सीन ने करोड़ों भारतीयों की रक्षा की। यही नहीं, सरकार ने प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और योग पर फोकस करके प्रशंसनीय काम किया है। इससे एक कदम और आगे चलकर 'कॉस्मिक हैपीनेस सेंटर' ने ब्रेन-वेव ऐक्टीवेशन की सांइटिफिक तकनीक से तनाव से राहत, आत्मग्लानि से निजात, क्रोध से छुटकारा आदि मानसिक विकारों सहित, नशा छुड़ाने की सेवाएं देने का प्रशंसनीय कार्य किया है। ब्रेन-वेव ऐक्टीवेशन तकनीक में चेतन और अवचेतन मस्तिष्क के संयोग से इन व्याधियों से छुटकारा दिलवाना एक अतुलनीय कार्य है।

भारत में हम यह मान कर चलते हैं कि आविष्कार पश्चिमी देशों में होते हैं। एक आम धारणा है कि विकसित देशों में उच्च तकनीक और बढिया साधन मौजूद हैं, अतः शोध एवं विकास के ज्यादातर कार्य वहीं संभव हैं। यहां हम छोटे-मोटे जुगाड़ किस्म के आविष्कारों से भी प्रसन्न हो लेते हैं या फिर किसी बढिया नकल को ही भारतीय लोगों की काबलियत की निशानी मान लेते हैं। चूंकि हम यह मानते हैं कि हमारे देश में बुद्धि, सुविधाओं और धन की कमी है, अतः हम आविष्कारक नहीं हैं, और इस मामले में हम पश्चिम का मुंह जोहने के लिए विवश हैं। यही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय शाखाएं अपने विदेशी आकाओं से आयातित चीजों में मामूली बदलाव करके उनका भारतीयकरण करने में ही अपनी प्रतिभा की सार्थकता मान लेते हैं और किसी बड़े आविष्कार की बात सोचते तक नहीं, पर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो सभी बाधाओं के बावजूद कुछ करने की ठान लेते हैं और उसे कर दिखाते हैं। अक्सर यह भी माना जाता है कि आविष्कार करने के लिए पहले मन में कोई विचार आना चाहिए, उसके लिए किसी नए अभिनव और इन्नोवेटिव आइडिया की आवश्यकता होती है। वास्तव में यह पूर्ण सत्य नहीं है। सच तो यह है कि कुछ कर दिखाने के लिए पहले सपना होना चाहिए, इरादा होना चाहिए, दृढ़ निश्चय होना चाहिए, रास्ता खुद-ब-खुद निकल आता है। कठिनाइयां आती हैं, रुकावटें आती हैं, पर दृढ़ निश्चयी व्यक्ति उनका सामना करते हुए राह बनाता चलता है। दुनिया के ज्यादातर आविष्कारों की कहानी कुछ ऐसी ही है। और सच यह है कि ऐसे लोगों की भारत में भी कमी नहीं है, सिर्फ हमारा मीडिया और समाज उन तक पहुंचता नहीं है, उन्हें पहचानता नहीं है। पश्चिम में एक छोटा सा आविष्कार हो जाए तो सारा भारतीय मीडिया उसके गाने गाने लगता है और भारत के कई बड़े-बड़े आविष्कारों के बारे में भी खुद भारतीयों को भी जानकारी नहीं है। आंध्र प्रदेश के निवासी श्री वाराप्रसाद रेड्डी ने हैपेटाइटस-बी के निवारण के लिए वैक्सीन तैयार की जो पहले एक बहुराष्ट्रीय कंपनी सप्लाई करती थी और उसकी हर डोज की कीमत 750 रुपए थी। श्री वाराप्रसाद रेड्डी की वैक्सीन बाजार में आने पर बहुराष्ट्रीय कंपनी को अपनी वैक्सीन की कीमत इस हद तक घटानी पड़ी कि वह 750 रुपए के बजाय महज 50 रुपए में बिकने लगी और एक समय तो उसकी कीमत 15 रुपए पर आ गई थी। यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है कि एक आम हिंदुस्तानी ने अपने दृढ़

निश्चय के बल पर एक शक्तिशाली बहुराष्ट्रीय कंपनी को घुटने टेकने पर विवश कर दिया। बहुत सालों पहले निरमा वाशिंग पाउडर ने ऐसी ही कहानी लिखी थी, केविनकेयर के श्री सीके रंगनाथन ने भी यही किया था जिन्होंने हिंदुस्तान लीवर को बगलें झांकने पर विवश कर दिया। जहां निरमा ने सर्फ को टक्कर दी और अपने लिए एक बड़ा बाजार निर्मित किया, वहीं केविनकेयर ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों हिंदुस्तान लीवर (अब हिंदुस्तान युनिलीवर) तथा प्रॉक्टर एंड गैंबल के उत्पादों से बाजार छीना। श्री रंगनाथन ने सैशे में शैंपू देना शुरू किया ताकि वह उन लोगों के बजट में भी आ सके जो महंगा होने के कारण शैंपू का प्रयोग नहीं कर पाते। उनकी यह जीत इतनी बड़ी थी कि अंततः हर प्रतियोगी कंपनी को उनकी रणनीति की नकल करनी पड़ी। घडियों के मामले में दुनिया भर में स्विटजरलैंड का सिक्का चलता है। यह माना जाता है कि स्विटजरलैंड की घडियां दुनिया में सबसे बढिया होती हैं और घडियों के निर्माण में नये आविष्कार स्विटजरलैंड में ही होंगे। लेकिन भारतीय कंपनी टाटा ने विश्व की सबसे पतली वाटरप्रूफ घड़ी 'टाइटैन एज्ज' बनाकर दुनिया भर को चमत्कृत कर दिया। ऐसे अनेकोंनेक उदाहरण हैं जहां भारतीयों ने बेहतरीन आविष्कार किये हैं, बहुराष्ट्रीय प्रतियोगियों को पीछे छोड़ा है लेकिन उनकी यशोगाथा कम ही गाई गई है। इन असाधारण आविष्कारकों का यशगान ही काफी नहीं है, वस्तुतः हमें यह समझना होगा कि दृढ़ निश्चय से सब कुछ संभव है, बड़े-बड़े आविष्कार संभव हैं। टाटा ने विश्व की सबसे सस्ती कार बनाकर दिखा दी, टाइटैन ने सबसे स्लिम वाटरप्रूफ घड़ी बनाकर दिखा दी, लेकिन यह तर्क दिया जा सकता है कि टाटा समूह के पास प्रतिभा, साधन और धन की कमी नहीं है। हां, यह सही है कि टाटा समूह के पास न प्रतिभा की कमी है और न ही धन की, लेकिन श्री सीके रंगनाथन और श्री वाराप्रसाद रेड्डी तो ने तो साधनों की कमी के बावजूद सिर्फ दृढ़ निश्चय के कारण अपना सपना पूरा कर दिखाया। सच तो यह है कि सपना महत्वपूर्ण है, सपना नहीं मरना चाहिए, सपना रहेगा तो पूरा होने का साधन बनेगा, सपना ही नहीं होगा तो हम आगे बढ़ ही नहीं सकते। सपना होगा तो हम सफल होंगे, समृद्ध होंगे, विकसित होंगे और अपनी सफलता का परचम लहरा सकेंगे। ऐसे समय में जब कोरोना वायरस ने दुनिया को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, भारत सरकार ने साहस से काम लिया और फाइजर सरीखी विदेशी कंपनियों को ब्लैकमेल करने का अवसर नहीं दिया। भारत में ही निर्मित वैक्सीन ने करोड़ों भारतीयों की रक्षा की। यही नहीं, सरकार ने प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और योग पर फोकस करके प्रशंसनीय काम किया है। इससे एक कदम और आगे चलकर 'कॉस्मिक हैपीनेस सेंटर' ने ब्रेन-वेव ऐक्टीवेशन की सांइटिफिक तकनीक से तनाव से राहत, आत्मग्लानि से निजात, क्रोध से छुटकारा आदि मानसिक विकारों सहित, नशा छुड़ाने की सेवाएं देने का प्रशंसनीय कार्य किया है। ब्रेन-वेव ऐक्टीवेशन तकनीक में चेतन और अवचेतन मस्तिष्क के संयोग से इन व्याधियों से छुटकारा दिलवाना एक अतुलनीय कार्य है। उम्मीद करनी चाहिए कि देश भर में इस अभियान का प्रसार होगा तथा अन्य संस्थाएं भी इस तरह के कार्यक्रमों से युवाओं के लाभ के लिए आगे आएंगी। लब्बोलुबाब यह कि संकटकालीन स्थिति को भी अवसर में बदलने का निश्चय चाहिए, सही सोच और दृढ़ निश्चय से सब कुछ संभव है। हमें इसी ओर काम करने की आवश्यकता है ताकि हम गरीबी और बीमारी से उबर कर एक स्वस्थ एवं विकसित समाज बन सकें। ये सारे उदाहरण यह सिद्ध करने के लिए काफी हैं कि देश के हम आम आदमी भी भारतवर्ष को ऐसा विकसित देश बना सकते हैं जहां स्वास्थ्य हो, सुख हो, समृद्धि हो, रोजगार हो और आगे बढने की तमन्ना हो। कौन करेगा यह सब? मैं, आप और हम सब। आमीन! भारत में हम यह मान कर चलते हैं कि आविष्कार पश्चिमी देशों में होते हैं। एक आम धारणा है कि विकसित देशों में उच्च तकनीक और बढिया साधन मौजूद हैं, अतः शोध एवं विकास के ज्यादातर कार्य वहीं संभव हैं। यहां हम छोटे-मोटे जुगाड़ किस्म के आविष्कारों से भी प्रसन्न हो लेते हैं या फिर किसी बढिया नकल को ही भारतीय लोगों की काबलियत की निशानी मान लेते हैं।

रोजगार के लिए उठाने होंगे प्रभावी कदम

नई सरकार को हिमाचल की जनता ने सत्तासीन होने का अवसर दिया है, इसलिए लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना सरकार के लिये किसी चुनौती से कम नही होगा। मुख्यमंत्री जी के कई जन हितैषी फैसलों ने युवाओं को उम्मीद की एक किरण दिखाई है। वैसे तो कई ऐसे मुद्दों पर जनता के हित के फैसले सरकार को समय समय पर लेने होते हैं जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, सडक़ जैसी आधारभूत जरूरतों को पूरा करना किसी भी सरकार की प्राथमिकता होती है। हमारा हिमाचल कोई बहुत बड़ा राज्य नहीं है और हिमाचल के अधिकतर लोगों का जीवन स्तर भी भारत में उच्च स्तर का आंका जाता है। इसलिए यहां बजट में बहुत ज्यादा खर्च किसी एक तबके पर हो, ऐसा जरूरी नहीं। परन्तु फिर भी एक बहुत बड़ी समस्या जो शायद आने वाले समय में एक विकराल रूप धारण करेगी, वो है बेरोजगारी। जी हां, हिमाचल में बेरोजगारी की दर दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी एक ऐसा दंश है जिसका उपचार सिर्फ रोजगार ही है।

हिमाचल प्रदेश में नई सरकार बनी है और सरकार ने रोजगार को बढ़ाने के कई रास्ते बजट में गिनाए हैं। ऐसे में आम आदमी काफी उत्सुक है। क्योंकि नई सरकार को हिमाचल की जनता ने सत्तासीन होने का अवसर दिया है, इसलिए लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना सरकार के लिये किसी चुनौती से कम नही होगा। मुख्यमंत्री जी के कई जन हितैषी फैसलों ने युवाओं को उम्मीद की एक किरण दिखाई है। वैसे तो कई ऐसे मुद्दों पर जनता के हित के फैसले सरकार को समय समय पर लेने होते हैं जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, सडक़ जैसी आधारभूत जरूरतों को पूरा करना किसी भी सरकार की प्राथमिकता होती है। हमारा हिमाचल कोई बहुत बड़ा राज्य नहीं है और हिमाचल के अधिकतर लोगों का जीवन स्तर भी भारत में उच्च स्तर का आंका जाता है। इसलिए यहां बजट में बहुत ज्यादा खर्च किसी एक तबके पर हो, ऐसा जरूरी नहीं। परन्तु फिर भी एक बहुत बड़ी समस्या जो शायद आने वाले समय में एक विकराल रूप धारण करेगी, वो है बेरोजगारी। जी हां, हिमाचल में बेरोजगारी की दर दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी एक ऐसा दंश है जिसका उपचार सिर्फ रोजगार ही है। ये आने वाले समय में बहुत सी सरकारों के लिए चिंता का विषय बन जाएगा। इसलिए समय रहते इस पर विचार करना और रोजगार के अवसर तैयार करना बहुत आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश भारत में सबसे साक्षर प्रदेश है। यहां के युवा मेहनती हैं, वो पहाड़ों के कठिन जीवन के साथ-साथ पढ़ाई के क्षेत्र में भी आगे हैं। यही कारण है कि हर वर्ष पढ़े-लिखे युवा बेरोजगारों की भीड़ में खड़े हो जाते हैं। हिमाचल के पास अधिकतर नौकरीपेशा लोग हैं। इसलिए यहां का अधिकतर युवा भी सरकारी नौकरी ही चाहता है। परंतु सरकारी नौकरियां सीमित हैं। जो एक बार नौकरी में लगेगा वह अपनी पूरी नौकरी करने के बाद ही उस पद को खाली करेगा, तो ऐसे में हर वर्ष कितने सरकारी पद भरे जा सकते हैं, आप खुद विचार कर सकते हैं। आप सबको कुछ आंकड़ों की तरफ ले चलता हूं, तो हिमाचल इस समय बेरोजगारी में पूरे भारत में 6वें पायदान पर है। हम राष्ट्रीय बेरोजगारी दर से ऊपर चल रहे हैं। भारत में इस समय बेरोजगारी दर औसतन 7.8 फीसदी है और हिमाचल में ये आंकड़ा जनवरी 2023 में 10 फीसदी रहा है। हिमाचल में हर वर्ष 60000 युवा रोजगार पाने के लिए पंजीकृत हो रहे हैं। अगर पढ़े-लिखे बेरोजगारों की बात करें तो करीब 31 मार्च 2022 के जारी आंकड़ों के अनुसार हिमाचल में 877507 लोग बेरोजगार हैं। और ये हिमाचल की जनसंख्या का 12 फीसदी हिस्सा है। ये सब आंकड़े चिंतित करने वाले हैं क्योंकि बेरोजगारी बढना बहुत सी समस्याओं को जन्म देता है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव युवा वर्ग पर पड़ता है। युवाओं के पास अगर रोजगार नहीं होगा तो उनके जीवन में भटकाव आएगा, जिससे अधिकतर युवा वर्ग नशे के चंगुल में फंस रहा है। और भी कई अनैतिक कार्य युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं। इतना ही नहीं, पढ़े लिखे युवा कई शॉर्टकट के चक्कर में इतने अनैतिक कार्य करने लग पड़े हैं कि समाज का सारा संतुलन बिगड़ रहा है। पढ़े लिखे युवा समाज में कुछ रचनात्मक करने की जगह समाज को ही तबाह करते जा रहे हैं जिसका एक बहुत बड़ा कारण बेरोजगारी के रूप में ही सामने आ रहा है। तो फिर आखिर ऐसा क्या किया जाए कि बढ़ती बेरोजगारी का सैलाब रोजगार की तरफ घूम जाए। आज का युवा हर तरीके से सक्षम है कि वह अपने लिए स्वरोजगार अवसर तलाश सकता है। हमारी शिक्षा व्यवस्था अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो पा रही कि पढ़ लिख कर युवा किसी कौशल में विकसित हो जाये। स्कूलों में शुरू किए गए वोकेशनल कोर्स से शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जा सकता है परन्तु इसके लिए अभी भी कोई इतना सशक्त रोड मैप तैयार नहीं है। किस क्षेत्र में किसी प्रकार के वोकेशनल कोर्स हो कि छात्र शुरू से ही अपनी रुचि के अनुसार उसमें निपुण हो सके, इस पर भी विचार करना होगा। नई शिक्षा नीति में इसका जिक्र किया गया है परन्तु उसे प्रभावी होने में काफी समय लगेगा। आज भारत विश्व का सबसे युवा देश है और हर रोज नए स्टार्टअप के साथ युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। सिर्फ जरूरत है कि युवाओं को सही अवसर मिले। युवा वर्ग सिर्फ रोजगार के लिए सरकारी नौकरी की तलाश न करे, बल्कि स्वरोजगार की तरफ अपने कदम उठाए। हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है, इसलिए यहां की भौगोलिक परिस्थितियां भी इतनी अनुकूल नहीं हैं। हिमाचल में शुरू से ही उद्योगीकरण की मांग उठती रही है। उद्योग के कारण बहुत से लोगों को रोजगार मिलता है। उद्योग विकसित होने से व्यापार भी बढ़ता है। अन्य राज्यों के साथ भी आयात-निर्यात होता है। इसलिए हिमाचल में उद्योगों के लिए मार्ग सुगम करना होगा ताकि हिमाचल के युवाओं को रोजगार मिल सके। वर्तमान सरकार ने युवाओं को एक लाख नौकरी देने का भी वायदा किया है। ये वायदा सिर्फ सरकारी नौकरी से संभव नहीं है। इसके लिए कुछ और विकल्प तलाशने होंगे जैसे स्वरोजगार के लिए कुछ योजनाएं, इसमें काफी प्रभावी सिद्ध हो सकती हैं। स्वरोजगार के द्वारा लोगों को नई यूनिट शुरू करने के लिए, व्यापार के लिए कई प्रकार से सब्सिडी लोन दिए जाते हैं। इस प्रकार की योजनाओं को हर युवा तक पहुंचाना और इससे भी अधिक जरूरी है युवाओं को प्रेरित करना कि वह सरकारी नौकरी से आगे सोच कर खुद का बिजनेस शुरू करे और सरकार उसको सहयोग देगी। एक व्यक्ति जो इस प्रकार की शुरुआत करता है वह सिर्फ अकेला इससे लाभान्वित नहीं होता, उसके साथ 5 से 7 लोग और इस लाभ का हिस्सा बनते हैं। नए स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना भी आवश्यक है। स्टार्टअप युवाओं को लीक से हट कर सोचने को मजबूर करते हैं। स्टार्टअप के लिए सरकार को और अधिक प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके साथ ही व्यापार को भी बढ़ाना बहुत जरूरी है। व्यापारी अगर एक दुकान चलाता है तो अपनी दुकान में 2 या 3 लोगों को काम पर रखता है। इससे लोग रोजगार से जुड़ते हैं। हिमाचल में व्यापार बड़े स्तर पर नहीं बढ़ता, कारण है हिमाचल के पड़ोसी राज्य पंजाब से हर सामान सस्ते दाम पर उपलब्ध रहता है। हिमाचल में बहुत कम बड़े उद्योग हैं, इसलिए होलसेल मॉर्केट भी कम है।

देश दुनीया से

यहां चोर बने चौकीदार

ज़माना चोरों के चौकीदार बन जाने का है। बेवफाओं के वफादार घोषित हो जाने का है। जिन लोगों ने दिन-दहाड़े आपके सपने चुरा कर उन्हें दुःस्वप्न बना दिया, वही अब सपनों का एक नया बायस्कोप बना कर निकले हैं, आपके गांव-गांव, गली-गली, अन्धभक्ति का कोई श्रद्धा गीत गाते हुए। मंशा अपने वोटों की सहायता से महानुभावों को फिर उसी कुर्सी पर बिठा देने की है, जो कभी पहले सिंहासन थी, आजकल जनसेवा का स्टूल कहलाती है। हमारी गलियों में जब बिजली कट अपनी तेज़ी दिखाते हैं, पावर कट अपना जुल्म दिखाते हैं, तो अपनी विजय घोषणाओं में सेंध लगती देख कर चौकीदार बने चोर अब 'जागते रहो' चिल्लाते हैं। भई, दलबदलुओं का ज़माना है, कब कोई सेंधमार स्वांग बदल कर साधुवेष धारण कर आपको श्रद्धा से विनत होने के लिए कह दे कि बोलो भक्तो, ऊंचे स्वर में चिल्लाओ, 'जय-जय'। अगर कोई हमसे पूछने के लिए चला आये, यह किसकी जय-जय है, तो कह दो, तम्हारी भी जय-जय और हमारी भी जय-जय। न पूछना किसी से कि जब आपके थर्मल प्लांटों के पुर्जे चार माह पहले बिगड़ गये थे, तो उसकी मरम्मत की ओर तब ध्यान क्यों नहीं दिया गया? 'दिया है, दिया है, बन्धु। मरम्मत के लिए स्वीकृति फाईल पर हाजिर है। बस अभी उसे निपटाने की बारी नहीं आई थी, कि यह कम्बख्त मानसून धोखा दे गया। भला यह कह के आदाब हैं कि जब आपको बरसना हो, तब तो बरसे नहीं, और अब बेमौसम बरसात करके जलथल पैदा कर दो।' इससे वही बात हुई न, पिछली बार अपने चुनाव एजेंडे में हमारी अभागी धरती स्वर्ग लोक का वायदा किया था, फिर इसी स्थगित मानसून की तरह हमारी गलियों का रास्ता ही भूल गया। और अब जब चुनाव दुंदुभि बजे तो स्थगित मानसून के याद कर लेने की तरह हमारी गलियों में महानुभाव प्रगट हो गये, लो हमारे आंकड़े देख लो कि हमने तो अपने एजेंडे के पचासी प्रतिशत वायदे पूरे कर दिये। शेष पावर कट भगाने वाली इस लेट-लतीफी बारिश की वजह से रुके, अभी दूर कर देंगे। हमने सुना और प्रशंसा में तालियां बजा दीं, कैसे कह देते कि जनाब इस रास्ता भूली बारिश से कुछ नहीं होगा, जब तक कि इन लगातार बिगड़ते हुए थर्मल प्लांटों की स्थाई मरम्मत नहीं होती। उनको जुर्माना लगाने से क्या होगा, क्योंकि उससे अधिक बड़ा जुर्माना तो उद्योगों को इस लम्बी-चौड़ी पावर कट से लगा गया। उनका लाभ घाटे में बदल गया, तो निठ्ठला हो सडक़ पर कामगार आया। नहीं, नहीं हमें सडक़ छाप लोगों की बड़ी फिक्र है। आपके वोट डालने की तिथि से पहले सब वायदे पूरे हो जाएंगे। कसम आपके कल्याण की। बेशक भाषण में वायदों के पूरे होने की यह घोषणा बड़ी अच्छी लगती है। जैसे पार साल आपने कहा था, 'घर-घर रोजग़ार, अब नहीं रहेगा कोई बेकाम, बेरोजग़ार।' मज़े की बात के इस वचन का उद्‌घोष उन बेकारों की भीड़ ने ही किया था, जो ठेके पर नारा लगाने का रोजग़ार पा कर आये थे। अब उसी रोजग़ार के बंटने के दिन फिर आ गए। फिर दिहाडियों पर लगिये और विजय घोष कीजिये। महाकवि तो ठेले पर हिमालय लाद कर लाये थे, आपने तो ठेकों पर वायदों की पूर्ति की घोषणाएं लाद दीं, जय परिवर्तन के महाप्रभु। बन्धु, ठेके की इस कसौटी पर दम घोंटू महंगाई का दाहकर्म कर देने का विजयघोष रखा जा सकता है। सिर्फ पैट्रोल और डीज़ल की आकाश उछलती कीमतों की ओर न देखना। पहले तो क्रिकेट में ही खिलाडियों के शतक लगाने की घोषणाओं पर तालियां बजती थीं, अब तो ये पैट्रोल उत्पाद भी राज्य दर राज्य शतक लगाने लगे। उज्ज्वल योजना और गैस क्रांति की बात भी अभी भूल जाओ।

अगर कोई हमसे पूछने के लिए चला आये, यह किसकी जय-जय है, तो कह दो, तम्हारी भी जय-जय और हमारी भी जय-जय। न पूछना किसी से कि जब आपके थर्मल प्लांटों के पुर्जे चार माह पहले बिगड़ गये थे, तो उसकी मरम्मत की ओर तब ध्यान क्यों नहीं दिया गया? 'दिया है, दिया है, बन्धु। मरम्मत के लिए स्वीकृति फाईल पर हाजिर है। बस अभी उसे निपटाने की बारी नहीं आई थी, कि यह कम्बख्त मानसून धोखा दे गया। भला यह कह के आदाब हैं कि जब आपको बरसना हो, तब तो बरसे नहीं, और अब बेमौसम बरसात करके जलथल पैदा कर दो।' इससे वही बात हुई न, पिछली बार अपने चुनाव एजेंडे में हमारी अभागी धरती स्वर्ग लोक का वायदा किया था, फिर इसी स्थगित मानसून की तरह हमारी गलियों का रास्ता ही भूल गया।

कुछ अलग

मौत का दरवाजा

मौत का दरवाजा इस बार हमीरपुर-मंडी जिला की सीमा पर टीहरा मोड़ पर खुला और एक युवती की इहलीला समाप्त हो गई। परिवहन में व्यस्तता और यात्रा में व्यस्तता के जोखिम जिस तरह नजरअंदाज हो रहे हैं, उसी के परिणाम स्वरूप परिवहन निगम की चलती बस का दरवाजा खुलते ही परिवहन सुरक्षा के मानदंड बिखर जाते हैं। ऐसी घटनाएं सडक़ पर वाहनों की 'रेस', रूट्स पर टाइमटेबल की भिडंत, मानव जीवन में आ रहे परिवर्तन, स्थानीय यातायात की अस्तव्यस्तता, ट्रैफिक पुलिस की अक्षम परिपाटी और परिवहन नीति की अस्पष्टता के कारण बढ़ रही हैं, लेकिन इन्हें केवल कानूनी सीमा तक ही परखा जाता है। ये छोटे सफर की घातक सवारी क्यों बन रही हैं, इस पर विस्तृत विवेचना होनी चाहिए। आमतौर पर सडक़ दुर्घटनाओं में यातायात और जीवन की रफ्तार को प्रायः दोषी माना जाता है, लेकिन परिवहन को बदलते समय की मांग और दबाव में समझने के लिए व्यापक दृष्टि व समाधान खोजने होंगे। बेशक प्रदेश में ब्लाइंड स्पॉट चिन्हित करके सडक़ मार्गों की स्थिति सुधारी जा रही है, लेकिन ड्राइविंग की बदलती प्रवृत्तियों ने इनसान को सडक़ पर अनियंत्रित शिष्टाचार का शिकार बना दिया है। विडंबना यह है कि यात्री बसें व टैक्सियां भी जब प्रतिस्पर्धा पर उतर आती हैं, तो आधुनिक जीवन के व्यावहारिक हालात भी तहस-नहस होने के कगार पर पहुंच जाते हैं। ऐसे में ट्रांसपोर्ट को मानवीय परिवर्तनों के आधार पर सक्षम बनाना होगा। हिमाचल में परिवहन की एक ही परिपाटी शहर से गांव से गुजर रही है। यही परिपाटी अंतरराज्यीय सीमा में प्रवेश करती है, तो स्थानीय परिवहन को भी इसी बंदोबस्त में देखती है। सडक़ें चौड़ी हो रही हैं, लेकिन मुकम्मल नहीं। बसें सवारियां ढोते हुए सडक़ पर बिना किसी चयनित ठहराव के रुकती और चलती हैं। पूरे प्रदेश में चौराहों को विकसित करने की कोई सोच समझ नहीं और न ही कभी यह मंत्रणा हुई कि प्रमुख मार्गों और गांव-देहात तक बस ठहराव की अधोसंरचना को कैसे विकसित किया जाए। इतना ही नहीं इससे आगे इंटर सिटी बस सेवा या शहरी परिवहन के विकल्पों पर कोई विचार तक नहीं होता। आश्चर्य यह कि शिमला व धर्मशाला जैसे स्मार्ट शहरों ने भी अपने ट्रांसपोर्ट बजट को परिवहन निगम की जेब में डाल दिया। धर्मशाला स्मार्ट सिटी का पैसा बारह करोड़ की वर्कशाप और पंद्रह करोड़ की इलेक्ट्रिक बसों पर तो खर्च हो जाता है, लेकिन इससे शहरी परिवहन को उसका विकल्प दिखाई नहीं दे रहा, बल्कि एचआरटीसी अपनी क्षतिपूर्ति कर रही है। आश्चर्य यह कि सडक़ हादसों को पीडब्ल्यूडी, पुलिस निगरानी, परिवहन विभाग और प्रशासन केवल कानूनी शक्ल में देखकर आगे बढ़ जाते हैं, जबकि मानवीय व्यवहार व जीवन के बदलाव को समझते हुए कई स्तर का ट्रांसपोर्ट नेटवर्क स्थापित करना होगा। इसके लिए ट्रांसपोर्ट विभाग को सारे प्रदेश का खाका बनाना होगा। उदाहरण के लिए प्रदेश के सबसे बड़े औद्योगिक व शहरी क्षेत्र बीबीएन में परिवहन सेवाओं और सडक़ सुरक्षा के दृष्टिगत 'स्थानीय बस सेवा' के माध्यम से पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क सुदृढ़ करना होगा। शिमला के अलावा धर्मशाला में रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिए रज्जु मार्गों का जाल बुनना होगा।

नागरिक बोध

उतर भारत के लिए एकमात्र दैनिक ट्रेन की वजह से खड़े होकर सफर करने को मजबूर यात्री

उतर भारत जाने वाली ट्रेनों की कमी के कारण यात्रियों का सफर मुश्किल हो जाता है ।ताप्ती गंगा सूरत से यूपी,बिहार के लिए एकमात्र दैनिक ट्रेन है ।गिष्मवकाश की भीड़ पीक पर होने के बावजूद रेलवे इंतजाम नाकाफी है। सूरत प्लेटफॉर्म पर ट्रेन पहुंचने के पहले कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों के बीच घमासान होता देखा जा सकता है ।धक्का मुक्की डन्डे सहनकर भी सफर करना पड़ता है। शौचालय में बैठकर यात्री सफर करते है। ज्यादा भीड़ होंने और अफरातफरी मच जाने से पुलिस की थप्पड़ भी खाना पड़ता है। पुलिस डंडा भी चला देती है। सूरत से दैनिक ट्रेन का अभाव है। दिवाली और गिष्मवकाश में रेलवे विभाग को अतिरिक्त ट्रेन की व्यवस्था करनी चाहिए। इस बीच गर्मी में स्कूल की छुट्टीयो के कारण प्रवासियों को अपने गांव घूमने जाना होता है। दिवाली के बाद छठ पूजा पर भी सूरत से कोई अतिरिक्त ट्रेन नही लगाई जाती है। उतरप्रदेश,बिहार,झारखण्ड और उतराखण्ड के लाखों प्रवासियों का सूरत में दबदबा है। उनका सूरत की इंड्रस्टी में पूरा सहयोग है। लाखो उत्तरभारतीय समाज के लोग कपड़ा और डायमंड के व्यवसाय से जुड़े हुए है। उनकी कमी उधोग को भारी क्षति है। सालाना खरबो का राजस्व देने वाले सूरत के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। सूरत भागलपुर एक्सप्रेस ट्रेन में धक्का मुक्की और डंडे सहन कर सफर करने वाले यात्रियों पर सरकार को तरस नही आता है। हरबार आश्वासन के बाद और केंद्रीय रेलवे मंत्री का सूरत दौरा होने के बावजूद अतिरिक्त ट्रेनों की मांग को पूर्ण नही की जा रही है। सूरत भागलपुर, उधना दानापुर, उधना बनारस और अंत्योदय साप्ताहिक ट्रेन है। यात्री ट्रेन रवाना होने के तय समय मे बारह घन्टे पहले प्लेटफॉर्म पर पहुंच जाते है। सफर बड़ा मुश्किल भरा होता है। छोटे बच्चों को उस समय तकलीफ होती है जब ट्रेन में जगह नही मिलती है। देश मे हररोज हजारो ट्रेनों का आवागमन होता है। जिस राज्य और शहर में लाखों प्रवासी है उनके के लिए पर्याप्त ट्रेन की व्यवस्था नही होना बड़ी चिंताजनक बाबत है। गुजरात की अर्थिक राजधानी सूरत से आगामी वर्षो में मुम्बई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन चलाने के लिए तेजी से काम हो रहा है। दूसरी तरफ उत्तरभारतीय भेड़ बकरियों की तरह यात्रा करते है। फिर भी रेल विभाग अतिरिक्त ट्रेन मुहैया नही करवा रहे है। होली दीपावली और गर्मी की छुट्टियों के इस विशेष पर्व में उत्तरभारत के लिए अतिरिक्त ट्रेन की व्यवस्था करने की मांग हर समय उठाई जा रही है। लेकिन इस मुहिम को ठंडे बस्ते में डाल दी जाती है। पांचसौ से सातसौ की लंबी लाइन के बावजूद टिकट उपलब्ध हो जाती है तो ट्रेन में जगह नही मिलती है ।काफी भीड़ के कारण घण्टो तक यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा करनी पड़ती है। फिर कुछ उपलब्ध नही होने पर घरलौट जाते है। प्लेटफॉर्म पर पुलिस जवान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कभी कभी आपा खो देते है।

संसद और न्यायपालिका में ऊपर कौन, अब पाकिस्तान में भी उठी ये बहस

इस्लामाबाद ।
न्यायपालिका के हस्तक्षेप से खफा पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन ने अब यह दलील पेश की है कि पाकिस्तान की संवैधानिक व्यवस्था में सर्वोच्चता संसद की है। इसलिए संसद के लिए फैसलों को दी गई चुनौती पर कोर्ट चर्चा नहीं कर सकता। सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मोर्चा नेशनल असेंबली के स्पीकर रजा परवेज अशरफ ने संभाला है। उन्होंने कहा है कि वे इस बारे में चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल को एक पत्र लिखेंगे। चिट्ठी के जरिए उन्हें सांसदों की भावना से अवगत कराया जाएगा। इसके पहले नेशनल असेंबली में इस सवाल पर चर्चा हुई, जिसमें पीडीएम के सदस्यों ने संसद के सर्वोच्च होने की दलील दी। नेशनल असेंबली से पारित प्रस्ताव में कहा गया कि संसद के अधिकार की अनदेखी कोई व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकती। कानून बनाना संसद का काम है, जिसे उसको करने दिया जाना चाहिए। ये घटनाक्रम पंजाब और खैबर पख्तूनवा प्रांतों में प्रांतीय असेंबलियों के चुनाव की तारीख को लेकर सुप्रीम कोर्ट और सरकार के बीच चल रहे टकराव के बीच सामने आया है। विश्लेषकों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में इस मसले की अगली सुनवाई से एक दिन पहले नेशनल असेंबली में यह प्रस्ताव पारित करवा कर पीडीएम ने कोर्ट पर दबाव बनाने की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट ने ईद के त्योहार तक सुनवाई टालते हुए सरकार को निर्देश दिया था, वह 27 अप्रैल तक चुनाव की तारीख के मामले में विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के साथ बातचीत कर सहमति बना ले। लेकिन नेशनल असेंबली में सत्ताधारी गठबंधन के सदस्यों ने न्यायपालिका के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिए। उन्होंने विपक्ष के साथ बातचीत के चीफ जस्टिस के निर्देश को सिरे से ठुकरा देने की मांग की।

सत्ताधारी गठबंधन में शामिल एक प्रमुख दल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने सुप्रीम कोर्ट के स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एबीपी) को दिए निर्देश को 'सदमा पहुंचाने वाला' बताया। कोर्ट ने एसबीपी को निर्देश दिया था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया में दिवाली की आधिकारिक छुट्टी घोषित, सीनेटर ने ट्वीट कर दी जानकारी

पेंसिल्वेनिया । भारत में जब दिवाली होती है तो पूरी दुनिया इस त्योहार को मनाती है। पिछले साल तो राष्टपति जो बाइडन और उपराष्टपति कमला हैरिस ने भी खूब धूमधाम से दिवाली मनाई थी। वहीं अब इसकी लोकप्रियता को देखते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका पेंसिल्वेनिया ने हिंदू त्योहार दिवाली को राष्टीय अवकाश घोषित किया है। सीनेटर निकिल सावल ने इसकी जानकारी ट्वीट करके दी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि दीवाली को आधिकारिक अवकाश के रूप में मान्यता देने के लिए सीनेट ने सर्वसम्मति से मतदान किया। प्रकाश और जुड़ाव के इस त्योहार को मनाने वाले सभी पेंसिल्वेनियावासियों की तरफ से धन्यवाद, साथ ही कहा कि इस बिल को पेश करने में आपके साथ शामिल होने के अवसर के लिए धन्यवाद रोथमैन। साथ ही सीनेटर निकिल सावल ने कहा कि यह त्योहार आधिकारिक मान्यता का हकदार है, और मैं इसे पास करने के लिए सीनेटर रोथमैन के साथ जुड़कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के सीनेटर ग्रेग रोथमैन और सीनेटर निकिल सावल ने इस साल फरवरी में पेन्सिलवेनिया में दिवाली को आधिकारिक राजकीय अवकाश बनाने के लिए एक कानून पेश किया था। रिपोर्ट में बताया कि लगभग 200,000 दक्षिण एशियाई निवासी पेंसिल्वेनिया में रहते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में दीवाली मनाते हैं और उनकी सभाओं में भाग लेते हैं।

दुनिया के भविष्य के लिए बेहद अहम हैं भारत-अमेरिकी संबंध, अमेरिका के राजदूत का बड़ा बयान

वॉशिंगटन । भारत में नव-नियुक्त अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी का कहना है कि दुनिया के

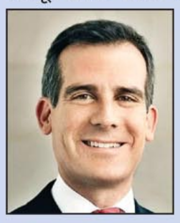

भविष्य के लिए भारत और अमेरिका के संबंध बेहद अहम हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहे हैं और इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। बता दें कि अमेरिकी संसद की इंडिया कॉकस सह-अध्यक्ष रो खन्ना और माइकल वाल्ट्ज ने यूएस इंडिया समिट का आयोजन किया था। इसी आयोजन में भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को संबोधित करते हुए एरिक गार्सेटी ने ये बातें कही। अपने संबोधन में एरिक गार्सेटी ने कहा कि दुनिया में ऐसे कुछ ही संबंध हैं, जो भारत और अमेरिका के लिए ज्यादा अहम हैं। हमारा संबंध दुनिया के भविष्य के लिए बेहद अहम है। जैसा कि राष्टपति जो बाइडन कहते हैं कि भारत और अमेरिका अपरिहार्य सहयोगी हैं। गार्सेटी ने कहा कि जब मैं भारत के लिए जा रहा था तो मेरी राष्टपति जो बाइडन से मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात में मैंने उनसे भारत अमेरिकी संबंधों को लेकर उनका विजन जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि यह समय बेहद नाजुक है और यह पूरी पृथ्वी के लिए बेहद नाजुक समय है साथ ही दोनों देशों के संबंधों के लिए भी अहम समय है। गार्सेटी ने कहा कि हम दुनिया के प्रमुख लोकतंत्र हैं। हम दुनिया की सबसे बड़ी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। हमें दोनों देशों के लोग आपस में जोड़ते हैं और हम साथ मिलकर 21वीं सदी को दिशा दे सकते हैं। बता दें कि एरिक गार्सेटी को भारत का राजदूत राष्टपति जो बाइडन ने जुलाई 2021 में नामांकित किया था। हालांकि लॉस एंजेलेस का मेयर रहते हुए उन पर अपनी एक सहयोगी के यौन उत्पीड़न का आरोप लगा, जिसके चलते उनके नाम को संसद से मंजूरी मिलने में करीब दो साल का समय लग गया।

भतीजी की शादी कराने के लिए भारतीय मूल के बुजुर्ग को छह महीने की जेल

सिंगापुर । सिंगापुर में 73 साल के एक भारतीय मूल के बुजुर्ग को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। दरअसल बुजुर्ग पर आरोप है कि उन्होंने अपने एक सहयोगी को इमीग्रेशन का फायदा देने के लिए अपनी भतीजी से उसकी शादी करा दी। दरअसल यह शादी फर्जी थी और सिर्फ सहयोगी को इमीग्रेशन का फायदा देने के लिए यह शादी की गई थी। अदालत में आरोप सिद्ध होने के बाद बुजुर्ग को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही जिनकी शादी हुई, उन्हें भी छह और सात महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। मामला साल 2016 का है। मीरान गनी नागूर पिचई ने अपने सहयोगी अब्दुल कादेर कासिम (55 वर्षीय) की शादी अपनी भतीजी और सिंगापुर की निवासी नूरजान अब्दुल करीम (58 वर्षीय) से करा दी। अब्दुल कादेर कासिम एक भारतीय नागरिक है। अब्दुल कादेर कासिम ने 2016 में एक शॉर्ट टर्म वीजा पर सिंगापुर का दौरा किया था। अब्दुल का वीजा जल्द ही खत्म होने वाला था लेकिन वह वीजा की अवधि बढ़ावाना चाहता था और उसे इस काम के लिए एक स्थानीय स्पॉन्सर की जरूरत थी। नियमों के अनुसार, अगर कोई स्थानीय व्यक्ति वीजाधारक को स्पॉन्सर करता है तो उसका वीजा सिंगापुर आने की तारीख से 89 दिनों तक और बढ़ाया जा सकता है।

अमेरिका परमाणु पनडुब्बी साउथ कोरिया भेजेगा

बाइडेन बोले- तानाशाह ने एटमी हमला किया तो ये नॉर्थ कोरिया में उसकी सत्ता का अंत होगा

वॉशिंगटन।
अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि अगर नॉर्थ कोरिया ने परमाणु हमला किया तो ये वहां की सत्ता के अंत का कारण बनेगा। दरअसल, साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल स्टेट विजिट के लिए अमेरिका पहुंचे थे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन से मुलाकात की। इस मौके पर बाइडेन ने कहा कि नॉर्थ कोरिया के खिलाफ किसी भी संघर्ष में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से जुड़ी प्लानिंग में साउथ कोरिया को शामिल किया जाएगा। इस दौरान अमेरिका और साउथ कोरिया ने न्यूक्लियर हथियारों से जुड़े एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर भी किए। इसके तहत अमेरिका अपनी न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन साउथ कोरिया भेजेगा। हालांकि, अमेरिका के कोई भी परमाणु हथियार सियोल में तैनात नहीं किए जाएंगे। दूसरी तरफ, समझौते के तहत साउथ कोरिया खुद के परमाणु हथियार नहीं बनाएगा।

अमेरिका-साउथ कोरिया के बीच वॉशिंगटन डेक्लेरेशन समझौता - बाइडेन ने साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यिओल के लिए स्टेट डिनर होस्ट किया। अमेरिका-साउथ कोरिया के बीच हुए समझौते को वॉशिंगटन डेक्लेरेशन नाम दिया गया है। इस पर हस्ताक्षर के बाद बाइडेन और यून ने रोज गार्डन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। बाइडेन ने कहा- ये समझौता नॉर्थ कोरिया के आक्रामक रवैये के खिलाफ अहम कदम है। हम नॉर्थ कोरिया से आने वाले हर खतरे के खिलाफ अपने सहयोगियों के साथ मिलकर जवाब देंगे। नए समझौते के तहत अमेरिका और

साउथ कोरिया मिलकर एक न्यूक्लियर कंसल्टिव ग्रुप बनाएंगे। इसके जरिए नॉर्थ कोरिया के खिलाफ मिलिट्री एक्शन या परमाणु हथियार इस्तेमाल करने से पहले चर्चा की जाएगी। हालांकि, समझौते में इस बात का जिक्र नहीं है कि अगर नॉर्थ कोरिया हमला करता है तो साउथ कोरिया की रक्षा के लिए अमेरिका परमाणु हथियार जरूर लॉन्च करेगा। न्यूक्लियर वेपन के इस्तेमाल से जुड़ा आखिरी फैसला अमेरिका के राष्ट्रपति का ही होगा।

परमाणु हथियार नहीं बनाएगा साउथ कोरिया - इसके बदले में अमेरिका ने समझौते के जरिए शर्त रखी है कि साउथ कोरिया अपने परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। वो एक गैर-परमाणु राज्य और परमाणु हथियारों के अप्रसार का समर्थक ही रहेगा। अमेरिका का मानना है कि साउथ कोरिया का गैर-परमाणु देश रहना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं होगा तो दूसरे देश भी उसके नक्शेकदम पर चलते हुए अपने परमाणु हथियार बनाने में जुट जाएंगे।

नॉर्थ कोरिया को परमाणु हथियार छोड़ने के लिए मना रहा अमेरिका - अमेरिका पहले ही एक ट्रीटी के तहत साउथ कोरिया की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। रूस की तरफ से कई बार कहा जा चुका है कि वो जरूरत पड़ने पर न्यूक्लियर हथियार के इस्तेमाल से पीछे नहीं हटेगा। यून सुक यिओल के साथ मुलाकात के बाद बाइडेन ने दोबारा कहा- अमेरिका नॉर्थ कोरिया को फिर से समझौते के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहा है। हमें उम्मीद है कि किम जोंग अपने परमाणु हथियार छोड़ देगा। हालांकि, पिछले साल तानाशाह ने घोषणा की थी कि वो परमाणु हथियार बनाना जारी रखेंगा।

लगातार मिलिट्री ड्रिल्स कर रहे अमेरिका-साउथ कोरिया - नॉर्थ कोरिया की तरफ से आ रहे परमाणु धमकियों के बीच अमेरिका और साउथ कोरिया लगातार मिलिट्री ड्रिल्स कर रहे हैं। पिछले हफ्ते उन्होंने 12 दिन की एरियल एक्सरसाइज लॉन्च की थी। इसमें 110 वॉरप्लेन शामिल हुए थे। पिछले एक महीने से जारी मिलिट्री ड्रिल को 5 साल की सबसे बड़ी ड्रिल बताया गया था। इस ड्रिल को फ्रीडम शील्ड नाम दिया गया था। दोनों देशों ने साल 2018 में नॉर्थ कोरिया से शांति वार्ता शुरू करने के दौरान इस तरह की ड्रिल्स को बंद कर दिया था।

परमाणु हथियार छोटे फिर भी अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम - नॉर्थ कोरिया की तरफ से लगातार मिसाइल टेस्टिंग और बयानबाजी को देखते हुए अमेरिका और साउथ कोरिया में परमाणु खतरे को लेकर चिंता बढ़ गई है। नॉर्थ कोरिया ने लगातार ऐसे टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन बनाने का दावा किया है जो साउथ कोरिया पर हमला करने में सक्षम हैं। साथ ही तानाशाह किम ने ये भी कहा था कि उसने ऐसे लंबी दूरी के हथियार भी बनाए हैं जो जरूरत पड़ने पर अमेरिका तक पहुंच सकें।

नॉर्थ कोरिया ने सॉलिड फ्यूल वाली इंटर कॉन्टिनेंटल मिसाइल बनाई - नॉर्थ कोरिया ने हाल ही में पहली सॉलिड फ्यूल वाली इंटर कॉन्टिनेंटल मिसाइल के सफल परीक्षण किया था। नॉर्थ कोरिया ने अपनी अब तक की सबसे पावर फुल मिसाइल को हवासोंग-18 नाम दिया है। टेस्टिंग के दौरान इसने 1000 किलोमीटर तक की उड़ान भरी। मिसाइल में लिक्विड यानी तरल ईंधन की बजाय सॉलिड फ्यूल का इस्तेमाल किया गया था।

चीन-यूक्रेन के प्रेसिडेंट्स की बातचीत

शी जिनपिंग ने जेलेंस्की को फोन किया, रूस-यूक्रेन जंग पर लंबी चर्चा हुई

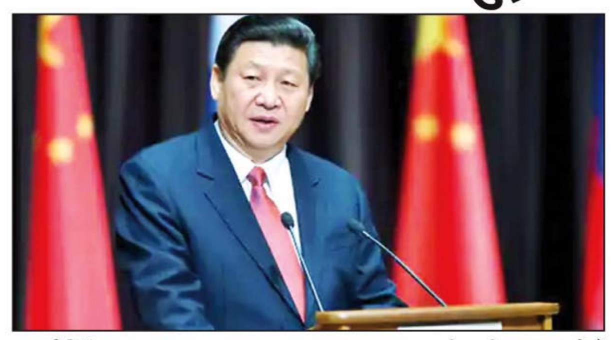

बीजिंग।
चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की। बातचीत के दौरान फोकस रूस-यूक्रेन जंग पर ही रहा। पिछले महीने जिनपिंग रूस दौरे पर गए थे। वहां उन्होंने व्लादिमिर पुतिन से लंबी बातचीत की थी। हाल ही में रूस ने सऊदी अरब और ईरान के डिप्लोमैटिक रिलेशन बहाल कराए हैं। चीन का फोकस अब मध्यस्थता के जरिए दुनिया के बड़े विवाद सुलझाने पर है। वो इजराइल और फिलिस्तीन के मसले पर भी फोकस कर रहा है।

जेलेंस्की खुश

रिपोर्ट के मुताबिक- जिनपिंग ने जेलेंस्की से बातचीत की। बाद में चीन के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि भी कर दी। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले साल 24 फरवरी को जंग शुरू हुई थी। इसके बाद यह पहला मौका है जब जिनपिंग ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से बात की हो। बातचीत के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा- चीन के प्रेसिडेंट से काफी लंबी और अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। हमने रूस के हमले और यूक्रेन के हालात पर बातचीत की। हम चाहते हैं कि चीन के साथ अच्छे रिश्ते हों। जेलेंस्की ने आगे कहा- जिनपिंग से आज की बातचीत और चीन में यूक्रेन के एम्बेसेडर का अपॉइंटमेंट अहम मुद्दे हैं, जो ये बताते हैं कि हम दोनों ही देश साथ चलना चाहते हैं।

रूस के समर्थन में है चीन

जंग शुरू होने के बाद से ही चीन ने हर मोर्चे पर रूस का साथ दिया है, हालांकि वो दावा ये करता है कि इस मामले में उसका स्टैंड न्यूट्रल है। वेस्टर्न मीडिया का दावा है कि रूस खुद तो ताकतवर है ही, ऊपर से उसे चीन का साथ मिलता है। यही वजह है कि रूस अब तक जंग जारी रख पाया है। हालांकि, चीन चाहे तो रूस पर दबाव डालकर जंग रुकवा भी सकता है। खास बात यह है कि चीन के अफसर कभी इस बात का जवाब नहीं देते कि क्या जिनपिंग जंग रुकवाने के लिए जेलेंस्की से भी बातचीत करेंगे। हालांकि, वो पुतिन से लगातार बातचीत करते रहते हैं। जेलेंस्की और पुतिन की बातचीत से तय हो गया कि चीन अब ग्लोबल इमेज सुधारने के लिए काम कर रहा है। जिनपिंग ने 20 मार्च को रूस का दौरा किया था।

अमेरिकी कपल ने बच्चों के शरीर पर जबरदस्ती टैटू बनाए: रस्सी से बांधा, करतूत छिपाने के लिए मांस निकाल दिया

वॉशिंगटन।
अमेरिका के टेक्सास में एक कपल ने अपने बच्चों के शरीर पर जबरदस्ती टैटू बनवा दिए। इसके बाद पुलिस से बचने के लिए उन्होंने टैटू मिटाने की कोशिश की। इसके लिए कपल ने बच्चों की स्किन ही काट दी। पूरे मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने कपल को गिरफ्तार कर लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, कपल ने पहले तो अपने 5 साल और 9 साल के बच्चों को रस्सी से बांध दिया, जिससे वो भाग न पाएं। इसके बाद उनके मुंह पर टेप लगा दिया और आंखों पर भी पट्टी बांध दी। फिर टैटू बना दिया। इसकी जानकारी चाइल्ड प्रोटेक्टिव सर्विस को लग गई। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए कपल ने टैटू मिटाने के लिए बच्चों की स्किन पर नीबू रगड़ दिया, जब स्किन छिलने लगी तो इसे काट दिया। 27 साल की मां मेगन और बच्चों के स्टेप-फादर 23 साल के गनर फर्र को पुलिस ने 25 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अब मामले की जानकारी दी है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा- कपल ने 5 साल के बच्चे के पैर और 9 साल के बच्चे के

शोल्डर पर टैटू बनाए थे। बच्चों के शोषण के आरोप में सीपीएस मामले की जांच करने लगा। इस दौरान हमें बच्चों के पैर और शोल्डर पर घाव दिखाई दिए। टैटू वाली जगह से मांस निकाला गया था। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बच्चों के बयोलॉजिकल पिता जब उनकी स्टेप-मदर के साथ उनसे मिलने पहुंचे तो उन्हें इंक के कुछ निशान दिखे। पिता ने बच्चों की मां मेगन से इस बारे में पूछा, उसने जवाब न देते हुए बात टाल दी। पिता को शक हुआ तो उन्होंने चाइल्ड प्रोटेक्टिव सर्विस को फोन कर दिया।

अगले 33 साल में दस करोड़ से भी कम रह जाएगी जापान की आबादी

टोक्यो ।
जापान की आबादी साल 2056 तक घट कर दस करोड़ से नीचे आ जाएगी। अगर प्रति महिला शिशु जन्म दर आज के स्तर पर ही बनी रही, तो साल 2059 तक देश में हर साल जन्म लेने वाले शिशुओं की संख्या पांच लाख से भी कम रहने लगेगी। ये अनुमान टोक्यो स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन एंड सोशल सिक्युरिटी रिसर्च ने लगाए हैं। इस संस्था ने चेतावनी दी है कि अगर जापान में उत्पादकता नहीं बढ़ी, तो घटती आबादी को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि जापान आर्थिक रूप से एक कमजोर देश बन जाएगा। उसने कहा है कि जापान को या तो आबादी बढ़ाने या फिर उत्पादकता बढ़ा कर आर्थिक वृद्धि की दर बरकरार रखने के लिए तुरंत कदम उठाने होंगे। जापान में जनसंख्या संबंधी अनुमान में हर पांच साल पर संशोधन किए जाते हैं। ये संशोधन जनगणना से सामने आए आंकड़ों के आधार पर किए जाते हैं। ताजा अनुमान छह साल बाद घोषित हुए हैं। कोरोना महामारी के कारण जनगणना देर से हो सकी, इसलिए समय पर जनसंख्या संबंधी अनुमान सामने नहीं आ सके।

पिछला अनुमान 2017 में जारी हुआ था। तब कहा गया था कि जापान की आबादी साल 2053 तक घट कर दस करोड़ से कम रह जाएगी। अब इसे दो साल आगे खिसकाया गया है, क्योंकि गुजरे पांच वर्षों में बड़ी संख्या में दूसरे देशों से लोग आकर जापान में बसे हैं। 2016 से 2019 तक जापान में औसतन हर साल 70 हजार लोग आकर बसते थे, लेकिन अब यहां आंकड़ा एक लाख 60 हजार तक पहुंच जाने का अनुमान है। ताजा अनुमान कहा गया है कि अगर सिर्फ जापानी मूल के लोगों की संख्या पर गौर किया जाए, तो यह साल 2048 तक ही दस करोड़ से नीचे आ जाएगी। 2017 में ऐसा 2049 में होने का अनुमान लगाया गया था। ताजा अनुमान यह है कि जापान की आबादी में विदेशी मूल के लोगों की संख्या आगे बढ़ती जाएगी। इसके बावजूद साल 2070 तक जापान की कुल आबादी आठ करोड़ 70 लाख रहेगी, जबकि यह 12 करोड़ 60 लाख है। छह साल पहले जारी अनुमान में बताया गया था कि जापान में प्रति महिला शिशु जन्म दर 1.44 है। ताजा अनुमान में इसे घटा कर 1.36 कर दिया गया है। अगर यही जन्म दर बनी रही, तो साल 2059 में जापान में सिर्फ चार लाख 96 हजार शिशुओं का जन्म होगा। 2022 में देश में आठ लाख से कुछ कम बच्चों का जन्म हुआ था। जन्म दर गिरने के साथ जापानी समाज में बुजुर्गों का अनुपात बढ़ेगा। 2050 तक कुल आबादी में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की संख्या 10 फीसदी से भी कम रह जाएगी। उधर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 38.7 फीसदी हो जाएगी। 2020 में यह संख्या 28.6 फीसदी थी। तब तक ऐसी स्थिति बन जाएगी कि कमाने की उम्र वाले लोगों से अधिक संख्या सामाजिक सुरक्षा पर निर्भर लोगों की हो जाएगी।

पीएम मोदी के दौरे से पहले ही भारत के साथ यह रक्षा समझौता पूरा करने की तैयारी में अमेरिका

वॉशिंगटन ।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस साल के मध्य में होने वाले अमेरिका दौरे से पहले ही बाइडन प्रशासन भारत के साथ एक बड़े रक्षा समझौते को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है। इस बात का खुलासा अमेरिका में भारतीय मूल के डेमोक्रेट सांसद की तरफ से ही किया गया है। खन्ना के मुताबिक, फाइटर जेट के लिए बनने वाले इंजन की डील पर अमेरिका की ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है और पीएम मोदी के दौरे से पहले ही इस पर अंतिम फैसला हो सकता है। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउज ऑफ रिप्रेंजेटेटिव्स के सदस्य खन्ना ने कहा कि भारत को पता है कि सोवियतकाल के सैन्य उपकरण अब ठीक से काम नहीं करते और रूस भी अब धीरे-धीरे चीन की तरफ झुक रहा है। साथ ही भारत भी अब खुले तौर पर अमेरिका के साथ मजबूत रिश्ता बनाने का इच्छुक है।

उन्होंने कहा, अमेरिकी सरकार की प्राथमिकता है कि यह समझौता

जल्द से जल्द हो जाए, उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे से पहले। हम इस पर ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम यह भी सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि पीएम मोदी अमेरिकी संसद के साथ बातचीत करें। दोनों सदनों के उपसभापति स्पीकर से उन्हें न्योता देने का अनुरोध करेंगे।

भारत की ऊर्जा जरूरतों पर भी सोचना जरूरी

भारतीय मूल के सांसद ने कहा कि हमें रक्षा क्षेत्र में मजबूत होना होगा और यह बेहद अहम समय है। जेट इंजन्स रक्षा लिहाज से बेहद जरूरी हैं। खन्ना ने भारत की ऊर्जा और ईंधन जरूरतों को पूरा करने पर भी जोर दिया और कहा कि हमें विकास के लिए एक वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत ढूंढना होगा। हमें खुशी है कि भारत ने यूक्रेन में पुतिन के आक्रमण की निंदा की है। भारत और रूस के बीच के रिश्ते अमेरिका के लिए चिंता का विषय नहीं होने चाहिए, क्योंकि हमारी साझेदारी आने वाले दशकों तक चलने वाली है।

भारत के लिए क्यों अहम है जेट इंजन पर समझौता

गौरतलब है कि भारत के पास अभी अधिकतर फाइटर जेट्स रूसी मूल के हैं। भारत ने अब तक अपने लड़ाकू विमानों के लिए उपकरण भी रूस से ही खरीदे हैं। हालांकि, मोदी सरकार अपनी रक्षा खरीद को लगातार विविधता देने की कोशिश कर रही है। इसी सिलसिले में भारत की तरफ से अपने लड़ाकू विमानों के लिए अमेरिकी जेट इंजन्स लेने पर बात चल रही है। माना जा रहा है कि चीन की बढ़ती चुनौती से निपटने और भारत की रूसी हथियारों पर निर्भरता को कम करने के लिए यह बड़ा कदम साबित हो सकता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने की थी समझौते पर बात

इसी साल की शुरुआत में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल अमेरिका दौरे पर गए थे। यहां दोनों देशों के बीच जेट इंजन डील को लेकर बातचीत हुई थी। खबर आई थी कि दोनों देश जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी (जीई) के इंजनों का संयुक्त उत्पादन कर सकते हैं। क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी समझौते के तहत ये अहम तकनीक भारत को मिल सकती है।

भारत के लिए कितने अहम होंगे ये इंजन

बाइडन प्रशासन जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है और जल्द ही भारतीय लड़ाकू विमानों में इन इंजनों को इस्तेमाल करने की मंजूरी दे सकता है। हालांकि अभी तक यह तय नहीं है कि इसकी मंजूरी कब तक मिल सकेगी।

बता दें कि अगर अमेरिकी सरकार जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के प्रस्ताव को मंजूर कर लेती है तो यह भारत की रूस के हथियारों पर निर्भरता कम करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम होगा। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से ही अमेरिका कूटनीतिक तौर पर रूस को अलग-थलग करने में जुटा है। फिलहाल भारतीय लड़ाकू विमान, रूस, यूरोप और भारत की खुद की मिश्रित तकनीक से बनाए जाते हैं।

आगे भी जारी रह सकता है यह सहयोग

लड़ाकू विमानों के इंजन के संयुक्त उत्पादन के साथ ही अमेरिका भारत के साथ आर्टिलरी सिस्टम, आर्मर्ड इंफेंट्री व्हीकल, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के साथ ही मेरीटाइम सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग कर सकता है।

राहत के नाम पर झुनझुना थमा रही गहलोत सरकार : केंद्रीय मंत्री शेखावत

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राहत शिविरों के नाम पर गहलोत सरकार ने गरीब आदमी को लाइनों में खड़ा कर दिया है, जबकि इन शिविरों में राहत के नाम पर मात्र पंजीयन का झुनझुना थमाया जा रहा है। राज्य सरकार पेट्रोल-डीजल के कर में अपने हिस्से की छूट देने के बजाय उसी कर की राशि से राहत देने का नाटक कर रही है। शेखावत ने गहलोत सरकार पर केंद्र सरकार की योजनाओं को ही नाम बदल कर चलाने का आरोप लगाया। गुरुवार को चित्तौड़गढ़ में जन आक्रोश महाघेराव कार्यक्रम के तहत आयोजित सभा में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि महंगाई राहत शिविरों के नाम पर गहलोत सरकार ने नया शिगूफा छोड़ने का काम किया है। भीषण गर्मी में लोगों को शिविर में रजिस्ट्रेशन के लिए बाध्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार करोड़ लोगों को घर दिया। चार करोड़ को बिजली मिली। नौ करोड़ घरों को उज्जवला योजना के तहत गैस का चूल्हा मिला। राजस्थान

में 77 लाख लोगों को उज्जवला योजना के तहत गैस का चूल्हा मिला। देश में 12 करोड़ घरों तक पीने का पानी पहुंचा। देशभर में 45 करोड़ बैंक खाते खुले। 11 करोड़ शौचालय बने। किसानों को छह हजार रुपए का मानदेय दिया जा रहा है। गरीबों को नि:शुल्क गेहूं दिए जा रहे हैं, लेकिन इनमें से किसी को भी पंजीयन के नाम पर लाइनों में नहीं लगाया गया। गहलोत सरकार शिविरों में जबरन बुलाकर गरीब लोगों कों लाइन में खड़ा कर परेशान करने का काम कर रही है। शेखावत ने सवाल किया कि जब केंद्र की योजनाओं का आंकड़ा राज्य सरकार के पास है। योजनाओं में लाभार्थियों की सूची और बैंक खाता आपके पास पहले से ही मौजूद है तो राहत शिविर में रजिस्ट्रेशन की क्या जरूरत थी ? एक बटन दबाकर भी यह कार्य किया जा सकता था। शेखावत ने राज्य सरकार की राहत देने की घोषणाओं को महज छलावा बताते हुए समझाया कि किसान को दो हजार यूनिट फ्री देनी है। उन सारे किसानों को पहले सब्सिडी मिलती थी। उसे सरकार ने बंद कर दिया। अब उसी पैसे से दो हजार यूनिट की मुक्त बिजली देने की घोषणा कर रही है, यानी हमारे ही पैसे हमें दिए जा रहे हैं तो इसके लिए लाइन लगाने कर पंजीयन करवाने की जरूरत क्या थी ? आम उपभोक्ता को 100 यूनिट तक फ्री करने का वादा करने प्रति यूनिट 45 पैसे बढ़ा दिए। गैस सिलेंडर पर मोदी सरकार उज्ज्वला योजना के तहत पहले से ही सब्सिडी दे रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान में डीजल-पेट्रोल सबसे ज्यादा महंगा है। पड़ोसी राज्यों की तुलना में डीजल आठ और पेट्रोल दस रुपए ज्यादा महंगा है। उस पैसे को चुराने का काम राज्य की सरकार करती है। यह राशि करीब 470 करोड़ प्रति माह होती है। इस प्रकार हर साल 5640 करोड़ रुपए राज्य सरकार आपकी जेब से निकाल लेती है। 22,560 करोड़ रुपए चार साल में होते हैं। पेट्रोल- डीजल में ज्यादा राशि लेकर पहले तो महंगाई बढ़ाई और उसी पैसे से आपको महगांई में राहत देने का नाम कर रहे हैं। 22 हजार करोड़ रुपए लेकर सौ करोड़ राहत के नाम पर वापस देगी सरकार। इस भुलावे में आपको नहीं आना है। शेखावत ने आरोप लगाया कि यह सरकार राजस्थान को खोखला करने वाली सरकार है। राजस्थान पर छह लाख करोड़ का कर्जा है। राजस्थान सरकार की आय सौ रुपए है तो एक सौ आठ रुपए खर्चा है। इस सरकार की आय वेतन, पेंशन और कर्ज चुकाने में ही खर्च हो जाती है। जो कुछ भी आपको विकास कार्य दिखाई देते हैं, वह केंद्र सरकार के पैसों से हो रहा है। शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार भारत सरकार की योजनाओ का नाम बदल कर अपना काम चला रही है। उज्ज्वला योजना को नाम बदलकर इंदिरा गांधी नि:शुल्क गैस सिलेंडर योजना कर दिया।

मन की बात में राजस्थान के शौर्य बलिदान, विरासत की तारीफ

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 अक्तूबर 2014 से *मन की बात* कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं, स्कूली बच्चों, नवाचार करने वाले युवाओं, नागरिकों को राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों और अपने विचारों से जोड़ रहे हैं। नागरिकों के साथ सीधे जुड़ाव और मार्गदर्शन का यह अद्‌भुत उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सम्बोधन में राजस्थान की माटी, सांस्कृतिक विरासत, शौर्य और बलिदान की गाथा को तहेदिल से उजागर करते हुए इसकी तारीफ की है। *मन की बात* में राजस्थान के दूर-दराज के लोगों द्वारा किए गए कामों की तरजीह देते हुए प्रधानमंत्री ने पूरे देश का ध्यान आकृष्ट किया है। मन की बात के अब तक के 99 संस्करणों में प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार राजस्थान का जिक्र ही नहीं किया बल्कि सीकर की कच्ची बस्तियों की गरीब बेटियों की आत्मनिर्भरता, पुलवामा हमले में शहीद हुए कोटा जिले के हेमराज मीणा, सौर ऊर्जा में नवाचार करने वाले कमल मीणा, उदयपुर के बेदला गांव में बरसों पुरानी बावड़ी के जीर्णोद्धार करने के कार्यों की तारीफ की है। संभवत: यह पहली बार है जब रेडियो के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के जज्बे को पूरे देश में पहुंचाया गया है। राजस्थान के प्रति उनके लगाव के ही रूप में इसे वर्णित किया जाना चाहिए। आइए, बात करते हैं-मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत से ही। 03 अक्तूबर 2014 को इस कार्यक्रम की शुरुआत होने के एक माह में ही प्रधानमंत्री मोदी ने 02 नवंबर 2014 को अजमेर के अभिषेक पारीक, 27 जनवरी 2015 को चौथी कड़ी में जेएनयू में पढ़ने वाले ओमप्रकाश, 20 सितंबर 2015 को 12वीं कड़ी में अलवर के पवन आचार्य का जिक्र किया और उनके हौसलों की तारीफ की। 31 जनवरी 2016 को 16वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने दौसा की गीता महावर और कोमल महावर के खादी उत्पादन में योगदान को रेखांकित किया। गीता व कोमल दौसा खादी समिति की वर्कर थीं और इनकी कई पीढ़ियां कातिन का काम करती आ रही थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दौसा की गीता देवी, कोमल देवी ने पत्र लिखकर उन्हें बताया है कि सौर ऊर्जा से चलने वाले चरखे के कारण उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। इससे उनकी आय दोगुनी हुई है और मेहनत भी कम हुई है। प्रधानमंत्री ने सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर की जा रही वन्य जीवों एवं जंगल की चित्रकारी का जिक्र किया और यहां के कलाकारों की तारीफ करते हुए इसे स्वच्छ एवं सुंदर भारत के लिए किए जा रहे प्रयासों में एक कारगर पहल बताया। मोदी ने 22 मई 2016 को 20वें एपिसोड में जोधपुर के संतोष गिरी गोस्वामी की प्रतिभा को सराहा। संतोष ने पीएमओ एप पर बताया था कि उन्होंने 18 साल पहले बालेसर से 40 प्रतिशत से दसवीं और 48 प्रतिशत से बारहवीं पास की। उनका परिवार बहुत चिंतित रहता था कि उनका आगे क्या होगा। उन्होंने बताया कि वे 8 साल से एक होटल में मैनेजर हैं और आराम का जीवन जी रहे हैं। संतोष की इस उपलब्धि को मोदी ने सराहा। इसी तरह 27 मई 2018 को 44वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने सीकर की कच्ची बस्तियों की गरीब बेटियों की आत्मनिर्भरता को सराहा था।

चार धाम की यात्रा शुरू होते ही सक्रिय हुए साइबर ठग

फरीदाबाद (हिंस)। चार धाम की यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालु यात्रा की तैयारी में जुट गए है, ऐसे में साइबर ठग भी श्रद्धालुओं को ठगने के लिए सक्रिय हो गए है। इसी कड़ी में डीसीपी मुख्यालय हेमेन्द्र कुमार मीना ने गुरुवार को कहा कि चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु/ तीर्थयात्री किसी भी प्रकार की सर्विस लेने के लिय ऑनलाइन बुकिंग/रजिस्ट्रेशन करते समय सावधान रहें सचेत रहें। उन्होंने बताया कि यात्रा 22 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। साइबर फ्रॉड से बचने के लिए आपकी सतर्कता और जागरूक होना ही बचाव है। साइबर ठगों ने पिछले यात्रा में देशभर से केदारनाथ आने वाले कई श्रध्दालु/यात्रियों को ठगी के जाल में फंसाया था। श्रद्धालु केदारनाथ के लिए अधिकृत वेबसाइट पर हेलीकॉप्टर बुकिंग फुल होने पर ऐसे में लोग किसी तरह हेली टिकट पाना चाहते हैं। इसके लिए गूगल पर दूसरे विकल्प सर्च किए जाते हैं। जिनमें गूगल पर सर्च करने पर कुछ फर्जी वेबसाइटो सामने आती है, जिसके कारण ऑनलाइन ठग अलग -2 तरीके अपनाकर लोगों को बेवकूफ बनाकर उनके साथ ऑनलाइन फ्रॉड करते है।

सर्व महिला संस्कृति रक्षा मंच ने किया समलैंगिक विवाह को विधि-मान्यता देने का पुरजोर विरोध

अजमेर (हिंस)। सर्व महिला संस्कृति रक्षा मंच के तत्वावधान में गुरुवार को अजमेर जिला कलक्टर को ज्ञापन देकर समलैंगिक विवाह को विधि मान्यता देने के प्रयासों का पुरजोर विरोध किया गया। इस दौरान अनेक महिलाएं रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंची ताकि सरकार व सर्वोच्च न्यायालय तक उनकी बात पहुंच सके। संयोजिका अंजू ने मीडिया से कहा कि हम समलैंगिक व्यक्तियों के विवाह का विरोध करते हैं। यह बहुत ही गंभीर विषय है इसे हलके से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न धर्मों जातियों उप जातियों का देश है इसमें शताब्दियों से केवल जैविक पुरुष एवं जैविक महिला के मध्य विवाह को मान्यता दी है। सभी धर्मों में केवल विपरीत लिंग के दो व्यक्तियों के विवाह का उल्लेख है। विवाह को दो अलग लैंगिकों के पवित्र मिलन के रूप में मान्यता देते हुए भारत का समाज विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि विवाह एक सामाजिक कानूनी संस्था है जिसे भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के अंतर्गत सक्षम विधायिका द्वारा अपनी शक्तियों का प्रयोग कर बनाया है। उसे कानूनी रूप से मान्यता प्रदान की और विनियमित किया गया किसी भी न्यायालयीन व्याख्या से विधायिका द्वारा दिए गए विवाह संस्था के मूर्त रूप को नष्ट नहीं किया जाना चाहिए। समलैंगिक विवाह भारतीय मूल्यों में प्रकृति के विरुद्ध है। विवाह का मूल उद्देश्य हमारे शास्त्रों में मानव जाति की उन्नति व वृद्धि है। समलैंगिक विवाह को मान्यता देने का अर्थ समाज में अप्राकृतिक एवं अनैतिक जीवन पद्धति को मान्यता देना होगा। पाश्चात्य देशों के मानदंडों को भारतीय परिप्रेक्ष्य में लागू नहीं किया जा सकता। ऐसा कोई भी कृत्य जो सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करता हो उसे किसी भी प्रकार से भारत में मान्य नहीं किया जा सकता।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 मई को भीलवाड़ा में

जयपुर (हिंस)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष अजय शर्मा ने जिला मुख्यालय के सभी अपर न्यायिक अधिकारियों के साथ गुरुवार को एक बैठक की। बैठक में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देश के क्रम में भीलवाडा में 13 मई को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए तैयारियों की समीक्षा की गई। प्राधिकरण के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला एवं सेशन न्यायाधीश अजय शर्मा ने न्यायिक अधिकारियों को न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को वरियता के आधार पर निस्तारित करने और योजनाबद्ध तरीके से प्रकरणों में प्रत्येक तारीख पेशी पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। न्यायिक अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा राजीनामा योग्य मामलों को चिन्हित करने एवं उनमें प्री-काउसंलिंग के माध्यम से एवं अधिवक्तागण एवं पक्षकारों में राजीनामे के प्रयास के निर्देश दिए।

सूडान में फंसे 60 राजस्थानी दस सुरक्षित घर लौटे

जयपुर (हिंस)। सूडान में आंतरिक संकट को देखते हुए वहां फंसे राजस्थान के लोगों के सुरक्षित भारत पहुंचने पर राजस्थान में उनके गंतव्य स्थानों तक तुरंत पहुंचाने की सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। अभी तक 60 राजस्थानी लोगों के सूडान में फंसे होने की सूचना है, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से वापस लाया जाएगा। बुधवार को राजस्थान के 10 लोगों के दो विमानों से सुरक्षित स्वदेश लौटने की सूचना मिली है। राज्य की एडिशनल चीफ सेक्रेटरी व चीफ रेजिडेंट कमिश्नर शुभ्रा सिंह द्वारा दिए गए निर्देशानुसार इस कार्य को सुनियोजित ढंग से संपादित किया जा रहा है। राजस्थान फाउंडेशन के आवासीय आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने बताया कि विमान गुरुवार को सूडान से मुंबई पहुंचेगा। सी17 विमान मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड होगा, जिसमें राजस्थान के लोगों के पहुंचने पर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाया जाएगा।

मध्यप्रदेश के सुशासन मॉडल को देखने पहुंचे पंजाब के भाजयुमो नेता

चंडीगढ़ (हिंस)। मध्य प्रदेश में शिवराज के सुशासन मॉडल को देखने के लिए नौ राज्यों के भारतीय जनता युवा मोर्चा के युवा नेता मध्य प्रदेश के दौरे पर हैं। इस सुशासन मॉडल से परिचय के लिए पंजाब से भाजपा जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इंजि. कंवरवीर सिंह टोहड़ा ने बठिंडा देहाती के युवा मोर्चा प्रभारी कर्मबीर तथा रोपड़ के जिलाध्यक्ष अमन कबरवाल को भेजा है, जिन्होंने इंदौर, उज्जैन व भोपाल का दौरा किया। भाजयुमो के दोनों नेताओं ने इंदौर के स्वच्छता मॉडल, उज्जैन के महाकाल लोक और मध्य प्रदेश के गुड गर्वनेंस से जुड़ी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की तथा पंजाब लौट कर इस बारे में पंजाब अध्यक्ष कंवरवीर सिंह टोहड़ा को विस्तृत जानकारी दी।

द ग्रेट खली बोले, धरना खत्म करके अपने खेल पर ध्यान दें पहलवान

कैथल (हिंस)। कैथल के कस्बा चीका में एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे द ग्रेट खली उर्फ दिलीप राणा ने जंतर मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों को सलाह दी है कि वे धरना खत्म करके अपने खेल पर ध्यान दें। इसी में उनकी भलाई है। युवाओं में मची विदेश जाने की रोड पर भी खली ने खुलकर बात की। द ग्रेट खली ने कहा कि वर्तमान समय में काफी संख्या में युवाओं में बाहर जाने का क्रेज है। जो भी युवा बाहर जाएं। वह किसी अधिकृत एजेंट के माध्यम से ही बाहर जाएं। युवा ढोंकी के चक्कर में पड़ कर अपनी जान को जोखिम में मत डालें। द ग्रेट खली ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों द्वारा दिए गए धरने को लेकर कहा कि सभी खिलाड़ी अपना धरना समाप्त कर अपने खेल पर ध्यान दें। वे किसी भी प्रकार की राजनीति के चक्कर में न पड़े औंर अपने खेल पर अधिक ध्यान दें। नशे पर जागरूकता पर द ग्रेट खली ने कहा कि जितने भी लोग उनके प्रशंसक है। वे नशे से दूर रहे हैं। नशा को छोड़ने के लिए सभी अभिभावकों भी आगे आना चाहिए। नशा से दूर रहकर खेलों की तरफ से अपना ध्यान दें। यदि वे खेल में ध्यान देंगे तो खेल में भी अपना अच्छा करियर बना सकेंगे। नशे से नशा करने वाले को तो नुकसान होता ही है। इसके साथ ही नशा पूरे परिवार को नुकसान पहुंचाता है। यदि हम नशा से देर रहेंगे तो अपने जीवन सफलता प्राप्त कर पाएंगे। यदि नशे के गर्त में पड़ गए तो इसका काफी बूरे नतीजे हमें भुगतने होंगे। खली ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। मेहनत से ही आदमी नाम और शोहरत हासिल कर सकता है। अच्छे काम करने चाहिए। जिसके मन में राष्ट्र के प्रति सच्ची श्रद्धा और सोच नहीं है। उसे मंदिर-मस्जिद और गुरुद्वारे जाने का भी कोई फायदा नहीं होता है।

दस सेवा योजनाओं का सोशल ऑडिट शुरू करेगी सरकार : संजीव

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग की 10 सेवा योजनाओं की सोशल ऑडिटिंग शुरू की जाएगी। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, 15वें वित्त आयोग अनुदान और स्वच्छ भारत मिशन जैसी अन्य योजनाएं भी चालू वित वित्तीय वर्ष 2023-24 में संचालित की जाएंगी। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने यह जानकारी गुरुवार को यहां महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के सोशल ऑडिट के लिए हरियाणा सोसाइटी की गवर्निंग बॉडी की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करने के बाद दी। उन्होंने कहा कि निदेशक सोशल ऑडिट यूनिट पीएमएवाई-जी, 15वें एफसीजीएस, एसबीएम, एनएसएपी, रूर्बन मिशन, सीनियर सिटीजन होम्स, नशा मुक्ति केंद्रों, प्री-मैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, पीएम-अजय, बाबू जगजीवन राम छत्रवास, आवासीय विद्यालय, अनुसूचित जाति, जनजाति ऋण योजना और अत्याचार से संबंधित मामलों जैसी विभिन्न विकास योजनाओं के सामाजिक ऑडिट के संचालन के लिए एक वार्षिक कैलेंडर तैयार करेगा। बैठक में सोशल ऑडिट इकाई को सुदृढ़ करने के लिए जिला स्तर पर उपमंडल अधिकारी (नागरिक) की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। इसके खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी व एसडीओ पंचायती राज भी सदस्य होंगे। सोशल ऑडिट करने के लिए समिति विलेज रिसोर्स पर्सन की पहचान करेगी। गवर्निंग बॉडी ने विलेज रिसोर्स पर्सन के मानदेय को प्रति कार्य दिवस टीए डीए सहित 500 रुपए से बढ़ाकर 650 रुपए करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

ई-रिक्शा यूनियन और नगर परिषद कठुआ आमने-सामने

कठुआ (हिंस.)। ई-रिक्शा यूनियन का नगर परिषद कठुआ के साथ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा, गुरुवार को ई रिक्शा यूनियन के चालकों ने जिला सचिवालय के समीप पर चक्का जामकर ह?ताल की। जिसके बाद यूनियन का एक शिष्टमंडल जिला उपायुक्त से मिलने सचिवालय पहुंचा। जिला उपायुक्त ने उनकी समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुना और जल्द से जल्द हल करने का आश्वासन दिया। गौरतलब हो कि पिछले कुछ दिनों से कठुआ में ई रिक्शा यूनियन के सदस्यों ने नगर परिषद कठुआ द्वारा वसूली जा रही दुगनी अड्डा पर्ची के विरोध में मोर्चा खोला था। जिसके बाद उन्होंने नगर परिषद कठुआ के सीईओ के खिलाफ भी प्रदर्शन किया था। यूनियन के सदस्यों का कहना है कि नगर परिषद कठुआ ने अड्डा पर्ची की नोटिफिकेशन में ई रिक्शा का जिक्र ही नहीं किया है। लेकिन उसके बावजूद भी हम 15 रूपए प्रतिदिन का अड्डा पर्ची देते थे। लेकिन 31 मार्च के बाद जब नए टेंडर हुए तो ई-रिक्शा की अड्डा पर्ची दुगनी कर दी। यानी 15 के जगह अब 30 रु. वसूले जा रहे हैं। जबकि अड्डा पर्ची की नोटिफिकेशन में ई रिक्शा का जिक्र तक नहीं किया गया है। ई रिक्शा चालकों का कहना है कि मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत योजना की तर्ज पर ई रिक्शा खरीदे थे और अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं। लेकिन नगर परिषद कठुआ जबरन अड्डा पर्ची के नाम पर जबरन वसूले कर रहा हैं। अगर अड्डा पर्ची नहीं देते हैं तो ठेकेदार उनके साथ हाथापाई पर उतर आते हैं। जिसकी शिकायत कई बार नगर परिषद कठुआ के अधिकारी से कर चुके हैं। लेकिन अधिकारी की ओर से कोई भी उचित कार्यवाही नहीं की गई और ना ही उन्हें कोई ठोस आश्वासन दिया गया। हालांकि इस मुद्दे को लेकर नगर परिषद कठुआ की उपाध्यक्ष रेखा कुमारी ने भी ई रिक्शा यूनियन का समर्थन किया और इस मामले को नगर परिषद कठुआ के अधिकारी के समक्ष रखा था, लेकिन अधिकारी और उपाध्यक्ष के बीच काफी तीखी बहसबाजी भी हुई, पर हल नहीं निकला। ई रिक्शा चालकों का कहना है कि कोई भी नेता या अधिकारी उनकी सुध नहीं ले रहा। जबकि पिछले कई दिनों से वह अपनी मांग को लेकर कभी जिला सचिवालय, तो कभी नगर परिषद कठुआ कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। अधिकारी सिर्फ तानाशाही रवैया अपना रहे हैं। गौरतलब हो कि 31 मार्च को नगर परिषद कठुआ की ओर से अड्डा पर्ची की टेंडर प्रक्रिया की गई थी, लेकिन विज्ञापन में ई-रिक्शा का जिक्र नहीं किया हुआ है।

संस्कृति को बचाने का काम कर रही *एसोसिएशन ऑफ हरियाणा इन आस्ट्रेलिया* : विज

चंडीगढ़ (हिंस)। विज ऑस्ट्रेलिया में अपने दौरे के दौरान सिडनी शहर में *एसोसिएशन ऑफ हरियाणा इन आस्ट्रेलिया* संस्था के अध्यक्ष सेवा सिंह के निमंत्रण पर उनके घर पर आयोजित एक गेट-टू-गेदर में लोगों को संबोधित कर रहे थे। गृह मंत्री ने कहा कि अपने संस्कार और संस्कृति को बचाए रखने के लिए *एसोसिएशन ऑफ हरियाणा इन आस्ट्रेलिया* बेहतरीन कार्य कर रही है और यह एक अच्छी पहल है। आस्ट्रेलिया में अपनी संस्कृति के अनुरूप तीज-त्योहारों को मनाने का कार्य हो रहा है ताकि आने वाली पीढ़ियों को अपने संस्कारों और संस्कृति से रूबरू करवाया जा सकें और वे भी इसी प्रकार से भविष्य में अपने तीज-त्योहारों को मनाते रहें। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान भी *एसोसिएशन ऑफ हरियाणा इन आस्ट्रेलिया* ने हरियाणावासियों की मदद की थी, जोकि सराहनीय है। उन्होंने कहा कि *एसोसिएशन ऑफ हरियाणा इन*

आस्ट्रेलिया आपसी भाईचारें को बढावा दे रही है और हरियाणावी संस्कृति की जड़ें सींचने का कार्य रही है। इस दौरान *एसोसिएशन ऑफ हरियाणा इन आस्ट्रेलिया* के अध्यक्ष सेवा सिंह ने एसोसिएशन के क्रियाकलापों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हमारी एसोसिएशन हरियाणा सरकार के विदेश सहयोग विभाग के साथ मिलकर कार्य कर रही है और हरियाणवी संस्कृति को बढावा देने के लिए आस्ट्रेलिया में विभिन्न कार्यक्रमों को समय-समय पर आयोजित किया जाता रहा है। उन्होंने बताया कि हमारी एसोसिएशन ने हरियाणा में स्थित विभिन्न खेल संगठनों व सस्थाओं को खेल उपकरण इत्यादि देने के साथ-साथ कोविड के दौरान आई आपदा से निपटने में भी सहयोग दिया। उन्होंने बताया कि कोविड के दौरान स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के आग्रह पर ऑस्ट्रेलिया से एक करोड़ रुपए के कांस्ट्रेटर, 2500 ऑक्सीमीटर और तीन हजार थर्मल गन भिजवाई गई थी। उन्होंने बताया कि हमारी एसोसिएशन के मेलबर्न, एडीलेट इत्यादि शहरों में चैप्टर हैं, जो हरियाणावी संस्कृति को बढावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं। इस मौके पर मंत्री विज को *एसोसिएशन ऑफ हरियाणा इन आस्ट्रेलिया* के पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इसके साथ-साथ विधायक रणधीर सिंह गोलन व विधायक महिपाल ढांडा को भी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हरियाणा सरकार की ओर से गए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य तथा *एसोसिएशन ऑफ हरियाणा इन आस्ट्रेलिया* के सदस्य भी उपस्थित थे।

भारत–ईएफटीए प्रतिनिधिमंडल की बैठक, मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली।

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ने एक ट्रेड डील- व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता की दिशा में बातचीत फिर से शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा की। ईएफटीए में आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिस्टेंस्टीन के चार देश शामिल हैं।

द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए भारत और ईएफटीए के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के बीच बैठक की पृष्ठभूमि में यह बातचीत शुरू हुई है।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने समझौते की स्थिति पर विचारों का आदान–प्रदान किया और बातचीत को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने वर्तमान वैश्विक आर्थिक और व्यापार वातावरण से उत्पन्न चुनौतियों को स्वीकार किया, साथ ही द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी के मुद्दों को रचनात्मक और व्यावहारिक रूप से संबोधित करने की आवश्यकता को स्वीकार किया।

बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने सभी लंबित मुद्दों को हल करने के अपने प्रयासों को जारी रखने और एक अधिक समावेशी वैश्विक व्यापार प्रणाली में योगदान करते हुए आर्थिक साझेदारी को गहरा और मजबूत करने की दिशा में काम करने पर सहमति व्यक्त की।

बैठक में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अलावा नॉर्वे के व्यापार और उद्योग मंत्री अर्टिंडा, जन क्रिश्चियन वेस्ट्रे, आइसलैंड के विदेश मंत्रालय में स्थायी सचिव मार्टिन आइजॉल्फसन, ईएफटीए में लिकटेंस्टीन के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि कर्ट जैगर तथा विश्व व्यापार संगठन, और जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र, के महासचिव हेनरी गेटाज शामिल थे।

न्यूज ब्रीफ

3.5 फीसदी घटकर 328 लाख टन रह सकता है चीनी उत्पादन, इस्मा ने उत्पादन कम रहने का अनुमान जताया

नई दिल्ली। देश का चीनी उत्पादन सितंबर में समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष 2022–23 में 3.5 फीसदी घटकर 328 लाख टन रह सकता है। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने पहले 340 लाख टन उत्पादन रहने का अनुमान जताया था। इस्मा ने संशोधित अनुमान में कहा, चालू विपणन वर्ष में महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 121 लाख टन के पहले के अनुमान से घटकर 105 लाख टन तक रह सकता है।इस कमी की वजह से कुल उत्पादन अनुमान में संशोधन किया गया है। प्रदेश में गन्ना पेराई सत्र समाप्त हो गया है। एसोसिएशन ने कहा, एथनॉल उत्पादन के लिए करीब 40 लाख टन गन्ना शीरे के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए भी अनुमान घटाया गया है।

एअर इंडिया की अमेरिकी कंपनी सेबर के साथ डीलः ट्रैवल एजेंट्स को एअर इंडिया के फेयर का एक्सेस मिलेगा, ये डील एक्सपेंशन प्लान का हिस्सा

नई दिल्ली। अमेरिका सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर सेबर कॉर्पोरेशन और एयरलाइन एअर इंडिया ने मल्टी–ईयर डील की है। अब ट्रैवल एजेंट और कॉर्पोरेशन सेबर के ग्लोबल ट्रैवल मार्केट प्लेस के जरिए एअर इंडिया के फेयर और सीटों को एक्सेस कर सकेंगे। हालांकि ये डील कितने में हुई है इसका खुलासा नहीं किया गया है। यह डील एअर इंडिया के एक्सपेंशन प्लान का हिस्सा है। एयरलाइन ने बीते दिनों 470 विमानों के लिए एविएशन हिस्ट्री का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया था। एयरलाइन अपनी सर्विसेज को बेहतर बनाने के लिए साबरे की कंसलटेंसी एक्सपर्टाइज का भी इस्तेमाल करेगी। इस डील में इन–डेप्थ इवैल्यूएशन, नए हब का डेवलपमेंट, स्ट्रक्चरल डिजाइन और रूट नेटवर्क की डीटेल्ड प्लानिंग शामिल होगी। एअर इंडिया के चीफ कॉमर्शियल एंड ट्रांसफॉर्मेशन ऑफिसर निपुन अग्रवाल ने कहा कि इंडियन ट्रैवल मार्केट मजबूत होकर लौटा है। अग्रवाल ने कहा कि डील एअर इंडिया को ग्लोबल एविएशन प्लेटफॉर्म पर ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करेगी। एअर इंडिया ने हाल ही में अपने पांच साल के ट्रांसफॉर्मेशन प्लान की घोषणा की थी। इस प्लान के तहत, एयरलाइन अपनी फ्लीट और नेटवर्क का विस्तार कर रही है। 1960 में शुरु हुई अमेरिकी कंपनी सेबर एक लीडिंग सॉफ्टवेयर और टेक्नोलॉजी कंपनी है। ये कंपनी एयरलाइन्स, होटल व्यवसायियों और एजेंसियों को टेक्नोलॉजी प्रोवाइड करता है। मोबाइल ऐप, एयरपोर्ट चेक–इन कियोस्क, ऑनलाइन ट्रैवल साइट्स, एयरलाइन और होटल रिजर्वेशन नेटवर्क, ट्रैवल एजेंट टर्मिनल्स और अन्य अन्य ट्रैवल सॉल्यूशन्स कंपनी देती है।

जेरोधा यूजर्स को हुई परेशानी, सोशल मीडिया पर की शिकायत तो कंपनी ने दिया ये जवाब

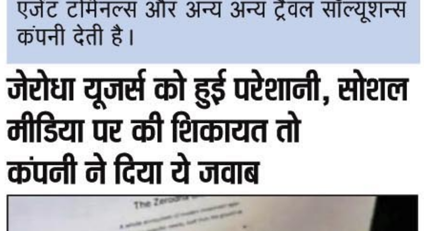

नई दिल्ली । शेयर बाजार में ट्रेडिंग और निवेशक सुविधा उपलब्ध कराने वाली कंपनी जेरोधा के काइट एप और बेवसाइट पर उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ी। कई ग्राहकों ने काइअ ऐप और वेबसाइट पर ऑर्डर देने में परेशानी होने की सूचना दी। कई माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर इसकी शिकायत की। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि वे गड़बड़ी के कारण ऑर्डर रद्द भी नहीं कर पा रहे हैं। डाउनडिटेक्टर ने भी जेरोधा ग्राहकों के परेशान होने की बात कही है। वहीं ग्राहकों की शिकायत के बाद जेरोधा ने एक बयान जारी कर दावा किया है कि गड़बड़ी को ठीक कर लिया गया है। जेरोधा ने बताया कि कुछ ग्राहकों के ओपन पेंडिंग ऑर्डर समाप्त हो जाएंगे या रद्द हो जाएंगे। ग्राहकों को अब नए ऑर्डर देने होंगे। जेरोधा ने बताया कि कई कनेक्शन होने के बावजूद एक्सचेंज की एक लाइन पर कनेक्शन काटे जाने के कारण यह समस्या पैदा हुई। एक्सचेंज लाइन के डिस्कनेक्ट होने के कारण सामने आई समस्या जेरोधा ने कहा है कि यह समस्या उनकी एक एक्सचेंज लाइन के डिस्कनेक्ट होने के कारण सामने आयी।

अब ई–रुपी से भी कर सकते हैं इंश्योरेंस पेमेंट

रिलायंस ऐसा करने वाली पहली कंपनी, यूपीआई की तरह इसमें भी पेमेंट के लिए क्यूआर कोड स्कैन करना होगा

नई दिल्ली।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस पहली कंपनी बन गई है जिसने रिजर्व बैंक की डिजिटल करेंसी ई–रुपी में प्रीमियम लेना शुरू किया है। कंपनी ने इसके लिए यस बैंक के साथ पार्टनरशिप की है। ई–रुपी में पेमेंट करने के लिए कस्टमर के पास एक्टिव ई–वॉलेट होना चाहिए।

ये वॉलेट किसी भी बैंक का हो सकता है। जैसे यूपीआई से पेमेंट करने के लिए क्यूआर कोड होता है वैसा ही कोड ई–रुपी से पेमेंट करने के लिए रिलायंस उपलब्ध कराएगा। कस्टमर को अपना ई–वॉलेट ओपन कर क्यूआर कोड स्कैन करना होगा और तुरंत पेमेंट हो जाएगा।

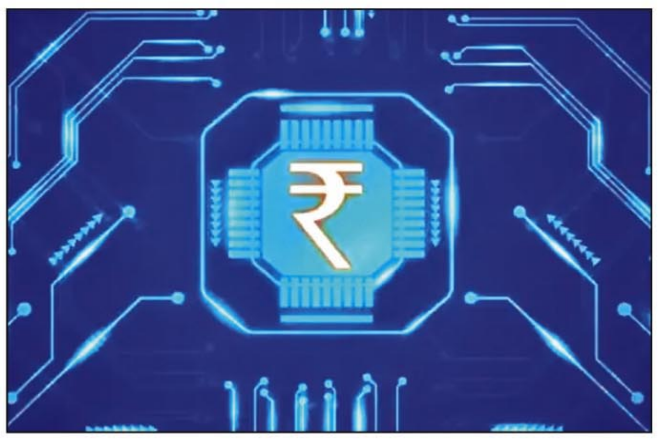

कंपनी के मुताबिक, पेमेंट के इस नए तरीके का मकसद ग्राहकों को आसान, सुरक्षित, तुरंत और ग्रीन पेमेंट सॉल्यूशन देना है। यस बैंक की पार्टनरशिप में रिटेल ई–रुपी का पायलट 1 दिसंबर 22 को लॉन्च किया था। हालांकि इसे क्लोज्ड यूजर ग्रुप के लिए ही लॉन्च किया गया था। यानी कुछ चुनिंदा यूजर्स ही इसका इस्तेमाल कर सकते थे। सबसे पहले इसे चार शहर मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और भुवनेश्वर में लॉन्च किया गया था। बाद में इसे अन्य शहरों में एक्सटेंड किया गया।

डिजिटल ई–रुपी क्या है – करेंसी का डिजिटल रूप है जो ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर आधारित है। ये दो तरह की है होलसेल और रिटेल। इसकी वैल्यू भी मौजूदा करेंसी के बराबर ही है। इसको भी फिजिकल करेंसी की तरह एक्सेप्ट किया जाता है। द्व को मोबाइल वॉलेट में रखा जाता है। इसे रखने के लिए बैंक खाते की जरूरत नहीं है।

ट्रांजैक्शन यूपीआई से कैसे अलग – यूपीआई से ट्रांजैक्शन करने के लिए बैंक अकाउंट में पैसा जमा होना चाहिए। इसके लिए या तो हमें खुद फिजिकल करेंसी को अकाउंट में डिपॉजिट करना होगा या फिर कहीं से अपने बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करवाना होगा। इसका मतलब यह है कि किसी न किसी को एक बार तो फिजिकल करेंसी अकाउंट में डिपॉजिट करना ही होगी तभी ये ट्रांसफर पॉसिबल हो पाएगा। लेकिन आने के बाद एक बार भी फिजिकल करेंसी को अकाउंट में नहीं डालना पड़ता। ट्रांजैक्शन में बैंक अकाउंट की जरूरत ही नहीं होती। आरबीआई फिजिकल करेंसी की जगह सीधे डिजिटल वॉलेट में पैसा ट्रांसफर करता है। इसका मतलब है कि आप अभी जिस तरह से अपने पॉकेट में नोट रखते है उसकी जगह वॉलेट में ई–रुपी रखे सकते हैं और एक दूसरे को पेमेंट कर सकते हैं। ये डिजिटल वॉलेट बैंक मुहैया कराता है।

ई–रुपी को लाने की वजह – यह रुपए के मौजूदा डिजिटल स्वरूप की जगह नहीं लेगा, बल्कि लेनदेन का एक और माध्यम उपलब्ध कराएगा। आरबीआई का मानना है कि ई–रुपी डिजिटल इकोनॉमी को बढ़ावा देगा। नगद अर्थव्यवस्था घटाने का लक्ष्य पाने में मदद मिलेगी। लेनदेन की लागत घटाने में भी मदद मिलेगी। पेमेंट सिस्टम अधिक प्रभावी बनेगा।

स्मृति ईरानी ने 'महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट' में किया निवेशः इस स्कीम में मिल रहा 7.5प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम में अकाउंट खुलवाया है। स्मृति ईरानी ने नई दिल्ली में संसद मार्ग के मुख्य डाकघर (पोस्ट ऑफिस) में ये अकाउंट खोला है। यह महिलाओं के लिए स्पेशल स्कीम है। इसमें 7.5प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इसमें कम से कम 1000 रुपए से लेकर अधिकतम 2 लाख रुपए का निवेश किया जा सकता है। इसमें 2 साल के लिए निवेश करना होता है। यहां हम आपको इस योजना से जुड़ी जरूरी बातें बता रहे हैं। खास परिस्थितियो में ये अकाउंट 2 साल से पहले, लेकिन 6 महीने के बाद ही बंद किया जा सकता है। हालांकि ऐसा करने पर 7.5प्रतिशत की जगह 5.5प्रतिशत ही ब्याज मिलेगा। ये ब्याज प्रिंसिपल अमाउंट (मूलधन) पर दिया जाएगा। इसके अलावा आप 1 साल बाद 40प्रतिशत रकम निकाल सकते हैं। इस स्कीम के तहत महिला खुद के लिए अकाउंट खुलवा सकती हैं। इसके अलावा मामा–पिता (गार्जियन) अपनी बेटी (नाबालिग) के नाम पर भी 'महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट' में निवेश कर सकते हैं। यानी इसमें नाबालिग लड़की के नाम पर भी निवेश किया जा सकता है। इसमें 7.5प्रतिशत ब्याज दिया जा रहा है जो फिक्स्ड डिपॉजिट की तुलना में ज्यादा है। देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई इस समय 2 साल की एफडी पर 7प्रतिशत ब्याज दे रहा है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक 6.75प्रतिशत ब्याज ऑफर कर रहा है।

जनवरी–मार्च में 42प्रतिशत बढ़ी होम लोन डिमांड

ब्याज दरें बढ़ने के बावजूद रियल एस्टेट सेक्टर में मजबूत डिमांड के संकेत

नई दिल्ली।

होम लोन की डिमांड पर ब्याज दरें बढ़ने का कोई असर नहीं हुआ है। अक्टूबर–दिसंबर के मुकाबले जनवरी–मार्च तिमाही में होम लोन की डिमांड 42प्रतिशत ज्यादा रही। एक साल पहले यानी जनवरी–मार्च, 2022 से तुलना करें तो बीती तिमाही होम लोन की डिमांड में करीब 120प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। प्रॉपर्टी साइट नोब्रोकर के एक सर्वे के मुताबिक, खास तौर पर कामकाजी युवा लोन लेकर घर खरीदना पसंद कर रहे हैं। फर्म ने अपने सर्वे में दिल्ली–एनसीआर, बेंगलुरू, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद जैसे टॉप प्रॉपर्टी मार्केट के 2,000 से ज्यादा लोगों को शामिल किया। इसके मुताबिक, युवा अब रियल एस्टेट को सुरक्षित और आकर्षक निवेश मान रहे हैं।

होम लोन अब भी ज्यादा महंगे नहीं: सर्वे - सर्वे में शामिल 78प्रतिशत लोगों ने कहा कि होम लोन की दरें न तो ज्यादा महंगी हैं और न ही सस्ती। हालांकि मई 2022 से अब तक रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 2.50प्रतिशत बढ़ाया है। इसके चलते होम लोन की औसत दर करीब 9प्रतिशत हो गई है, जो एक साल पहले 6.5प्रतिशत थी। देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई अभी 8.50प्रतिशत सालाना ब्याज पर लोन दे रहा है।

डाउन पेमेंट के लिए पर्सनल लोन - 36 साल तक उम्र के ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है, जो डाउन पेमेंट के लिए पर्सनल लोन ले रहे हैं। ये घर की कीमत के 90प्रतिशत तक होम लोन ले रहे हैं। एनबीएफसी ऐसे ऑफर कर रही हैं। 63प्रतिशत लोग घर लेना चाहते हैं, कोविड से पहले ऐसे लोग 49प्रतिशत थे। मार्च तिमाही में 25–35 साल के 27प्रतिशत घर ग्राहकों ने लोन लिया। कोविड पूर्व ये 17प्रतिशत थे।

दरें घटने की उम्मीद – नोब्रोकर के सीईओ अमित कुमार अग्रवाल ने कहा, 'आम तौर पर होम लोन 20 साल का होता है। इस दौरान दरें कम होने का दौर भी आ सकता है।

पीएलआई के तहत अब तक 2,874 करोड़ जारी, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मिला सबसे ज्यादा प्रोत्साहन

नई दिल्ली।

उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत सरकार ने मार्च, 2023 तक 2,874 करोड़ जारी किए हैं। इसमें सर्वाधिक रकम 8 क्षेत्रों को दी गई है, जिनसे 3,420.05 करोड़ के प्रोत्साहन दावे मिले थे।इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे ज्यादा 1,649 करोड़ का प्रोत्साहन मिला है।

उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग के अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर ने बताया कि 8 क्षेत्रों में काफी अच्छा काम हो रहा है। अन्य क्षेत्रों को और ज्यादा काम करना होगा। अगले दो–तीन साल महत्वपूर्ण होंगे। यह योजना घरेलू विनिर्माणको बढ़ावा देने के लिए 2020 में शुरू की गई थी।14 क्षेत्रों के लिए प्रोत्साहन पर 1.97 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था।

फार्मा और दूरसंचार समेत इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के अलावा फार्मा (652 करोड़ रुपये), खाद्य उत्पाद (486 करोड़ रुपये), दूरसंचार (35 करोड़ रुपये), ड्रोन (30 करोड़ रुपये), चिकित्सा उपकरण (12.8 करोड़ रुपये) और थोक दवाएं (4.34 करोड़ रुपये) क्षेत्र को भी लाभ मिला है।

तीन लाख से ज्यादा रोजगार का हुआसृजन

राजीव ने बताया कि दिसंबर, 2022 तक 14 क्षेत्रों की कंपनियों से कुल 717 आवेदनों को मंजूरी मिली थी। इससे 2.74 लाख करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। लेकिन, वास्तव में 53,500 करोड़ रुपये का ही निवेश प्राप्त हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उत्पादन हुआ है। तीन लाख से अधिक रोजगार का सृजन हुआ है।

फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा के नतीजे वॉल स्ट्रीट के अनुमानों से बेहतर, शेयरों में आया उछाल

नई दिल्ली।

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा के पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों को राहत मिली है। कंपनी के लाभ और राजस्व दोनों के परिणाम वॉल स्ट्रीट के अनुमानों से मामूली रूप से पार कर गए हैं। नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों में उछाल दर्ज किया गया है। मेटा ने यह भी बताया कि उसके प्रमुख प्लेटफॉर्म फेसबुक के मासिक उपयोगकर्ता 3 बिलियन के करीब पहुंच गए हैं। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने बताया कि उसने जनवरी–मार्च की अवधि में 5.71 अरब डालर यानी हर शेयर पर 2.20 डॉलर की कमाई की। हालांकि यह कमाई एक साल पहले के 7.47 अरब डॉलर यानी प्रति शेयर 2.72 डॉलर से कम है।

कंपनी की आय तीन प्रतिशत बढ़कर 28.65 अरब डॉलर हुई – मेटा के आंकड़ों के अनुसार कंपनी की आय तीन प्रतिशत बढ़कर 27.91 अरब डॉलर से बढ़कर 28.65 अरब डॉलर पर पहुंच गई। फैक्टसेट के एक सर्वेक्षण के अनुसार एनालिस्ट औसतन 27.67 अरब डॉलर के राजस्व की उम्मीद कर रहे थे। मेटा ने कहा कि उसने 2022 में पहली बार घोषित छंटनी कार्यक्रम को काफी हद तक पूरा कर लिया है। इसने मार्च में छंटनी के दूसरे दौर की घोषणा की थी। कैलिफोर्निया के मेनलो पार्क स्थित कंपनी के शेयर की कीमत 18 डॉलर बढ़ गए हैं।

मेटा के यूजर बेस में भी मजबूत इजाफा हुआ – हाल की तिमाहियों की तुलना में मेटा के यूजर बेस में मजबूत वृद्धि हुई हे। मेटा के ऐप्स पर मासिक सक्रिय लोगों की संख्या पिछले वर्ष से 5प्रतिशत बढ़कर 3.8 बिलियन से अधिक हो गई और फेसबुक दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता 4प्रतिशत बढ़कर 2 बिलियन से अधिक हो गए है। जुकरबर्ग ने एक बयान में कहा, पिछली तिमाही हमारे लिए अच्छी रही और हमारा समुदाय लगातार बढ़ रहा है। हम अधिक कुशल भी बन रहे हैं ताकि हम तेजी से बेहतर उत्पादों का निर्माण कर सकें और खुद को मजबूत स्थिति में रख सकें। पर मेटा को अभी और बहुत कुछ हासिल करना है।

मेटा का मुनाफा एक चौथाई घटकर 5.7 बिलियन डॉलर पर पहुंचा – कंपनी ने यह भी बताया कि पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में मुनाफा लगभग एक चौथाई घटकर 5.7 बिलियन डॉलर हो गया। प्रति विज्ञापन की कीमत जो कंपनी के मुख्य डिजिटल विज्ञापन व्यवसाय का संकेतक है, वह भी एक साल पहले की तुलना में 17प्रतिशत कम हो गई।

रेमंड्स की एफएमसीजी आर्म खरीद सकती है गोदरेज

कंज्यूमर केयर बिजनेस का अधिग्रहण करने के लिए तैयार जीसीपीएल, खबर से रेमंड का शेयर 5प्रतिशत चढ़ा

मुंबई।

एफएमसीजी की दिग्गज कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड जल्द ही रेमंड्स की एफएमसीजी आर्म रेमंड कंज्यूमर केयर को खरीद सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गोदरेज, रेमंड्स के साथ डील करने के लिए तैयार है।

हालांकि, इस डील से जुड़ी जानकारी अब तक पब्लिक नहीं की गईं हैं। दोनों कंपनियां कुछ दिनों के भीतर इस डील की फॉर्मल अनाउंसमेंट कर सकती हैं। रेमंड कंज्यूमर केयर- पार्क एवेन्यू, कामसूत्र स्पार्क जैसे ब्रांड्स के साथ पर्सनल केयर, सेक्सुअल वेलनेस और होम केयर जैसी कैटेगरी में काम करती है। वहीं जीसीपीएल वर्तमान में हेयर केयर, होम केयर और पर्सनल केयर कैटेगरी में मौजूद है।

डील की खबर से रेमंड के शेयर में करीब 5प्रतिशत की तेजी आई – डील की खबर सामने आने के बाद रेमंड के शेयर ने शुरुआती कारोबार में अपने 52–वीक हाई को छू लिया। अभी इसका शेयर 74 रुपए यानी करीब 5प्रतिशत की तेजी के साथ 1,685 रुपए के पार कारोबार कर रहा है। वहीं, जीसीपीएल का शेयर 2.5प्रतिशत की गिरावट के साथ 950 रुपए के आस–पास कारोबार कर रहा है।

रेमंड्स में कंज्यूमर केयर बिजनेस में 47.66प्रतिशत हिस्सेदारी रही – रेमंड्स की फाइनेंशियल ईयर 2022 तक कंज्यूमर केयर बिजनेस में 47.66प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि, कुछ सालों से रेमंड्स अपनी एफएमसीजी आर्म को बेचना चाह रही है। गोदरेज से पहले रेमंड्स की 2022 में करीब 2,500 करोड़ रुपए की डील के लिए गुड ग्लैम के साथ बातचीत हुई थी, लेकिन वैल्यूएशन इश्यूज के चलते दोनों कंपनी की बात नहीं बन पाई।

डील के बाद जीसीपीएल की फ्रेग्नेंस और सेक्सुअल वेलनेस कैटेगरी में एंट्री होगी – रेमंड्स के साथ डील के बाद जीसीपीएल की फ्रेग्नेंस और सेक्सुअल वेलनेस कैटेगरी में एंट्री हो जाएगी। इसके अलावा जीसीपीएल के पर्सनल केयर सेक्टर को भी मजबूती मिलेगी, क्योंकि रेमंड्स का मेंस ग्रूमिंग स्पेस में दबदबा है। रेमंड के कंज्यूमर केयर बिजनेस की फाइनेंशियल ईयर 2022 में 522 करोड़ रुपए की सेल हुई थी। इसके अलावा पार्क एवेन्यू और केएस स्पार्क जैसे ब्रांडों के साथ मेंस डिओड्रेंट कैटेगरी में कंपनी मार्केट में काफी अच्छी पोजीशन में है। रेमंड की एनुअल रिपोर्ट के अनुसार, फाइनेंशियल ईयर 2022 में केएस स्पार्क डियो फ्रेग्नेंस अर्बन इंडिया में लीडिंग वैरिएंट रहा है। वहीं कामसूत्र भारत में ब्रांडेड कंडोम में तीसरा सबसे बड़ा प्लेयर है।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में लचीलापन बरकरार, वित्तीय चुनौतियों पर ये बोले आरबीआई गवर्नर दास

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली लचीली बनी हुई है। यह वैश्विक वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में हाल की घटनाओं से प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं हुई है। आरबीआई की ओर से प्रवर्तित कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर्स की ओर से वित्तीय लचीलापन पर आयोजित एक वैश्विक सम्मेलन में दास ने कहा, भारतीय बैंकिंग प्रणाली लचीली बनी हुई है और कुछ विकसित अर्थव्यवस्थाओं में देखी गई वित्तीय अस्थिरता का इस पर नकारात्मक असर नहीं पड़ा है। कुछ हफ्ते पहले ही सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने के कारण अमेरिका और युरोप की वित्तीय स्थिति चरमरा गई थी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि रिजर्व बैंक के दबाव परीक्षण से पता चलता है कि भारतीय बैंक अपनी चुनौतियों से निपटते हुए पूंजी बफर को न्यूनतम आवश्यकताओं से ऊपर बनाए रखने में सक्षम होंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि वित्तीय क्षेत्र में चौंकाने वाली स्थिति कहीं से भी आ सकती है क्योंकि दुनिया भर में प्रतिभागी लीक से हटकर नीतियां बना रहे हैं। आरबीआई गवर्नर ने हितधारकों से सतर्क रहने का आग्रह किया।

एक्टर गौतम सिंह विग और सबा खान के गाने 'दूरियां' की हुई जोरदार स्क्रीनिंग

बिगबॉस फेम गौतम सिंह विग और सबा खान के म्यूजिक वीडियो सांग दूरियां का हाल ही में एक ग्रैंड लॉन्च रखा गया, जिसमें टेलीविजन जगत की कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। तनवीर सैयद रियाज का निर्देशित यह म्यूजिक वीडियो एक ऐसे कपल की कहानी कहता है, जो गहरे प्यार में होने के बावजूद अपने नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण अलग हो जाते हैं। गाने के बोल भावुक और दिल को छू लेने वाले हैं, जो दर्शकों में कई तरह की भावनाओं को जगाते हैं। गौतम सिंह विग और सबा खान के शक्तिशाली प्रदर्शन ने गाने के भावनात्मक प्रभाव को और बढ़ा दिया है। उपस्थित लोगों को म्यूजिक वीडियो दूरियां की एक विशेष स्क्रीनिंग देखने को मिली और वे गौतम सिंह विग और सबा खान के बीच भावपूर्ण गीत, शक्तिशाली प्रदर्शन और केमिस्ट्री से मंत्रमुग्ध हो गए। गौतम सिंह विग कहते हैं, मैं इस संगीत वीडियो के लिए अपने साथियों के साथ-साथ दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से वास्तव में बहुत खुश हूं। मुझे खुशी है कि हमारे टीम की मेहनत और प्रयासों का इतना अच्छा प्रतिसाद मिल रहा हैं! अभिनेत्री सबा खान कहती हैं, मुझे उम्मीद है कि दर्शक अपना प्यार और समर्थन हम पर बरसाते रहेंगे।

फिल्म ड्रीम गर्ल को मिली शानदार प्रतिक्रिया

-खुराना ने बदली ड्रीम गर्ल-2 की प्रदर्शन तिथि

मुंबई (ईएमएस)। कॉमेडी फिल्म ड्रीम गर्ल को शानदार प्रतिक्रिया मिली। आयुष्मान खुराना अभिनीत इस फिल्म के पेचीदा टीजर ने प्रशंसकों को बांधे रखा है। सोमवार को आयुष्मान खुराना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर घोषणा की कि रिलीज की तारीख आगे बढ़ा दी गई है। यह फिल्म पहले 7 जुलाई, 2023 को रिलीज होने वाली थी। आयुष्मान खुराना, जो फिल्म में करम सिंह/पूजा की भूमिका निभा रहे हैं, ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नई रिलीज की तारीख की घोषणा करते हुए एक नोट साझा किया। ड्रीम गर्ल 2 अब 25 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पोस्ट के साथ पूजा का एक ऑडियो संदेश था, जिसने नोट पढ़ा। मेरे प्रिय आशिकों, चार साल बाद आपके दिल का टेलीफोन फिर से रिंग रिंग होगा। अब इसके लिए तैयारी भी तो शानदार, धमाकेदार और स्मूचीभरी होनी चाहिए ना? तो करो थोड़ा और इंतजार; और ढेर सारा प्यार भेजते रहो! अब जुलाई 7 को साथ में नहीं, अगस्त पच्चीस पर पूजा का किस! ड्रीम गर्ल 2, 25 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। -आपकी प्यारी पूजा। अपने कैप्शन में, आयुष्मान खुराना ने लिखा, ड्रीम गर्ल-2, 25 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिनेमाघरों में फिल्म देखने के लिए प्रशंसकों को थोड़ा और इंतजार करना होगा और जहां एक प्रशंसक ने लिखा, ओह नूउ इतना ज्यादा इंतजार कैसे करे यार, एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की, इसे देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। इस बीच, कुछ दिनों पहले, आयुष्मान खुराना ने ड्रीम गर्ल 2 का एक नया टीजर जारी किया। टीजर में आयुष्मान के किरदार पूजा को सलमान खान का फोन आता है। वह पूजा से उसे जान कहने के लिए कहता है और कहता है, भाई मैं दूसरे के लिए, तुम्हारे लिए जान हूं। जब सलमान ने उसे अपना चेहरा प्रकट करने के लिए कहा, तो पूजा ने उसे एक वीडियो कॉल पर कनेक्ट करने के लिए कहा। पूजा की एक झलक देखते ही लाइट बंद हो जाती है।

मलाइका अरोड़ा ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

मलाइका अरोड़ा अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने बयानों और पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। मलाइका की फिटनेस के भी कई दीवाने हैं। इसलिए उनके जिम और योग स्टूडियो के बाहर के वीडियो भी खूब वायरल होते हैं। नेटिजेंस अक्सर उन्हें उनके चलने के अंदाज के लिए ट्रोल करते हैं। एक बार राखी सावंत ने भी उनके 'डक वॉक' का मजाक उड़ाया था। मलाइका अरोड़ा ने पहली बार अपने चलने से उड़ने वाले व्यंग्य पर कमेंट किया है। 'मूविंग इन विद मलाइका' के एक एपिसोड में एक्ट्रेस ने स्टैंडअप कॉमेडी करने का फैसला किया। इस बार उन्होंने ट्रोल्स को करारा जवाब दिया। अर्जुन कपूर के साथ अपने रिश्ते के अलावा, मलाइका अरोड़ा ने अपने प्रसिद्ध डक वॉक पर भी प्रतिक्रिया दी। मलाइका अरोड़ा का यह वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक्ट्रेस ने कहा, 'अगर मेरे पास टाइट बट हैं, जिस पर मैं सात कोर्स मील भी रख सकती हूं, तो डक की तरह चलने में भला क्या परेशानी है? वैसे बता दूं कि मैं बत्तख, बिल्ली, चीता की तरह भी चल सकती हूं।' इस बार उन्होंने अरबाज खान और अपने तलाक के बारे में बात करने वालों को भी जवाब दिया। तलाकशुदा शब्द का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वह न केवल एक तलाकशुदा हैं बल्कि एक उद्यमी और एक मां भी हैं लेकिन लोग हमेशा उन्हें याद दिलाते हैं कि वह एक तलाकशुदा हैं। वह और अरबाज अपने जीवन में आगे बढ़ चुके हैं, तो बाकी सब कब आगे बढ़ेंगे? वह भी ऐसा ही सवाल करती हैं।

प्रोफेशनल लाइफ में काफी बिजी है शहनाज

बीते शुक्रवार एक्ट्रेस शहनाज गिल की फर्स्ट बॉलीवुड मूवी किसी का भाई किसी की जान रिलीज हुई। शहनाज गिल इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ में काफी बिजी हैं। वह इंडस्ट्री में अपना खूब नाम चमका रही हैं। बीते दिन उन्होंने एक फैशन इवेंट के लिए रैंप वॉक किया, जहां वह फैशन का जलवा बिखेरती नजर आईं। इवेंट से शहनाज की ये तस्वीरें अब खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। लुक की बात करें तो ब्लैक फ्लोरल ड्रेस पहनकर रैंप पर उतरीं। थाई हाई स्लिट और डीप नेक ड्रेस में वह पूरे कॉन्फिडेंस के साथ अपनी बोल्डनेस फ्लॉन्ट करती दिखीं। डीप नेक ड्रेस में उनके सीने पर बना तिल भी नजर आया।

इस ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने ब्लैक हाई हील्स पेयर कीं और मिनिमल मेकअप, खुले बालों से अपने लुक को कंप्लीट किया। रैंप पर अपने हुस्न का जलवा बिखरेते हुए जबरदस्त पोज दे रही हैं। फैंस को उनका ये लुक खूब पसंद आ रहा है।

तेरे इश्क में घायल का कॉन्सेप्ट अलग : नवीना बोले

-एक्ट्रेस ने कहा-लापरवाह महिला की निभाई भूमिका

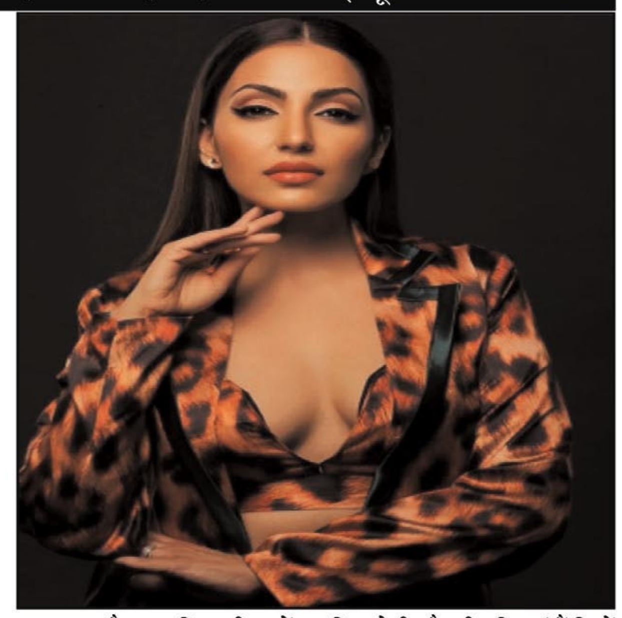

मुंबई (ईएमएस)। तेरे इश्क में घायल का कॉन्सेप्ट अलग और पर्दे पर लाना चुनौतीपूर्ण है। यह कहना है एक्ट्रेस नवीना बोले का। एक्ट्रेस ने कहा कि यह एक व्यक्ति के रूप में उससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, यह प्यार कुछ ऐसा है जो शायद आपको चोट पहुंचाएगा। ऐसा कुछ करने का प्रयास करना निमाताओं के लिए सराहनीय है। शूट करना और अमल करना एक मुश्किल काम है। जिस तरह से वे शॉट लेते हैं वह भारतीय टीवी के काम करने के तरीके से अलग है। शो में नवीना एक बेपरवाह महिला का किरदार निभा रही हैं जो एक जगह नहीं रहती है। वह जिप्सी की तरह है जो नई जगहों पर जाती रहती है। अब वह बहुत लंबे समय के बाद अपने बच्चों के पास घर लौटी है और उन्हें नहीं पता कि वे उस पर कैसी प्रतिक्रिया दें। उनका बेटा उसे नौकरी दिलाने की कोशिश कर रहा है और वह मूल रूप से एक स्वतंत्र है। मेरा किरदार वैम्पायर डायरीज में केली डोनवन की कहानी से प्रेरित था। इसलिए मैंने शो के लिए तैयारी करते समय यूट्यूब पर उनके कुछ सीन देखे। उन्होंने कहा, वह अपने किरदार से ज्यादा रिलेट नहीं करती हैं और इससे रोल निभाने प्ले में बहुत मजा आता है। वास्तविक जीवन में, मैं बहुत जिम्मेदार और परिवार से बंधा हुई हूं और मुझे अपने परिवार और उन लोगों की परवाह है जिन्हें मैं प्यार करती हूं। मैं उतना बेफिक्र और बिंदास नहीं हूं, इसलिए मैं जो हूं उससे बहुत अलग किरदार निभा रही हूं, जो मजेदार है। यह पूछे जाने पर कि कौन सी भूमिका उनके दिल के सबसे करीब है, उन्होंने जवाब दियाः ऐसी और भी भूमिकाएं हैं जिन्हें पसंद किया गया, लेकिन मुझे लगता है कि जीनी और जू में प्रिया खास थी। मैं अपने किरदार से संबंधित थी। वह अपने जीवन के प्यार को लेकर रक्षात्मक थी। बता दें कि नवीना को मिले जब हम तुम में दीया, जीनी और जूजू में प्रिया और इश्कबाज में टिया का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है।

डाई-हार्ट फैन ने एक्ट्रेस सामंथा का बनवाया मंदिर

सामंथा रुथ प्रभु साउथ सिनेमा की एक प्रमुख अभिनेत्री हैं। समांथा ने 'यशोदा', 'थेरी', 'मजिली', 'ए आ', 'अंजान', 'यू टर्न' और ''पुष्पा'' जैसी सुपरहिट फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन किया है। अपनी सुंदरता और अभिनय से दर्शकों को मोहित करने वाली सामंथा के प्रशंसकों की लंबी लिस्ट है। हाल ही में समांथा के एक डाई-हार्ट फैन ने उनका मंदिर बनवाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आन्ध्र प्रदेश के बापटला अलापड़ू गांव में एक्ट्रेस का मंदिर बनवाया है। इस मंदिर का समांथा के जन्मदिन यानी 28 अप्रैल को उद्घाटन किया जाएगा। समांथा के इस फैन का नाम संदीप तेनाली है। जानकारी के मुताबिक सामंथा और उसका यह फैन अभी तक मिले नहीं हैं। संदीप तेनाली ने कहा कि वह सामंथा के प्रत्यूष्य फाउंडेशन के काम से प्रभावित हैं और उनका मंदिर बनवा रहे हैं। सामंथा से पहले देश के अलग-अलग हिस्सों में कई साउथ और बॉलीवुड सेलेब्रिटीज के मंदिर उनके फैंसों ने बनवाए हैं। हंसिका मोटवानी, नयनतारा, अमिताभ बच्चन, सोनू सूद जैसे अभिनेताओं के फैंस ने उनके नाम के मंदिर बनवाए हैं। इसी बीच समांथा रुथ प्रभु की फिल्म 'शंकुतलम' दर्शकों के सामने आईं। यह फिल्म 14 अप्रैल को रिलीज हुई थी। समांथा अपनी अपकमिंग फिल्म 'खुशी' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में वह विजय देवरकोंडा के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

सलमान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' को सौ करोड़ कमाना हुआ मुश्किल

सलमान खान की मल्टीस्टारर फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' बॉक्स ऑफिस पर फीकी पड़ गई है। यह फिल्म 21 अप्रैल को रिलीज हुई थी। वीकेंड पर अच्छी कमाई करने वाली फिल्म फिल्म रिलीज होने के छठे दिन बुधवार को कुछ खास कमाई नहीं कर पाई। 'सैकनिल्क' की शुरूआती ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, 'किसी का भाई किसी की जान'' ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को महज 5 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब तक 87.15 करोड़ हो गई है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड स्तर पर एक सौ करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है,

लेकिन देशभर के सिनेमाघरों में बड़े पैमाने पर रिलीज हुई यह फिल्म एक सौ करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में नाकाम रही। फिल्म में पूजा हेगड़े, जस्सी गिल, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, पलक तिवारी, शहनाज गिल, विनाली भटनागर और साउथ के कलाकारों के साथ सलमान खान की भूमिकाओं के बावजूद यह फिल्म लोगों का दिल नहीं जीत पाई है।

करण और तेजस्वी प्रकाश एक साल से कर रहें डेट

-वीडियो के जरिए रिलेशन को लेकर किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश एक दूसरे को एक साल से डेट कर रहें हैं। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश टेलीविजन इंडस्ट्री के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। कपल को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता है। करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश कई कपलस के लिए कपल गोल सेट कर चुकें हैं। फैंस चाहते हैं कि कपल जल्द से जल्द शादी के बंधन में बंध जाए। कपल को लेकर अक्सर अच्छी खबरें सोशल मीडिया पर सामने आती हैं। हाल ही में तेजस्वी प्रकाश का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक्ट्रेस अपनी लव लाइफ के बारे में बात करते हुए रोते हुए नजर आ रहीं हैं। इस क्लिप में

देखा जा सकता है कि तेजस्वी और करण एक दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहें हैं। वीडियो में तेजस्वी कहती हैं, मैं अभी अच्छा समय बिता रही हूं।

इतना कहते ही वह भावुक हो जाती हैं, उनकी आंखों में आंसू आ जाते हैं। उन्हें बेहतर फील कराने के लिए करण उनके माथे को चूमते हैं। इसके आगे तेजस्वी कहती हैं, मैं सिर्फ फैंस के साथ शेयर करना चाहती हूं कि मैं आपके साथ कितनी खुश हूं। मैं वास्तव में खुश हूं। इस बीच करण, तेजस्वी को दिलासा देते हुए उन्हें माथे पर किस करते हैं तेजस्वी के बगल में बैठे करण अपनी मस्ती में मगन हैं। दूसरी ओर तेजस्वी, करण के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताते हुए वीडियो रिकॉर्ड करती देखी जा सकतीं हैं।

आलिया ने पाली में खरीदा नया अपार्टमेंट, बहन शाहीन को भी गिफ्ट किए दो घर

-खरीदे गए 2497 वर्गफीट के अपार्टमेंट की कीमत है 37.80 करोड़ रुपए

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस आलिया भट्ट मां बनने के बाद भले ही एक्टिंग से ब्रेक पर हैं, इसके बावजूद भी वह अक्सर सुर्खियां बटोरती हैं। अब हाल ही में आलिया ने अपने प्रोडक्शन हाउस के नाम से ब्रांदा वेस्ट के पाली हिल इलाके में एक अपार्टमेंट खरीदा है। उन्होंने कथित तौर पर 2 और घर खरीदे हैं और बहन शाहीन भट्ट को गिफ्ट किया है। आलिया भट्ट ने प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन के नाम से अपार्टमेंट खरीदा है, उसकी कीमत 37.80 करोड़ रुपए है। एक रिपोर्ट के अनुसार आलिया द्वारा खरीदा गया अपार्टमेंट 2497 वर्गफीट में फैला हुआ है और यह एरियल व्यू कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड में स्थित है। रिपोर्ट के मुताबिक आलिया भट्ट ने ये रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी कथित तौर पर गोल्ड स्ट्रीट मर्केंटाइल कंपनी प्राइवेट लिमिटेड से खरीदी है। इस अपार्टमेंट की डील 10 अप्रैल 2023 को रजिस्टर की गई थी। इसके लिए 2.26 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया था। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि आलिया भट्ट ने प्राइज सर्टिफिकेट के जरिए अपनी बहन शाहीन भट्ट को दो घर गिफ्ट किए हैं। एक्ट्रेस ने जो अपार्टमेंट बहन शाहीन को गिफ्ट किए हैं, इसकी मार्केट प्राइज 7.68 करोड़ रुपये है। बताया जा रहा है कि पहला घर 1197 वर्गफीट में फैला हुआ है और दूसरा फ्लैट 889.75 वर्गफीट में है।

तमन्ना और विजय फिर चर्चा में

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा इन दिनों खूब चर्चा में बने हुए हैं, क्योंकि दोनों अक्सर एक साथ स्पॉट किया गया है। वहीं, अब एक बार फिर दोनों को डिनर डेट पर जाते हुए देखा गया है। जिसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। सामने आए वीडियो में तमन्ना भाटिया और वियज शर्मा को एक साथ गाड़ी में डिनर पर जाते हुए देखा गया। इस दौरान तमन्ना ने सफेद टैंक और ग्रे जॉगर्स में देखा गया, तो वहीं, विजय कैजुअल चेक शर्ट और पैंट में दिखें। हालांकि, इस दौरान दोनों कैमरे से बचते नजर आए। फैंस भी दोनों को साथ देख कमेंट करने में चूक नहीं रहे हैं। एक

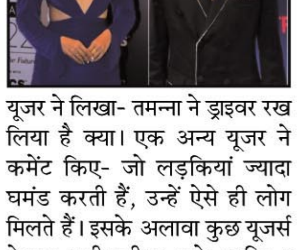

यूजर ने लिखा- तमन्ना ने ड्राइवर रख लिया है क्या। एक अन्य यूजर ने कमेंट किए- जो लड़कियां ज्यादा घमंड करती हैं, उन्हें ऐसे ही लोग मिलते हैं। इसके अलावा कुछ यूजर्स ने कपल की तारीफ करते हुए लिखा कि-प्यार में कोई छोटा बड़ा नहीं होता, सबकी अपनी पसंद है।

सूडोकु नवताल- 6414

★☆☆☆☆ सरल

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6413 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्दजाल - 7161

म	क	वि	वे	का	नं	द	ज	म	ल	त
द	आं	ल	प्रे	व	स	म्रा	ट	अ	शो	क
र	स	इ	म	दी	छ	स	आ	र्म	ख	पा
इं	स	ल	स्टी	दि	वा	स	ध	ल	श	इ
ड	अ	दो	ग	न	ज	ना	तू	ग	झ	थो
का	ली	दा	स	दि	अ	क	ब	र	घ	गो
ती	व	ल	मी	धी	प	च	जू	बा	व	र
क	एं	ऊ	गां	द	ब	क	र	ए	श	स
र	ड	त्मा	प	र्द	गी	स	री	क	प	स्तू
य	हा	ल	गै	ली	लि	यो	ऐ	ने	र	द
म	ड	ल	प	या	प	स	अ	अ	प	म

शब्द जाल में 10 विश्व विख्यात व्यक्तियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अरस्तू, अकबर, आंइस्टीन, विवेकानंद, महात्मा गांधी, सम्राट अशोक, कालीदास, पाइथोगोरस, गैलीलियो, चरक,

शब्दजाल - 7160 का हल

चे	क	ल	व	ग	आ	ना	क	प	ल	क
र	श	ल	न	व	जी	इ	द	इ	ट	कि
त	स	व	ल	र्म	छ	पु	य	रा	ख	स
क	ज	ज	न	पु	अ	ड	र	र	ल	ले
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	व
ज	ति	श	री	ह	झ	नि	ना	ण	घ	को
ती	आ	स	लि	या	प	ल	स	र	ला	ल
क	ता	शे	ई	सि	ब	ते	फ	न	श	पा
ने	बा	बे	न	व	जी	ल	बे	ग	प	कि
द	पा	त	प	न	जी	र्त	ऐ	त	प	स्ता
क	अ	ब	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6114

7		2		4		6
3	32		33	5	33	
	4	1				3
2	26		35		39	7
		3		6	5	
1	27	5	35		27	4
		4	7	1		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6113 का हल

1	5	2	3	7	4	6
6	29	7	40	6	38	1
3	1	4	6	5	2	7
2	24	5	34	1	32	4
5	1	3	6	4	7	2
4	31	6	30	3	32	5
7	4	1	5	2	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

आईपीएल की टीमों ने 6 इंग्लिश खिलाड़ियों को दिया ऑफर: इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ने के लिए 50 करोड़ तक की पेशकश

लंदन।
आईपीएल की कुछ फ्रेंचाइजी ने इंग्लैंड के टॉप-6 प्लेयर्स को अपनी कंट्री को छोड़कर साल भर दुनिया की टॉप लीग में अपनी टीम से खेलने का ऑफर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ फ्रेंचाइजी ने इसके लिए खिलाड़ियों से साल भर के लिए करार करने की कोशिश की है। हालांकि अखबार ने यह नहीं बताया है कि वह आईपीएल की कौन सी टीमें हैं और किन-6 इंग्लिश खिलाड़ियों से कॉन्टैक्ट किया गया है।

20 से 50 करोड़ रुपए सालाना का ऑफर

रिपोर्ट में कहा गया है कि खिलाड़ियों को आईपीएल के अलावा यूएई की ग्लोबल टी-20, अमेरिका में होने वाली टी-20 लीग और वेस्टइंडीज की सीपीएल लीग में खेलने की पेशकश की गई है। उन्हें कंट्री से खेलने के बजाय दुनिया भर की लीग में शामिल फ्रेंचाइजी की टीम से खेलने के लिए 20 करोड़ से 50 करोड़ रुपए के बीच सालाना ऑफर दिया गया है।

यह इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के केंद्रीय अनुबंध में शीर्ष खिलाड़ियों को मिलने वाली राशि से लगभग पांच गुना तक ज्यादा है। इंग्लैंड से पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से भी आईपीएल की इन फ्रेंचाइजी ने कॉन्टैक्ट किया था।

करार करने वाले खिलाड़ी को अपने देश से खेलने के लिए फ्रेंचाइजी से लेना होगा परमिशन

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कोई खिलाड़ी आईपीएल फ्रेंचाइजी से करार करता है तो उसे पहले फ्रेंचाइजी के लिए विभिन्न लीग में खेलने को प्राथमिकता देनी होगी। साथ ही अपने देश से खेलने के लिए फ्रेंचाइजी से अनुमति लेनी होगी।

फिलहाल फुटबॉल में ऐसा होता है। क्रिकेट में अभी ऐसा नहीं है। खिलाड़ी अपनी विभिन्न लीग में खेलने के लिए अपने देश के बोर्ड से परमिशन लेते हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों को आईपीएल के अलावा किसी अन्य लीग में खेलने पर बैन किया हुआ है।

दुनिया भर में आईपीएल फ्रेंचाइजियों की टीमें हैं

दुनिया भर की लीगों में आईपीएल फ्रेंचाइजियों की टीमें हैं। मुंबई की 5 टीमें हैं। उसने आईपीएल में मुंबई इंडियंस, एमआई केप टाउन, में एमआई एमिरेट्स, डब्लूपीएल में मुंबई इंडियंस खरीदी हैं। उसकी टीमें 4 देशों में अलग-अलग 5 लीगों में हिस्सा ले रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

बाबर आजम 4 साल में भी कप्तानी करना नहीं सीख पाए, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने बाबर आजम की कप्तानी शैली पर बड़ा आरोप लगाया है। यह बयान तब आया जब पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों पांचवें व अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच में शिकस्त मिली। कीवी टीम ने मार्क चैपमैन के शतक और

जेम्स नीशम की तूफानी पारियों की बदौलत पांचवें टी20 इंटरनेशनल मैच में पाकिस्तान को 6 विकेट से मात दी और सीरीज 2-2 से बराबर की। कामरान अकमल ने अपने यूट्यूब चैनल पर बाबर आजम की कप्तानी पर बड़ा आरोप लगाया और साथ ही कहा कि पाकिस्तान के पांचवें टी20 इंटरनेशनल मैच में हारने पर उन्हें हैरानी नहीं है। कामरान अकमल ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उनकी गलती के बारे में बात करें तो वो भटकाते हैं और हम पर आलोचना का आरोप लगाते हैं। मगर हमारा प्रमुख ध्यान उनकी कप्तानी पर है न कि उनके प्रदर्शन पर। हम उनकी क्षमताओं को लेकर अंधे नहीं हैं। बाबर आजम को चार साल बाद भी कप्तानी करते नहीं आती। उन्हें यह भी नहीं पता कि किस गेंदबाज को किस समय ओवर देना है। उनके हारने पर कोई हैरानी नहीं है क्योंकि वो लगातार एक जैसी गलती कर रहे हैं। हम अपनी गलती पर नियंत्रण नहीं कर सकते हैं और इसलिए न्यूजीलैंड विजेता बनकर उभरा। कामरान अकमल को बाबर आजम के पांचवें टी20 इंटरनेशनल मैच में फैसले पसंद नहीं आएं। उन्होंने कप्तान को सीख देते हुए कहा कि जब दो बाएं हाथ के बल्लेबाज क्रीज पर थे तब शादाब खान की जगह इफ्तिखार अहमद से गेंदबाजी कराना चाहिए थी। उन्होंने कहा, अगर दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज क्रीज पर हैं तो साधारण सी बात थी कि गेंद इफ्तिखार अहमद को गेंदबाजी दो।

वॉशिंगटन सुंदर आईपीएल के पूरे सीजन से बाहर: हैमस्ट्रिंग इंजरी की शिकायत, दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में लिए थे 3 विकेट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते सीजन के बचे हुए मैचों से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद ने इसकी जानकारी दी। हालांकि उनके रिप्लेसमेंट को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। दिल्ली

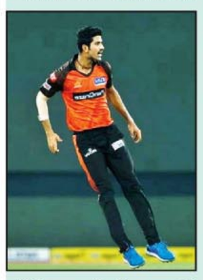

कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सुंदर ने तीन विकेट लिए थे। हैदराबाद ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर लिखा, वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण आईपीएल 2023 से बाहर कर हो गए हैं। हम उनके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। हैदराबाद ने सुंदर को आईपीएल 2022 की मेगा ऑक्शन में 8.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। वॉशिंगटन सुंदर ने इस सीजन में सात मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 100 के स्ट्राइक रेट 60 रन बनाए और तीन विकेट लिए हैं। सुंदर ने आईपीएल में 2017 में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट में 58 मैच खेले और 36 विकेट झटके हैं। 58 मैचों में उनके नाम 378 रन है। पॉइंट्स टेबल में हैदराबाद की टीम केवल दिल्ली से ही ऊपर है। हैदराबाद को सात मैचों में केवल दो में जीत मिली है और बाकी पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। हैदराबाद को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए बाकी बचे सात में से कम से कम पांच मैच जीतने जरूरी है। इस टीम को अपना अगला मैच 29 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है।

गोवा में अक्तूबर में होने वाले राष्ट्रीय खेलों का पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, पीटी उषा ने की बैठक

पणजी । गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि राज्य में अक्तूबर 2023 में होने वाले राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। सावंत इन खेलों की तैयारियों के संबंध में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के साथ बैठक करने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। गोवा के खेल मंत्री गोविंद गौड़े ने भी बैठक में हिस्सा लिया। सावंत ने कहा, 'राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन समारोह 23 या 24 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। यह प्रधानमंत्री के कार्यक्रम पर निर्भर करेगा।' उन्होंने इसके साथ ही बताया कि खेल 10 नवंबर तक आयोजित किए जाएंगे। खेलों का उद्घाटन समारोह दक्षिण गोवा के फतोर्डा में स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। आईओए प्रमुख उषा ने कहा कि गोवा राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए तैयार है।

अर्श से फर्श पर पहलवानों का जीवन; दिन में धरना, रात में मच्छर और बिजली कट

नई दिल्ली ।
सूर्योदय से पहले उठकर जोर लगाना और खिलाई पर ध्यान देने के अलावा दोपहर-रात की नींद पहलवानों की दिनचर्या का अहम हिस्सा है, लेकिन बजरंग, विनेश और साक्षी मलिक जब से धरने पर बैठे हैं। दोपहर की नींद नेताओं, यूनियन कर्मियों, खाप-पंचायत सदस्यों, छात्रों के समर्थन ने गायब कर रखी है तो रात में बिजली के कट और मच्छर कुछ घंटे की चैन की नींद नहीं लेने दे रहे हैं। खरखौदा स्थित घर के सदस्यों की ओर से लाई गई गाढ़े दूध की चाय भी विनेश के चेहरे पर आई थकान और आंखों की सूजन को उतारने में मदद नहीं कर पा रही थी। उनके मुंह से यही निकलता है, अब तो न्याय हासिल करना है। चाहे इसके लिए नींद जाए या बिजली के कट लगें या फिर कितने ही मच्छर काटें।

महंत ने संभाली प्रसाद और दर्शन की जिम्मेदारी

धरनास्थल पर 24 घंटे मीडिया की मौजूदगी है। रात में भी बेरीकेट के बाहर कुछ कैमरे तैनात रहते हैं, लेकिन सूर्य निकलते ही यहां गहमा-गहमी शुरू हो जाती है। पहलवानों के सामने सबसे बड़ी समस्या सुबह नहाने-धोने की थी। इसके लिए पास के ही होटल में इंतजाम कराए गए। पहलवान वहां से नहाकर वापस धरना स्थल पर बैठ जाते हैं। धरने पर भी पहलवान पूजा और भगवान का सहारा नहीं छोड़ रहे। चांदनी चौक के हनुमान मंदिर के महंत पावरलिफ्टिंग के पूर्व विश्वचैंपियन गौरव शर्मा ने पहलवानों को बजरंगबली के दर्शन कराए। मंदिर का प्रसाद पहलवानों को रोजाना दिया जाता है। धरने का संचालन विनेश के पति सोमबीर के दोस्त मंदीप कर रहे हैं। उनके मुताबिक अब तक 63 खापों, पंचायतों, यूनियनों और पार्टियों का उन्हें समर्थन मिल चुका है।

पहलवानी का नुकसान न हो इस लिए शुरू किया अभ्यास

विनेश मानती हैं की पहलवानों को सोने से बहुत प्यार है। सोने से ही उनकी ओर से की गई मेहनत की रिकवरी होती है। इसके लिए वह दिन में तीन घंटे जरूर सोया करती थीं। वह कहती हैं कि अब मच्छरदानी की व्यवस्था की है, लेकिन इसमें भी मच्छर घुस आते हैं, लेकिन उनके संघर्ष के आगे यह कष्ट कुछ नहीं है। वे सभी इसे झेलने के लिए तैयार हैं। पहलवानी का नुकसान नहीं हो इसके लिए उन्होंने धरना स्थल पर ही अभ्यास शुरू किया है। विनेश कहती हैं आखिर करनी तो पहलवानी ही है, इस लिए शरीर को तो दुरुस्त रखना ही होगा।

जूस, बादाम, खाने की नहीं कोई समस्या

पहलवानों का धरना जब शुरू हुआ तो बजरंग के साथ संगीता फोगाट, विनेश के साथ उनके पति सोमबीर, साक्षी मलिक के साथ उनके पति सत्यव्रत कादियान और पहलवान जितेंदर कुमार के अलावा गिनती के लोग थे, लेकिन इन पहलवानों ने अपने समर्थन में खापों, पंचायतों, किसान यूनियनों और राजनीतिक पार्टियों से समर्थन की अपील क्या की कि धरने की सूरत ही बदल गई। न सिर्फ धरने की जगह बदल गई बल्कि वहां तंबू-कनातें भी लग गए। पहलवान अपने साथ ज्यादा कपड़े भी नहीं लाए थे। अब कपड़ों का भी पूरा इंतजाम है और खाने की भी कोई समस्या नहीं है। धरने पर समर्थन के लिए जो भी आता है उसकी अगवानी करने खुद बजरंग, विनेश, साक्षी जाते हैं। उन्हें न सिर्फ धरने पर दल-बल बढ़ाने का आश्वासन मिलता है बल्कि खाने-पीने की चिंता से मुक्त रहने के लिए कहा जाता है। धरना स्थल पर जूस से लेकर बादाम, मखाने, मिठाई और खाने के पैकेट सभी का इंतजाम उपलब्ध रहता है।

मेरी बेटी तो वजन के लिए दो दिन भूखी रहती है फिर यह धरना तो कुछ नहीं

धरना स्थल पर साक्षी के ससुर पूर्व अर्जुन अवार्डी पहलवान सत्यवान और उनकी मां सुदेश मलिक भी पहुंच गए। सुदेश कहती हैं कि अगर बच्चों का वे अब समर्थन नहीं करेंगे तो कब करेंगे। इन्होंने बड़ा फैसला लिया है। मां-बाप होने के नाते हमारा फर्ज है कि इनके साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े हों। वह कहती हैं कि उनकी बेटी का यह कष्ट कुछ नहीं है, जब वह कुश्ती लड़ने के लिए अपना वजन कम करने के लिए दो-दो दिन खाना नहीं खाती है और 24 घंटे से ज्यादा समय तक पानी नहीं पीती है तो उस कष्ट से सामने यह कुछ नहीं है। उनकी बेटी के संघर्ष का फायदा युवा पहलवानों को मिलेगा।

कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी डब्लूटीसी फाइनल खेल सकेंगे

बीसीसीआई कोरोना नियमों में कर सकती है बदलाव, 5 दिन रहना पड़ता है क्वारैंटाइन

मुंबई।
कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी भी डॉक्टरों की सलाह पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेल सकेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अपनी कोविड पॉलिसी में परिवर्तन करने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ही कोविड पॉलिसी को अपनाने का विचार कर रहा है। दरअसल बीसीसीआई की कोरोना पॉलिसी के अनुसार खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव होने के बाद 5 दिन तक क्वारैंटाइन रहेगा। कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही वह खेल सकेगा। वहीं आईसीसी ने अपने कोरोना नियमों में पहले ही बदलाव कर चुका है। आईसीसी के नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव होने के बाद भी टीम डॉक्टरों की सलाह पर खेल सकता है। अगर टीम डॉक्टर उन्हें खेलने के लिए फिट मानते हैं तो खिलाड़ी खेल सकता है। कुछ शर्तों के आधार पर कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी खेल सकेंगे डब्लूटीसी फाइनल बीसीसीआई कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ियों को डब्लूटीसी फाइनल में देने की अनुमति कुछ शर्तों के आधार पर देगा और पॉजिटिव खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम साझा नहीं करेगा। वह हर समय मास्क पहनेगा और टीम के खिलाड़ी से अलग रहेगा खेलने की अनुमति देने से पहले डॉक्टरों की टीम उसके स्वास्थ्य की जांच करेगी और उसके बाद अंतिम फैसला करेगी। पॉजिटिव खिलाड़ी को ग्राउंड पर मास्क पहनना होगा। साथ ही उसे टीम के साथ जश्न मनाने की मनाही होगी। कॉमनवेल्थ गेम्स में कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी भी खेले थे कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के टी-20 में कोरोना पॉजिटिव खिलाड़ी भी खेलने के लिए मैदान में उतरी थीं। रोहित शर्मा पिछले साल इंग्लैंड में कोरोना की वजह से नहीं खेल पाए थे पांचवां टेस्ट बीसीसीआई की कोरोना नियमों की वजह से ही रोहित शर्मा पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह पर जसप्रीत बुमराह को टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। इस टेस्ट में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था।

17 महिला खिलाड़ियों को मिला बीसीसीआई का एनुअल कॉन्ट्रैक्ट: टॉप महिला क्रिकेटरों को सालाना 50 लाख रुपए; रोड्रिग्ज और रिचा घोष प्रमोट

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2022-23 सीजन के लिए टीम इंडिया की 17 महिला खिलाड़ियों को सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिए जाने की घोषणा की है। जेमिमा रोड्रिग्ज और रिचा घोष ग्रेड बी में प्रमोट की गई हैं। पूजा वस्त्राकर बी से ए में पहुंच गई हैं। बीसीसीआई ने 17 में से 3 खिलाड़ियों हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ती शर्मा को ग्रेड ए में रखा है। इन तीनों को 50-50 लाख रुपए मिलेंगे। रेणुका सिंह और शेफाली वर्मा सहित पांच खिलाड़ियों को ग्रेड बी में रखा गया है। मेघना सिंह और स्नेह राणा सहित 9 खिलाड़ी ग्रेड सी में हैं। ग्रेड बी में मौजूद खिलाड़ियों को 30-30 लाख रुपए और ग्रेड सी में मौजूद खिलाड़ियों 10-10 लाख रुपए मिलेंगे। पिछले साल भी तीनों ग्रेड के लिए यही रकम दी गई थी।

वहीं पिछले महीने बीसीसीआई ने 2022-23 के सीजन के लिए पुरुष खिलाड़ियों का भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया था। इस सूची में 26 खिलाड़ियों को शामिल किया गया था। ग्रेड + में इस बार चार खिलाड़ी हैं, जबकि हर बार तीन खिलाड़ियों को ही इस ग्रेड में जगह मिलती है। ग्रेड ए में पांच, बी में छह, सी में 11 खिलाड़ी शामिल किए गए थे।

महिलाओं को 2015 में मिला था करार

साल 2015 में महिला क्रिकेटर्स को पहली बार कॉन्ट्रैक्ट मिला। तब ग्रेड ए में 15 लाख और बी में 10 लाख मिलते थे। तब पुरुष क्रिकेटर्स को ए ग्रेड में एक करोड़, बी में 50 लाख व सी में 30 लाख मिलते थे। 2018 में महिला वर्ग में ग्रेड सी शामिल हुआ। महिला क्रिकेटर्स को ग्रेड ए में 50 लाख, बी में 30, सी में 10 लाख राशि मिलती है। वहीं पुरुषों को ए+ में 7 करोड़, ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़, सी में एक करोड़ मिलते हैं।

खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित को गावस्कर की सलाह: कहा- कुछ समय के लिए क्रिकेट से ब्रेक लें ताकि डब्लूटीसी के लिए खुद को फिट रख सकें

नई दिल्ली ।
आईपीएल 2023 में खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने सलाह दी है। रोहित टीम इंडिया के कप्तान भी हैं। ऐसे में गावस्कर का कहना है- रोहित को मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग से थोड़े समय के लिए ब्रेक लेना चाहिए। ताकि वह जून में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए खुद को फिट रख सकें। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए कहा, मैं मुंबई के बैटिंग क्रम में कुछ बदलाव देखना चाहता हूं। मुझे लगता है कि रोहित शर्मा को थोड़ा ब्रेक लेना चाहिए और खुद को डब्लूटीसी फाइनल के लिए फिट रखना चाहिए। वे कुछ मैचों के बाद बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन अभी उन्हें थोड़ी राहत की जरूरत है। वे अभी काफी ज्यादा

बेचैन लग रहे हैं। हो सकता है कि वे इस समय डब्लूटीसी के बारे में सोच रहे हों, मुझे नहीं पता। गावस्कर ने आगे कहा, अभी मुंबई जिस स्थिति में है वैसे में अगर वे प्लेऑफ में जगह बनाते हैं तो यह चमत्कार होगा। वे नंबर चार पर रह सकते हैं, लेकिन उन्हें बल्लेबाजी और गेंदबाजी में असाधारण प्रदर्शन करना होगा। रोहित ने सात मैचों में अब तक 181 रन बनाए हैं, इसमें एक अर्धशतक शामिल है। उनका औसत 25.86 और स्ट्राइक रेट 135.07 है। एमआई ने इस सीजन में अभी तक सात मैच खेले हैं। मुंबई को तीन मैचों में जीत और चार मैचों में हार मिली है। टीम अभी पॉइंट्स टेबल में सातवें नंबर पर काबिज है।

गुजरात के खिलाफ एमआई को मिली हार

आईपीएल 2023 का 35वां मैच मुंबई और गुजरात के बीच खेला गया था। जिसमें गुजरात ने 55 रन से जीत दर्ज की। यह साल 2017 के बाद से रनों के लिहाज से मुंबई की सबसे बड़ी हार थी। रोहित इस मैच में 8 गेंदों में सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हो गए।

डब्लूटीसी फाइनल 7 जून से 11 जून तक खेला जाएगा

बता दें कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। टीम की कमान रोहित के हाथों में है। स्क्वॉड की बात करें तो आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे अजिंक्य रहाणे को टीम में जगह दी गई है। डब्लूटीसी फाइनल इंग्लैंड के ओवल मैदान पर 7 जून से 11 जून तक खेला जाएगा।

जयपुर में धोनी के आखिरी मैच से पहले विवाद खत्म

खेल विभाग ने एसएमएस स्टेडियम में निर्माण की राजस्थान रॉयल्स को दी मंजूरी

जयपुर।
राजस्थान में आईपीएल के आयोजन को लेकर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। आईपीएल के पहले मैच में सवाई मानसिंह स्टेडियम में किए गए निर्माण को लेकर खेल मंत्री ने अवैध बताते हुए स्टेडियम के एक स्टैंड को सीज कर दिया था। वहीं, होने वाले दूसरे मैच से पहले निर्माण की स्वीकृति लेने की बात कही थी। मैच से पहले खेल विभाग ने राजस्थान रॉयल्स को स्टेडियम में हुए निर्माण की स्वीकृति दे दी है।

इससे पूर्व राजस्थान रॉयल्स की ओर से अनुमति को लेकर आवेदन किया था। इसको लेकर खेल मंत्री अशोक चांदना ने भी नियम अनुरूप कार्रवाई करने की बात कही थी। खेल सचिव नरेश ठकराल ने राजस्थान रॉयल्स को इसकी स्वीकृति दी। इसके तहत 4 लाख रुपए निर्माण के साथ 20 लाख रुपए की अमानत राशि राजस्थान रॉयल्स खेल विभाग में जमा करवाएगा।

बिना अनुमति निर्माण को लेकर हुआ था विवाद - बता दें कि एसएमएस स्टेडियम में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की देखरेख में राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट ने वीआईपी स्टैंड का निर्माण कराया था। इसकी शिकायत खेल मंत्री अशोक चांदना को मिली थी। इसके बाद 19 अप्रैल को वह स्टेडियम पहुंचे। वहां उन्होंने आरसीए और राजस्थान रॉयल्स पर अवैध निर्माण कराने का आरोप लगाया था।

1 हजार सीटें हो गई थीं ब्लॉक - 19 अप्रैल को मैच से पहले स्टेडियम पहुंचकर खेल परिषद के ऑफिस के पास ताला लगा दिया गया। इस वजह से लगभग 1000 सीटें ब्लॉक हो गई थीं। इनमें वीआईपी और वीवीआईपी सीटें शामिल थीं।

खेलमंत्री अशोक चांदना का कहना था कि राजस्थान रॉयल्स ने बिना अनुमति स्टेडियम में आरसीसी के साथ पक्का निर्माण कराया है। इसके लिए उन्हें खेल विभाग से अनुमति लेनी चाहिए थी। बगैर अनुमति यह गैर कानूनी है। इसके अलावा स्पोर्ट्स काउंसिल के दफ्तरों के बाहर भी बॉक्स बना दिए गए। राजस्थान रॉयल्स का कहना था कि उन्होंने एक भी काम बिना अनुमति नहीं किया है। रॉयल्स के अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने हर चीज की अनुमति ली है। इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी बिना अनुमति कोई काम नहीं करेगी।

10 मार्च को स्पोर्ट्स काउंसिल ने दी थी स्वीकृति - इस बीच, 10 मार्च का एक पत्र सामने आया, जिसमें स्पोर्ट्स काउंसिल की ओर से राजस्थान रॉयल्स को स्टेडियम में अस्थाई निर्माण करने की स्वीकृति दी गई है।

इस पत्र में स्पोर्ट्स काउंसिल के सेक्रेटरी डॉ. गोवर्धन लाल शर्मा ने रॉयल्स के राजीव खन्ना को स्टेडियम में प्रशासनिक भवन के सामने स्थित पवेलियन एरिया में अस्थाई निर्माण की स्वीकृति दी है। यह अनुमति 300 स्क्वायर मीटर में दी गई। इसके लिए 11 लाख 19 हजार रुपए सिक्योरिटी राशि और 3 लाख 81 हजार रुपए किराए सहित 15 लाख रुपए लिए गए। इस अनुमति की शर्तों में रॉयल्स को कहा गया कि वे स्टेडियम कैंपस को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। अगर वे ऐसा करते हैं तो सिक्योरिटी राशि जब्त कर ली जाएगी।

क्या होता है मेज़ानाइन एंट्रेसोल - मेज़ानाइन दरअसल किसी भी निर्माण का एक आकार है। वास्तुकला में मेज़ानाइन या एंट्रेसोल किसी इमारत की मुख्य मंजिलों के बीच की एक मध्यवर्ती मंजिल होती है। आम तौर पर इसे इमारत की कुल मंजिलों में नहीं गिना जाता है। मेज़ानाइन की छत अक्सर काफी नीची होती है और यह एक बालकनी के रूप में दिखाई देती है। रॉयल्स ने कुछ ऐसा ही निर्माण किया। मगर इसके जो पिलर्स बनाए वो आरसीसी के पक्के पिलर्स बनाए, जिन्हें नींव के लिए भी इस्तेमाल किया गया।

मैच में बारिश की भी संभावना - जयपुर के मैच में बारिश भी खलल डाल सकती है। दरअसल, राजस्थान में एक्टिव हुए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण आधे प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर शुरू हो सकता है। जयपुर संभाग के सीकर, अलवर और झुंझुनूं के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि देर शाम को जयपुर में भी मौसम में बदलाव होने की संभावना है और बादल छाने के साथ कहीं-कहीं तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

शास्त्र वस्त्र संहिता...

रोजमर्रा के जीवन में व्यक्ति जो भी काम करता है उसका संबंध भूत, भविष्य और वर्तमान से होता है। जीवन में जो भी कार्य किए जाएं वो शास्त्र सम्मत होने चाहिए न की अपनी इच्छा के अनुसार करने चाहिए। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। कपड़ों से संबंधित कुछ खास बातों को ध्यान में रखने से व्यक्ति कभी गरीब नहीं होता। शास्त्रों में कहा गया है की नहाने के बाद गिले वस्त्रों को ऊपर से उतारना चाहिए। नदी में स्नान करने के बाद कपड़ों को ऊपर से नीचे की ओर उतारें। भीगे हुए कपड़ों की चार परत करने के बाद निचोड़ें। कपड़े सुखाते समय पूर्व से या उत्तर से दक्षिण की ओर फैलाना चाहिए। निचोड़े हुए कपड़ों को कंधे पर नहीं रखना चाहिए। नग्न अवस्था में स्नान न करें। शास्त्र वस्त्र संहिता के अनुसार एक वस्त्र धारण करके न तो भोजन करें, न यज्ञ करें, न दान करें, न अग्नि में आहूति दें, न स्वाध्याय करें, न पितृ तर्पण करें। जिसकी किनारी या मगजी न लगी हो, ऐसे वस्त्र धारण करने योग्य नहीं। पहले के पहने हुए वस्त्र को बिना धोए पुनः नहीं पहनना चाहिए। वस्त्र के ऊपर जल छिड़क कर ही उसे पहनना चाहिए। धन के रहते हुए पुराने और मैले वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। मनुष्य को भीगे हुए वस्त्र नहीं पहनने चाहिएं। अधिक लाल, रंग बिरंगे, नीले और काले रंग के वस्त्र धारण करना उत्तम नहीं। कपड़ों और गहनों को उल्टा कभी न पहनें।

मोमबत्ती से हो सकती हैं ये खतरनाक बीमारियां

मोमबत्ती का जलाने का शौक आपको भारी पड़ सकता है। मोमबत्ती के पैराफीन के जलने से बेंजीन और टोल्यूनी धुएं में फैलते हैं, जिससे कैंसर होता है। किडनी में गांठ हो सकती है। पैराफीन का धुआं किडनी में गांठ खतरा पैदा कर देता है। कैंडल्स से निकले पैराफीन वैक्स अस्थमा और सांस से संबंधित समस्याएं होने का डर रहता है। सिरदर्द और एलर्जी की समस्या पैदा हो सकती है।

खुजली हो या दांत का दर्द हींग है कारगर

सब्जी व दाल में तड़का लगा कर उनका स्वाद बढ़ाने वाली हींग कई बीमारियों के लिए फायदेमंद मानी जाती है। खाज-खुजली से लेकर पेट संबंधी सभी परेशानियों का अंत कर देती है हींग।

त्वचा संबंधी रोग: दाद, खाज, खुजली या अन्य त्वचा संबंधी परेशानी होने पर हींग को पानी में घिसकर उस स्थान पर लगाएं।

दांत में कीड़ा: दांत में कीड़ा लगने पर हींग का छोटा टुकड़ा सोते वक्त दांत में दबाकर सोएं। इसे पानी में उबालकर कुल्ला करने से दांतों के दर्द में लाभ होता है।

पेट संबंधी परेशानी: इसमें मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेट्री व एंटीऑक्सीडेंट्स पेट संबंधी परेशानियों जैसे अपच, एसिडिटी आदि में सहायक हैं। एसिडिटी होने पर थोड़ी हींग को अजवाइन व काले नमक के साथ लेने से लाभ होता है। वहीं इसे पानी में घिसकर नाभि के आसपास लगाने से भी आराम मिलता है।

खांसी में फायदेमंद: चुटकीभर हींग अदरक व शहद के साथ खाने से खांसी दूर होती है।

क्या वर्कआउट के बाद जरूरी है मसाज

वर्कआउट के बाद मसाज कराने में कोई परेशानी नहीं है। बल्कि इससे तो फयदा ही होता है, मसाज से ना केवल बेहतर महसूस होता है बल्कि मसल्स रिलेक्स होते हैं और दर्द दूर करने में भी सहायता मिलती है। कई बार एक्सरसाइज की शुरुआत करने पर मांसपेशियों में दर्द होता है। इसे एक्सरसाइज के दौरान होने वाला डीओएमएस यानि मांसपेशियों का शुरुआती दर्द कहते हैं। लेकिन आपको परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि पहली बार एक्सरसाइज करने पर थोड़ा दर्द होता हैं, लेकिन एक्सरसाइज करना छोड़ना नहीं चाहिए।

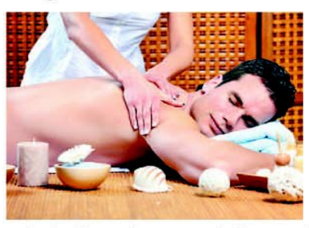

शोध करता है समर्थक: मसाज से रक्त संचार बेहतर होता है और एक्सरसाइज के बाद होने वाले मांशपेशियों के दर्द को भी इससे कम करने में मदद मिलती है। वर्कआउट के बाद डीप टिश्यू मसाज लेने से पोषक तत्वों को ऊर्जा में बदलने में मदद मिलती है। मेडिसीन एंड साइंस इन स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, मसाज लेना वर्कआउट के बाद होने वाली पीड़ा से छुटकारा पाने के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। आप एक्सरसाइज करने के थोड़ी देर बाद कुछ समय के लिए आराम भी कर सकते हैं। इससे एक्सरसाइज करने पर होने वाला दर्द कम हो जाता है। पूरी नींद लें कम से कम आठ घंटे सोने से हार्मोन का उत्पादन बढ़ता है जिससे टिशू रिपेयर और विकास में मदद मिलती है। सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर रमोना ब्रागैंजा के अनुसार, अगर आप हफ्ते में पांच बार वर्कआउट करते हैं, तो आपको हफ्ते में एक बार मसाज करानी चाहिए। अगर आप हफ्ते में कुछ ही दिन वर्कआउट करते हैं, तो आप दो हफ्तों में एक बार या एक महीने में एक बार मसाज करा सकते हैं।

खीरे के अद्भुत स्वास्थ्यवर्धक लाभ

खीरा सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके सौंदर्य लाभ के बारे में तो आपने काफी कुछ सुना होगा, लेकिन यह आपकी सेहत के लिए कितना और किस तरह फायदेमंद है इसके बारे में आज हम आपको बताते हैं। कम फैट व कैलोरी से भरपूर खीरे का सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक है।

सलाद के तौर पर प्रयोग किए जाने वाले खीरे में इरेप्सिन नामक एंजाइम होता है, जो प्रोटीन को पचाने में सहायता करता है। खीरा पानी का बहुत अच्छा स्रोत होता है, इसमें 96 प्रतिशत पानी होता है। खीरे में विटामिन ए, बी1, बी6 सी, डी पौटेशियम, फास्फोरस, आयरन आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। नियमित रूप से खीरे के जूस शरीर को अंदर व बाहर से मजबूत बनाता है। खीरा कब्ज से मुक्ति दिलाने के साथ ही पेट से जुड़ी हर समस्या में फायदेमंद साबित होता है। इसके अलावा एसिडिटी, छाती की जलन में नियमित रूप से खीरा खाना लाभप्रद होता है।

बालों व त्वचा की देखभाल

खीरे में सिलिकन व सल्फर बालों की ग्रोथ में मदद करते हैं। अच्छे परिणाम के लिए आप चाहें तो खीरे के जूस को गाजर व पालक के जूस के साथ भी मिलाकर ले सकते हैं। फेस मास्क में शामिल खीरे के रस त्वचा में कसाव लाता है। इसके अलावा खीरा त्वचा को सनबर्न से भी बचाता है। खीरे में मौजूद एस्कोरबिक एसिड व कैफीक एसिड पानी की कमी(जिसके कारण आंखों के नीचे सूजन आने लगती है।) को कम करता है।

कैंसर से बचाए

खीरा के नियमित सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। खीरे में साइकोइसोलएरीक्रिस्नोल, लैरीक्रिस्नोल और पाइनोरिस्नोल तत्व होते हैं। ये तत्व सभी तरह के कैंसर जिनमें स्तन कैंसर भी शामिल है के रोकथाम में कारगर हैं।

मासिक धर्म में फायदेमंद

खीरे का नियमित सेवन से मासिक धर्म में होने वाली परेशानियों से छुटकारा मिलता है। लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान काफी परेशानी होती है, वो दही में खीरे को कसकर उसमें पुदीना, काला नमक, काली मिर्च, जीरा और हींग डालकर रायता बनाकर खाएं इससे उन्हें काफी आराम मिलेगा।

मधुमेह व रक्तचाप में फायदेमंद

मधुमेह व रक्तचाप की समस्या से बचने के लिए नियमित रुप से खीरे का सेवन फायदेमंद हो सकता है। खीरे के रस में वो तत्व हैं जो पैनक्रियाज को सक्रिय करते हैं। पैनक्रियाज सक्रिय होने पर शरीर में इंसुलिन बनती है। इंसुलिन शरीर में बनने पर मधुमेह से लड़ने में मदद मिलती है। खीरा खाने से कोलस्ट्रोल का स्तर कम होता है। इससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका कम रहती है। खीरा में फाइबर, पोटैशियम और मैगनीशियम होता है जो ब्लड प्रेशर दुरुस्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। खीरा हाई और लो ब्लड प्रेशर दोनों में ही एक तरह से दवा का कार्य करता है।

वजन कम करने में मददगार

जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उन लोगों के लिए खीरे का सेवन काफी फायदेमंद रहता है। खीरे में पानी अधिक और कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन कम करने के लिए यह अच्छा विकल्प हो सकता है। जब भी भूख लगे तो खीरे का सेवन अच्छा हो सकता है। सूप और सलाद में खीरा खाएं। खीरा में फाइबर होते हैं जो खाना पचाने में मददगार होते हैं।

आंखों के लिए लाभकारी

अक्सर फेसपैक लगाने के बाद आंखों की जलन से बचने के लिए खीरे को स्लाइस की तरह काटकर आंखों की पलक के ऊपर पर रखते हैं। इससे आंखों को ठंडक मिलती है। खीरा की तासीर जलन कम करने की होती है। जरूरी नहीं है कि सिर्फ फेसपैक लगाने के बाद ही ऐसा कर सकते हैं। जब भी आंखों में जलन महसूस हो तो आप खीरे की मदद ले सकते हैं।

मसूड़े स्वस्थ रखता है

खीरा खाने से मसूड़ों की बीमारी कम होती हैं। खीरे के एक टुकड़े को जीभ से मुंह के ऊपरी हिस्से पर आधा मिनट तक रोकें। ऐसे में खीरे से निकलने वाला फाइटोकैमिकल मुंह की दुर्गंध को खत्म करता है।

जोड़ों की दवा

खीरे में सीलिशिया प्रचुर मात्रा में होता है। इससे जोड़ों को मजबूती मिलती है और टिशू परस्पर मजबूत होते हैं। गाजर और खीरे का जूस मिलाकर पीने पर गठिया बाय रोग में मदद मिलती है। इससे यूरिक एसिड का स्तर भी कम होता है।

तो आम सा दिखने वाला खीरा कई गुणों से भरपूर होता है। तो, बिना देर किए आप खीरे को अपने आहार और सलाद का हिस्सा बनाइए।

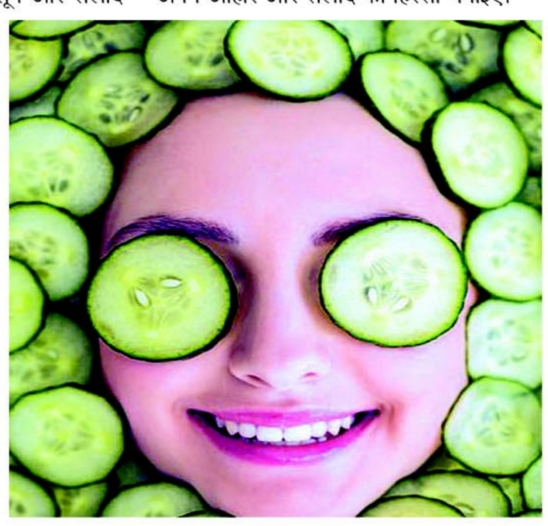

ये काम करने से आएगी अच्छी नींद

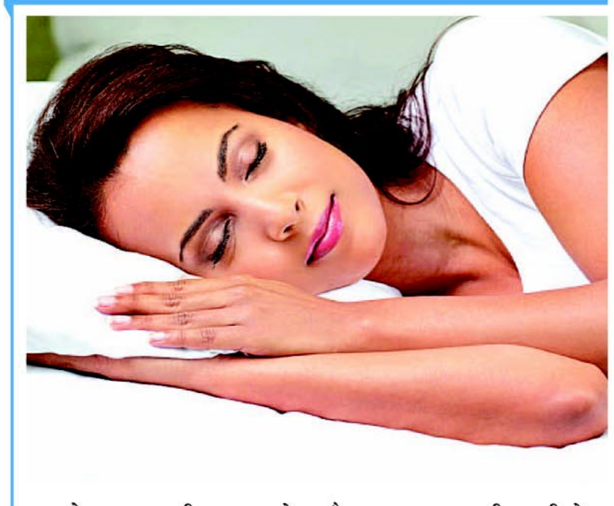

पूरे सप्ताह एक ही वक्त पर सोना और समय पर उठना ही अच्छी सेहत बनाता है और बीमारियों से दूर रहने में मदद करता है। वैसे तो हम सभी हर रोज सोते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि अच्छी व सेहतमंद नींद कैसी होती है और इसका क्या महत्व है।

कुछ विशेष प्रक्रियाएं सामान्य, गुणत्तापूर्ण नींद और दिनभर चुस्त रहने के लिए सेहतमंद नींद के लिए जरूरी हैं। सबसे ज्यादा जरूरी है नींद का समय निर्धारित होना। सोइए अपने शरीर की जरूरतों के अनुसार न कि बहुत कम या बहुत ज्यादा।

देश के ज्यादातर लोगों को यह जानकारी नहीं है कि मोटापा, तनाव, हाईपरटेंशन, मधुमेह, दिल के रोग आदि बीमारियां अनियमित निद्रा से जुड़ी हुई हैं। नींद की अनियमितता रिश्तों में तनाव, कामकाज की क्षमता पर प्रभाव, दुर्घटनाओं, याददाश्त और अन्य कमजोरियों और खराब किस्म के जीवन का कारण बनती है।

इन बातों का रखें ध्यान

* हर रोज एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें।
* अपने शयनकक्ष को सोने और अतरंग पलों के लिए ही रखें।
* अपने शयनकक्ष से टीवी, कंप्यूटर, स्मार्टफोन या टैबलेट और अन्य ध्यान भटकाने वाली चीजें दूर रखें।
* बहुत जरूरी हो तभी दिन में झपकी लें। बहुत ज्यादा नींद आने पर दोपहर में ली गई झपकी रात में हुई नींद की कमी को पूरा करने के लिए बेहतर विकल्प है, लेकिन यही झपकी आपके सोने की क्रिया को अस्त-व्यस्त भी कर सकती है।
* अगर फिर भी झपकी की जरूरत हो तो इसे 20 से 30 मिनट तक सीमित रखें।
* दोपहर के बाद कैफीन से दूर रहें और शराब भी बहुत कम लें।
* शराब नींद लाने का काम कर सकती है, लेकिन यह नींद को बिगाड़ भी कर सकती है।
* नियमित व्यायाम करें, लेकिन सोने से तीन घंटे पहले न करें।
* कामकाजी दिनों में नियमित व्यायाम जरूर करें और जरूरत पड़ने पर सप्ताहांत में नींद की कमी पूरा करें।

इस काम में अपार संभावनाएं मौजूद

कॅरियर के लिए आर्ट-रिस्टोरर बनना बेहतर

ा हमेशा से अपने कॅरियर ' लेकर काफी गंभीर होते क्योंकि कॅरियर के चुनाव ही उनके जिंदगी की मयाबी जुड़ी होती है। ऐसे वे इसमें बहुत सावधानी तते हैं। इन दिनों आर्ट स्टोरर के क्षेत्र में काफी भावनाएं मौजूद हैं। एक र्ट रिस्टोरर बनकर आप मानजनक वेतन हासिल र सकते हैं। इनकी मांग गातार बढ़ती जा रही है।

मिलेगी सरकारी नौकरी

प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है आर्ट रिस्टोरेशन, जिसमें पुराने किलों पर हुए आर्ट वर्क जो खराब हो चुके होते हैं उनकी मरम्मत करनी होती हैं। देश की धरोहर समझी जाने वाली प्राचीन कलाकृतियां या मूर्तियां, उनके रख रखाव का काम आर्ट रिस्टोरर का होता हैं। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है और आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है या कोर्स खत्म होने पर सरकारी नौकरी भी मिल सकती हैं ।

प्रमुख संस्थान...

- नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

फाइन आर्ट की जानकारी जरूरी

इस कॅरियर में जाने से पहले फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स करवाया जाता है , जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में पूरा ब्योरा दिया जाता हैं। कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्कि टेक्चर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रैजुएट की डिग्री होनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा अनुभव प्राप्त करने के लिए आपको किसी अच्छे आर्ट रिस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है।

रेसिपी

पनीर मक्खनी

सामग्री

ग्रेवी के लिए: 2 कप कटे हुए टमाटर, 1 कप स्लाईस्ड प्याज, 1/2 कप काजू, 4 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टोड़ी हुई, **अन्य सामग्री:** 3 टेबल-स्पून मक्खन, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 25mm दालचीनी का टुकड़ा, 3 लौंग, 2 इलायची, 2 तेज़पत्ता, 1 टेबल-स्पून कसूरी मेथी, 2 टी-स्पून गरम मसाला, 1/2 कप टमाटर की प्युरी, नमक स्वादअनुसार, 1/4 कप फेंटा हुआ ताज़ा दही, 1 टी-स्पून शक्कर, 4 टेबल-स्पून फेश क्रीम, 2 कप पनीर की पट्टीयां

विधि

ग्रेवी के लिए: सभी सामग्री को 11/2 कप पानी के साथ एक गहरे कढ़ाई मे मिलाकर उच्च तापमान पर 10-15 मिनट के लिये या टमाटर के नरम होने तक, बीच-बीच मे हिलाते हुए उबाल लें। ठंडा कर मिक्सर मे पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** गहरे कढ़ाई मे मक्ख़न गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। दालचीनी, लौंग, इलायची और तेज़पत्ता डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड और भुनें। कसूरी मेथी, गरम मसाला, टमाटर की प्युरी, तैयार मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट पकाएं। दही डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आँच पर एक और मिनट तक पकायें। शक्कर, 1/4 कप पानी, पनीर और क्रीम डालकर हल्के हाथों मिलायें और मध्यम आच पर 2 मिनट तक पकाएं। फ्रेश क्रीम से सजाकर गरमा गरम परोसें।

पनीर टमाटर पराठा

सामग्री

चपाती के लिए: 1 1/2 कप गेहूं का आटा, नमक स्वादअनुसार, 1 1/2 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने और पकाने के लिए, गेहूं का आटा , बेलने के लिए

मिलाकर भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 1/2 कप चूरा किया हुआ लो-फॅट पनीर, 3/4 कप बीज निकाले हुए और कटे हुए टमाटर, 1/4 कप कटी हुई पीली शिमला मिर्च, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार

विधि

चपाती के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिला लें और ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। आटे को ढ़क्कन से ढ़ककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। आटे को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, मुलायम होने तक दुबारा गूंथ लें।

आगे बढ़ने की विधी: भरवां मिश्रण को 10 भाग में बांट लें और एक तरफ रख दें। आटे को भी 10 भाग में बांट लें। आटे के 1 भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, 150 मिमी। व्यास के गोल आकार में बेल लें। गोले के आधे भाग में भरवां मिश्रण का एक भाग रखें और चंद्राकार में मोड़ ले। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर पराठे को उसके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

इसलिए बढ़ जाता है हृदय रोग का खतरा

हृदय रोग या स्ट्रोक के कई कारण होते हैं। इसमें हमारे जींस तथा लिंग एक बड़ी भूमिका अदा करते हैं लेकिन अधिकांश के लिए वे जो खाते हैं वह महत्वपूर्ण है। अच्छी खबर यह है कि अपनी डाइट में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके आप कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं, जिससे हृदय रोग तथा स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

- कम फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। ऐसे डेयरी उत्पादों से बचें जिनमें होल मिल्क या क्रीम शामिल हो। इसके विपरीत कम फैट वाले या बिना फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। कम फैट वाले स्नैक्स जैसे घर पर बने पॉपकार्न, गाजर, ड्राईफ्रूट्स या ताजा फलों का सेवन करें।
- स्टोर से खरीदे गए बेकरी उत्पादों के सेवन से बचें,जब तक कि उनमें सैचुरेटिड फैट्स कम न हों और वे ट्रांसफैट्स से रहित न हों। मक्खन या मार्गारीन की बजाय तरल कुकिंग ऑयल्स का इस्तेमाल करें। नस्टिक पैन्स का इस्तेमाल करें।
- अपने भोजन को फ्राई करने की बजाय इसे बेक, रोस्ट या स्टीम करें। पाम तथा कोकोनट ऑयल्स का प्रयोग न करें। अधिकतर वनस्पति तेल अनसैचुरेटिड होते हैं, लेकिन इन दोनों में अधिक सैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती है। इनकी बजाय आप कैनोला, सनफ्लावर, कार्न फ्लावर, सोयाबीन, ऑलिव या पीनट ऑयल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ऐसे खाद्यों पर जोर दें, जिनमें कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट्स मौजूद हों। जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां तथा मटर। इनमें कैलोरीका कम होती हैं और फाइबर उच्च मात्रा में होता है।
- अपने हृदय की रक्षा करने के लिए प्रचुर मात्रा में फलों तथा सब्जियों का सेवन करें।
- हृदय रोगों का खतरा कम करने में मेवे भी बढ़िया भूमिका अदा करते हैं। ये स्वस्थकर प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। इनका सेवन ध्यान से करें, क्योंकि इनमें कैलोरीका बहुत होती हैं। इनके अधिक सेवन से वजन बढ़ सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**